THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 302 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष शु.10 2080 शनिवार, 20 जनवरी-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

पीएम आवास योजना के कार्यक्रम में भावुक हुए मोदी

काश! बचपन में ऐसे घर में रहने का मौका मुझे भी मिला होता

सोलापुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के सोलापुर में अटल अभियान (अमृत 2.0) के तहत 1201 करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं का भूमि-पूजन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुछ लोगों को घर की चाबी भी सौंपी। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कांग्रेस पर इशारों में निशाना साधते हुए कहा, पहले की सरकार सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा लगाती रही, लेकिन गरीबी नहीं हटी। गरीबों का पैसा बिचौलिया लूट ले जाते थे। उनकी नीति, नीयत और निष्ठा कठघरे में थी। हमारी नीयत साफ है।

पीएम ने कहा, मुझे खुशी है कि सोलापुर के हजारों गरीबों के लिए हमारा संकल्प आज पूरा हो रहा है। आज पीएम आवास योजना के तहत बनी देश की सबसे बड़ी सोसाइटी का लोकार्पण हुआ है। मैं आज देखकर आया और मैंने सोचा काश मुझे भी बचपन में ऐसे घर में रहने का मौका

मिला होता। पीएम इस दौरान भावुक हो गए और 12 सेकेंड तक चुप रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, गरीबों के नाम पर योजनाएं तो बनाई जाती थीं, लेकिन उनका लाभ गरीबों को नहीं मिलता था। गरीब के हक का पैसा बिचौलिये लूट जाते थे। पहले की सरकारों की नीति, नीयत और निष्ठा कठघरे में थी। हमारी नीयत साफ है और नीति गरीबों को सशक्त करने की है।

मोदी ने कहा, हमारी सरकार पहले दिन से प्रयास कर रही है कि श्रीराम के आदर्शों पर चलते हुए देश में सुशासन हो, देश में ईमानदारी का राज हो। ये रामराज्य ही है जिसने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की प्रेरणा दी है। मुझे खुशी है कि सोलापुर के हजारों मजदूरों-गरीबों के लिए हमने जो संकल्प लिया था, वो पूरा हो रहा है। पीएम आवास योजना के तहत बनी देश की सबसे बड़ी सोसाइटी का लोकार्पण हुआ है।

रामलला की पहली तस्वीर

राम मंदिर विवाद का फैसला सुनाने वाले पांचों जज को निमंत्रण

अयोध्या, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 16 जनवरी से शुरू हुए प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का शुक्रवार 19 जनवरी को चौथा दिन है। रामलला की पूरी तस्वीर सामने आई है। इसमें रामलला का पूरा चेहरा दिख रहा है। राम मंदिर विवाद का फैसला सुनाने वाले पांचों जज को निमंत्रण भेजा गया। आज शाम से अस्थाई मंदिर में रामलला के दर्शन बंद हो गये। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद नए मंदिर में 23 जनवरी से श्रद्धालुओं को दर्शन मिलेंगे। इससे पहले गुरुवार को रामलला की मूर्ति को गर्भगृह में बने आसन पर रख दिया गया था। कारीगरों ने मूर्ति को आसन पर खड़ा किया। इस प्रोसेस में 4 घंटे लगे। बताया गया है कि अब मूर्ति को गंध वास के लिए सुगंधित जल में रखा जाएगा। फिर अनाज, फल और घी में भी रखा जाएगा। आज श्रीरामलला का वैदिक मंत्रों के साथ औषधाधिवास, केसराधिवास, घृताधिवास कराया गया। फिर आरणी मंथन से कुंड में अग्नि प्रकट की गई।

दानिक्स के 2 अधिकारियों के खिलाफ एक्शन की तैयारी, 5 सस्पेंड

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के विजिलेंस डिपार्टमेंट ने केंद्र सरकार को विज्ञापन मामले में राज्य सरकार के दो दानिक्स (दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीप सिविल सेवा) अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का प्रस्ताव भेजा है। मामला साल 2016 का है जब दिल्ली सरकार ने अन्य राज्यों में लगभग 97 करोड़ रुपये का विज्ञापन दिया था। जिन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का प्रस्ताव भेजा गया है उनके नाम शमीम अख्तर और मनोज कुमार द्विवेदी हैं। अधिकारियों के सस्पेंशन और इन पर पेनल्टी लगाने का प्रस्ताव दिल्ली सरकार के विजिलेंस डिपार्टमेंट ने गृह मंत्रालय को भेजा है। इन दोनों अधिकारियों के अलावा तब इनके अंदर काम करने वाले पांच और ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी एक्शन लिया गया है।

इनके खिलाफ भी सस्पेंशन का आदेश जारी किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में कांग्रेस की दिल्ली इकाई के पूर्व अध्यक्ष अजय माकन ने 2016 में दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के विज्ञापनों पर कथित 97 करोड़ रुपये के 'निरर्थक खर्च' की वसूली के लिए उपराज्यपाल कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर सरकारी प्रचार की आड़ में कथित तौर पर राजनीतिक विज्ञापन प्रकाशित करने का आरोप लगाया था। मामला 29 मार्च, 2017 को दिल्ली के उपराज्यपाल के समक्ष रखा गया जिन्होंने पहले से जारी भुगतानों की वसूली करने और नए भुगतानों पर रोक लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने जांच और जिम्मेदारी तय करने का भी आदेश दिया।

राहुल की सांसदी बहाली के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाली के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका खारिज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। दरअसल याचिका में 7 अगस्त 2023 को लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी किए गए उस नोटिफिकेशन को खारिज करने की मांग की थी, जिसके जरिए राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल की गई थी। याचिका में मांग की गई थी कि सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाई। राहुल गांधी को अभी तक आरोपों से बरी नहीं किया गया है। ऐसे में उनकी संसद सदस्यता बहाल करने वाले नोटिफिकेशन को खारिज किया जाए।

'राष्ट्रीय ध्वज को जमीन पर न फेंकें'

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस को लेकर पूरे देश में देशभक्ति का माहौल देखा जा सकता है। अभी से सड़क किनारे, बाजारों में भारतीय ध्वज शान से लहराते दिख रहे हैं। ऐसे में, गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों सहित भारत सरकार के मंत्रालयों से भारतीय ध्वज संहिता का सख्ती से पालन कराने का अनुरोध किया है। मंत्रालय ने एक पत्र जारी कर यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि देश में विभिन्न आयोजनों पर जनता द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाते हैं। ऐसे में कार्यक्रम के बाद इन्हें जमीन पर न फेंका जाए। गृह मंत्रालय का कहना है कि इस तरह के झंडों को निजी तौर पर ध्वज की गरिमा के अनुरूप निपटाया जाना चाहिए।

सभी सरकारी कार्यालयों से तिरंगे के सम्मान के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम चलाने का भी अनुरोध किया है। मंत्रालय ने पत्र में कहा कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और इसलिए इसे सम्मान देना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सार्वभौमिक स्नेह, सम्मान और वफादारी है। मंत्रालय ने कहा फिर भी राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन पर लागू होने वाले कानूनों, प्रथाओं और परंपराओं के संबंध में लोगों के साथ-साथ सरकार के संगठनों/एजेंसियों के बीच अक्सर जागरूकता की कमी देखी जाती है।

राबड़ी आवास पहुंची ईडी की टीम, तेजस्वी को पेपर देकर लौटी

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम राबड़ी आवास पहुंची। एक अधिकारी की ओर समन के कागजात दिया गया। इसे डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की ओर से रिसीव किया है। इससे पहले भी ईडी की टीम ने लालू यादव और तेजस्वी यादव दोनों पूछताछ के लिए समन भेजा था। उन्हें रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। तेजस्वी यादव को 22 दिसंबर और लालू को 27 दिसंबर को एजेंसी के सामने पेश होन को कहा गया है। इस दौरान दोनों के बयान दर्ज किए जाएंगे। इधर, राबड़ी आवास पर ईडी की टीम को देख सियासी गलियारे में हड़कंप मच गया।

महुआ की सांसदी के बाद बंगला भी गया

बोले वकील- अफसरों के पहुंचने से पहले ही खाली किया, नहीं हुआ बेदखली का ऐक्शन

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नेता महुआ मोइत्रा से सांसदी के बाद सरकारी बंगला भी छिन गया है। शुक्रवार सुबह 9बी टेलिग्राफ लेन पर उनके सरकारी बंगले पर संपदा निदेशालय का एक दस्ता पहुंचा जो कि वहां बंगला खाली कराने पहुंचा था। महुआ मोइत्रा के वकील शादान फरासत ने पत्रकारों को बताया कि टीएमसी की पूर्व सांसद ने सरकारी बंगला खाली कर दिया है।

रिपोर्ट में वकील के हवाले से कहा गया कि टेलीग्राफ लेन पर महुआ मोइत्रा के बंगले 9बी को प्राधिकारियों के पहुंचने से पहले सुबह 10 बजे खाली कर दिया गया। बेदखल की कोई कार्रवाई नहीं हुई। मकान का कब्जा संपदा निदेशालय के अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

बंगला खाली किए जाने के दौरान वहां नहीं थीं

संवाददाता की ओर से इससे पहले बताया गया था कि जिस वक्त सरकारी बंगला खाली कराने की प्रक्रिया चल रही थी तब 9बी टेलिग्राफ लेन पर पुलिस ने दोनों तरफ से बैरिकेडिंग कर दी थी और सभी को उस आवास के पास जाने से रोक दिया था। यह भी बताया गया कि महुआ मोइत्रा उस समय घर पर नहीं थीं। मोइत्रा

हाईकोर्ट का किया था रुख, नहीं मिली थी राहत

निष्कासित लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा को इससे एक रोज पहले 18 जनवरी, 2024 को बंगला खाली करने के नोटिस के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख करने के मामले में अदालत से राहत नहीं मिली थी। कोर्ट ने उनको सरकारी आवास खाली करने के लिए जारी नोटिस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। सुनवाई के दौरान जस्टिस गिरीश कठपालिया बोले थे कि कोर्ट के सामने किसी खास नियम का जिक्र नहीं किया गया है जो सदस्यता रद्द होने पर सांसदों को सरकारी आवास से बेदखल करने से जुड़ा हो।

अदालत के आदेश में क्या कुछ कहा गया था?

कोर्ट के आदेश के अनुसार, ''उच्चतम न्यायालय के सामने याचिकाकर्ता (मोइत्रा) के निष्कासन के मुद्दे के पेंडिंग होने और सरकारी आवास खाली करने के लिए समय के विस्तार के मुद्दे से जुड़े होने के मद्देनजर आज की तारीख में याचिकाकर्ता के पास (बंगला खाली नहीं करने के अनुरोध का) कोई अधिकार नहीं है। यह अदालत इस स्तर पर बेदखली आदेश को रोकने के लिए संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करने की इच्छुक नहीं है। इस तरह से आवेदन खारिज किया जाता है।''

टीएमसी नेत्री ने बेदखली के नोटिस को दी थी चुनौती

कोर्ट ने टीएमसी नेता की याचिका को आगे की सुनवाई के लिए 24 जनवरी को लिस्ट किया जिसमें उन्होंने संपदा निदेशालय (डीओई) की ओर से जारी बेदखली नोटिस को चुनौती दी। मोइत्रा ने दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल अर्जी में चिकित्सा कारणों का हवाला देते हुए अधिकारियों को उन्हें सरकारी बंगले से बेदखल करने से रोकने का अनुरोध किया था।

महुआ मोइत्रा के सामने क्या थी मुश्किल जो मांगी थी राहत?

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की पार्टी में तेज-तर्रार छवि वाली नेत्री की ओर से अनुरोध किया गया था कि फिलहाल उन्हें परिसर से बाहर न निकाला जाए क्योंकि वह एक अकेली महिला हैं और यहां एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। मोइत्रा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील बृज गुप्ता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस नेता की सर्जरी हुई है और वह एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं। महुआ के वकील के मुताबिक, चिकित्सकों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। उन्होंने इसके साथ ही कोर्ट से आग्रह किया कि उन्हें बंगला खाली करने के लिए कुछ समय दिया जाए, हो सके तो चार महीने का समय दिया जाए।

नहीं हटाए धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट, गूगल-फेसबुक को हाई कोर्ट का नोटिस

भोपाल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने गूगल और फेसबुक के अधिकारियों को अवमानना के मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। ये मामला हिंदू आध्यात्मिक नेता धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट से जुड़ा है। दरअसल, कोर्ट के आदेश के बावजूद भी गूगल और फेसबुक दोनों ही कंपनियों ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट को नहीं हटाया था। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के इस पूरे मामले में याचिकाकर्ता रंजीत सिंह पटेल के वकील पंकज दुबे ने जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि पिछले महीने उच्च न्यायालय ने दोनों इंटरनेट कंपनियों को अपमानजनक पोस्ट हटाने का निर्देश दिया था।

यूपी कांग्रेस को एससी से झटका

बकाया बिल केस में दिया आदेश- 4 हफ्ते में जमा कराएं 1 करोड़ रुपए

प्रयागराज, 19 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी कांग्रेस कमिटी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शुक्रवार को टॉप कोर्ट ने बकाया बिल से जुड़े मामले में पार्टी को 4 हफ्ते में 1 करोड़ रुपए जमा कराने को कहा और यूपी रोडवेज को .करोड़ रुपए चुकाने के हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। यह पूरा मामला यूपी रोडवेज को 2.66 करोड़ रुपए चुकाने से जुड़ा है। इस केस में हाईकोर्ट की ओर से आदेश दिया गया था जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक नहीं लगाई है। कांग्रेस से 4 सप्ताह में 1 करोड़ रुपए जमा कराने को कहा गया है। सूबे में साल 1981 से 1989 के बीच सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने यूपी रोडवेज की बसों का इस्तेमाल किया था और पार्टी पर तब का बिल बकाया है।

क्या कहा था हाईकोर्ट ने

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिछले साल अक्टूबर में यूपी कांग्रेस कमिटी को इस पुराने बिल का भुगतान करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने तब कहा था कि उक्त सियासी दल बकाया 2 करोड़ 66 लाख रुपए पर 5 प्रतिशत ब्याज जोड़कर भुगतान करे। जज मनीष कुमार और जज विवेक चौधरी की बेंच ने दो टूक कहा था- आपने यूपी राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों और टैक्सियों का इस्तेमाल अपने राजनीतिक हितों के लिए किया था लेकिन पार्टी ने इसे नजरअंदाज कर दिया जो कि सही नहीं है।

कांग्रेस को हाईकोर्ट में पड़ी थी फटकार

कोर्ट ने कांग्रेस को फटकारते हुए कहा था- सत्ता में रहते हुए आपने निजी काम के लिए सरकारी सुविधा का लाभ उठाया है। आप सिर्फ यह कहकर बिल भरने से नहीं बच सकते हैं कि सत्ता बदलने के बाद राजनीतिक प्रतिशोध के कारण उनसे रकम वसूली जा रही है। आपको इस आधार पर बिल भुगतान करने से राहत नहीं दी जा सकती है।

एमपी के मशहूर महालक्ष्मी मंदिर के दानपात्र में लगी आग, जलकर ख़ाक हुए नोट

रतलाम, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रतलाम शहर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है यहाँ के व्यस्त बाजार और पुलिस थाना माणक चौक के समीप स्थित लोकप्रिय श्री महालक्ष्मी मंदिर की दान पेटी में अचानक आग लग गई। खबर प्राप्त होने पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा तथा दान पेटी में लगी आग बुझाई। प्राप्त हुई खबर के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे मंदिर में स्थित दान पेटी में आग लग गई। किसी ने दान पेटी में से धुआं निकलता देख आसपास के लोगों को और पुलिस थाने पर खबर दी। थाना प्रभारी प्रीति कटारे, एएसआई शिवनाथ सिंह राठौर और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तथा वह मौजूद लोगों की सहायता से पानी डालकर तत्काल आग को बुझा दिया गया।

केस के दोषियों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

21 जनवरी तक करना होगा सरेंडर

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो मामले में दोषियों को एक बड़ा झटका दिया है। दोषियों द्वारा जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए समय बढ़ाने की मांग वाली याचिका को आज शीर्ष कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि दोषियों को 21 जनवरी को खत्म हो रहे समय तक सरेंडर करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने सरेंडर करने का दिया था आदेश

बता दें कि गुजरात सरकार ने इन सभी दोषियों को माफी के तौर पर रिहाई से पहले ही जेल से रिहा कर दिया था। सरकार के इस फैसले पर विपक्ष समेत कई लोगों ने सवाल भी उठाए थे। इसके बाद सरकार के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर 8 जनवरी को सुनवाई हुई, जिसमें कोर्ट ने दोषियों को दो हफ्ते में जेल में सरेंडर करने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कही ये बात

बिलकिस बानो मामला में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आत्मसमर्पण के लिए समय बढ़ाने के लिए 11 दोषियों द्वारा बताए गए कारणों में कोई दम नहीं है। कोर्ट ने कहा कि आत्मसमर्पण को स्थगित करने और जेल में वापस रिपोर्ट करने के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा दिए गए कारणों में कोई योग्यता नहीं है, क्योंकि वे कारण किसी भी तरह से उन्हें हमारे निर्देशों को मानने से नहीं रोकते हैं।

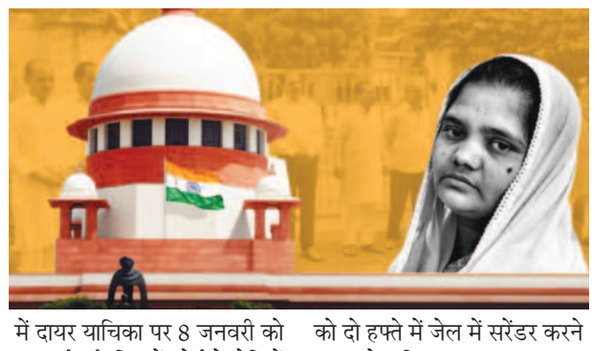

गुजरात सरकार के फैसले पर उठे थे सवाल

शीर्ष अदालत ने 8 जनवरी को मामले में 11 दोषियों को सजा में छूट देने के गुजरात सरकार के फैसले को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि आदेश 'रूढ़िवादी' थे और बिना दिमाग लगाए पारित किए गए थे। कोर्ट ने दोषियों को 21 जनवरी तक जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करने को कहा था।

'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी'

सीमा हैदर ने भजन गाकर बांधा समां, घर-घर घूम कर रहीं राम काज

नोएडा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान से अपने बच्चों संग नोएडा आई महिला सीमा हैदर इन दिनों राम मंदिर के माहौल में पूरी तरह डूब गई हैं। उनका कोई भी वीडियो जल्दी ही सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है। इन दिनों एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह राम भक्ति में पूरी तरह डूबी दिख रही हैं। वह इस वीडियो में स्वाति मिश्रा का भजन 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' गा रही हैं। हाल ही में एक और वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें सीमा का एक बेटा हनुमान चालीसा का पाठ कर रहा था। इसमें सचिन और सीमा भी भक्ति में डूबे दिख रहे थे। वीडियो में उनके वकील एपी सिंह भी नजर आ रहे हैं। अब जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें सीमा हाथ जोड़कर भजन गाने में डूबी हुई हैं। माथे में सिंदूर, बिंदी और गले में मंगलसूत्र पहनी सीमा भक्ति-भाव से राम भजन कर रही हैं। बता दें, हाल ही में सीमा हैदर ने भी अयोध्या जाने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा था कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद वह जरूर भगवान राम के दर्शन करने पहुंचेगी।

भाजपा नेता का सीएम ममता से अनुरोध

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दिन छुट्टी की घोषणा करें

कोलकाता, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक चिट्ठी लिखी है। उन्होंने सीएम ममता से 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दिन छुट्टी की घोषणा करने की अपील की है, जिससे की लोग प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हो सके। पड़ोसी राज्य असम और ओडिशा समेत कई अन्य राज्यों में केंद्र की तरफ से आधे दिन की छुट्टी का एलान किया गया है।

भाजपा नेता का सीएम ममता से अनुरोध

सुकांत मजूमदार ने लिखा, 'मैंने सीएम ममता बनर्जी से 22 जनवरी को स्कूलों में छुट्टी की घोषणा करने का अनुरोध किया है, जिससे की बंगाल के युवा भी इस समारोह में शामिल हो सकें। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने इससे पहले कई मौकों पर छुट्टी की घोषणा कर चुकी है।' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में राज्य के लोगों को भी शामिल होना चाहिए। इसलिए हम आपसे इस दिन छुट्टी की घोषणा करने की अपील करते हैं।' ममता बनर्जी ने 22 जनवरी को दक्षिण कोलकाता के हाजरा क्रॉसिंग से पार्क सर्कस तक सद्भाव रैली का नेतृत्व करने वाली है। इस दौरान वह जनता को भी संबोधित करेंगी। कालीघाट में पूजा करने के बाद वह इस मार्च को शुरू करेंगी।

केंद्र की तरफ से की गई विशेष घोषणा

बता दें कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर केंद्र सरकार ने गुरुवार को सरकारी दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए एक विशेष घोषणा की थी। केंद्र ने 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर सरकारी कर्मियों की भावनाओं को देखते हुए दोपहर ढाई बजे तक सभी केंद्रीय दफ्तरों में अवकाश का एलान किया है। इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर पर स्मारक डाक टिकट और दुनिया भर में भगवान राम पर जारी टिकटों की एक पुस्तक जारी की। उन्होंने अयोध्या राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' से पहले मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाने का भी आह्वान किया है।

पत्रकार सौम्या विश्वनाथन हत्याकांड

साकेत कोर्ट में फैसला सुरक्षित, आज होगा दोषियों की सजा का ऐलान

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन हत्याकांड मामले में साकेत कोर्ट ने दोषियों की सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। शुक्रवार (19 जनवरी) को इस केस में सुनवाई हुई। साकेत कोर्ट शनिवार को दोषियों की सज़ा का ऐलान दोपहर 2:30 बजे करेगा। डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथॉरिटी (डीएलएसए) और जेल ऑथरिटी ने साकेत कोर्ट में रिपोर्ट जमा कर दी है। साकेत कोर्ट ने इस केस में सभी पांच लोगों को दोषी करार दिया था। कोर्ट ने इनमें से चार लोगों - रवि कपूर, अमित शुक्ला, बलजीत सिंह मालिक व अजय कुमार - को हत्या का दोषी करार दिया था। हालांकि, कोर्ट ने अजय सेठी को हत्या का दोषी नहीं माना। अदालत ने सेठी को आईपीसी के सेक्शन 411 के तहत दोषी करार दिया था।

2008 में हुई थी हत्या

सौम्या विश्वनाथन की 30 सितंबर 2008 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के दौरान वह कार से घर लौट रही थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र और यूपी का दौरा इसलिए बार-बार कर रहे हैं

क्योंकि वहां पर लोकसभा की सीटें ज्यादा हैं , संजय राउत ने पीएम मोदी के दौरे पर साधा निशाना

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 13 महीनों के भीतर की गई महाराष्ट्र की यात्राओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि पीएम मोदी बार-बार इसलिए आ रहे हैं क्योंकि आम चुनाव नजदीक आ रहे हैं। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा पीएम मोदी बार-बार महाराष्ट्र आ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि वह महाराष्ट्र से प्यार करते हैं या वह उत्तर प्रदेश इसलिए नहीं जा रहे हैं क्योंकि उन्हें यूपी से प्यार है। दरअसल उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटें अधिक हैं और उसके बाद महाराष्ट्र लोकसभा की सीटों के लिहाज से दूसरे नंबर पर है। इसके साथ राउत ने हिंसा प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर का दौरा नहीं करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की तीखी आलोचना की। संजय राउत ने दावा किया कि पीएम मोदी ने 13 महीनों में आठ से अधिक बार महाराष्ट्र का दौरा किया। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र 2024 के लोकसभा चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यहां की एकनाथ शिंदे सरकार पूरी तरह से फेल है। यहां के लोग भाजपा को वोट नहीं दे सकते हैं। वह 13 महीनों में 8 से 10 बार यहां आए। आखिर वो मणिपुर क्यों नहीं जाते हैं? इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के सोलापुर में विकास परियोजनाओं और पहलों का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री शहरी योजना के तहत पूर्ण किए गए 90,000 से अधिक घरों को समर्पित किया। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोलापुर में सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र में लगभग 2,000 करोड़ रुपये की 8 एएमआरयूटी (कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन) परियोजनाओं की भी आधारशिला रखी।

भारत के लिए 'अमृत काल' से ज्यादा जरूरत 'शिक्षा काल' की : खरगे

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देश में शिक्षा की स्थिति को लेकर शुक्रवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत 2024 में अपने छात्रों के लिए न्याय सुनिश्चित करेगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत को 'अमृत काल' से ज्यादा 'शिक्षा काल' की जरूरत है।' खरगे ने वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) का हवाला देते हुए कहा, '2024 में भारत अपने छात्रों के लिए मोदी सरकार से न्याय सुनिश्चित करेगा, क्योंकि शिक्षा पर उसका रिपोर्ट कार्ड घोर विफलता के साथ चिह्नित है।' इस रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, 'ग्रामीण भारत में 14 से 18 वर्ष के 56.7 प्रतिशत छात्र तीसरी कक्षा का गणित हल नहीं कर सकते। इस आयु वर्ग के 26.5 प्रतिशत छात्र अभी भी अपनी क्षेत्रीय भाषा में दूसरी कक्षा के स्तर का पाठ धाराप्रवाह नहीं पढ़ सकते हैं।'

गुजरात कांग्रेस को एक और झटका

विधायक सीजे चावड़ा ने दिया इस्तीफा

अहमदाबाद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में बिखराव का दौर शुरू हो गया है। यहां गुजरात में कांग्रेस पार्टी के एक और विधायक ने इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि विजापुर विधानसभा सीट से विधायक सीजे चावड़ा ने आज शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी को इस्तीफा सौंपा है। वहीं गुजरात में कांग्रेस के लिए ये बड़ा झटका माना जा रहा है। इसके साथ ही चावड़ा अब कहां जाएंगे इसको लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। कुछ दिन पहले ही खंभात के विधायक चिराग पटेल ने भी इस्तीफा दे दिया था, ऐसे में अब चावड़ा के इस्तीफे से गुजरात कांग्रेस में हलचल मच गई है।

गुजरात कांग्रेस की बढ़ी टेंशन

बता दें कि सीजे चावड़ा के इस्तीफे के बाद से गुजरात कांग्रेस की परेशानी अब और भी अधिक होती नजर आ रही है। दरअसल, पिछले विधानसभा चुनाव में गुजरात कांग्रेस ने 182 में सिर्फ 17 सीटों पर ही जीत दर्ज की थी। वहीं अब एक के बाद एक विधायकों के इस्तीफे से गुजरात कांग्रेस और भी कमजोर होती जा रही है। कांग्रेस के पास गुजरात में अब सिर्फ 15 ही विधायक बचे हुए हैं। क्योंकि चावड़ा से पहले चिराग पटेल ने भी इस्तीफा दिया था, ऐसे में कांग्रेस के दो विधायकों की संख्या और घट गई है।

कौन हैं सीजे चावड़ा

बता दें कि 51 वर्षीय सीजे चावड़ा गांधीनगर के मूल निवासी हैं। चावड़ा पेशे से वेटनरी सर्जन हैं और कानून के भी जानकार हैं। उन्हें गुजरात में जमीन से जुड़ा नेता माना जाता है। वह गुजरात कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी वह रह चुके हैं। साथ ही गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में चावड़ा की गिनती होती है। चावड़ा ने अमित शाह के खिलाफ भी चुनाव लड़ा है। वह गांधीनगर जिला कमेटी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

असाधारण उपलब्धि के लिए 19 बच्चों को राष्ट्रपति 22 को करेंगी सम्मानित

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देशभर के असाधारण उपलब्धि करने वाले 19 बच्चों को विज्ञान भवन में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 से सम्मानित करेंगे। इन पुरस्कार पाने वाले बच्चों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23 जनवरी को बातचीत करेंगे। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 (पीएमआरबीपी) के लिए कला और संस्कृति के लिए सात, बहादुरी के लिए एक, नवाचार के लिए एक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए एक, सामाजिक सेवा के लिए चार और खेल के लिए पांच बच्चों को चुना गया।

इन्हें असाधारण उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार पाने वालों में दो आकांक्षी जिलों सहित 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से नौ लड़के और दस लड़कियां शामिल हैं। पीएमआरबीपी पुरस्कार विजेता को एक पदक और प्रमाण पत्र दिया जाएगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी भी बच्चों के साथ बातचीत भी करेंगी और राज्यमंत्री डॉ। मुंजपारा महेंद्रभाई की उपस्थिति में उन्हें सम्मानित करेंगी। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान करती है। यह पुरस्कार 5 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों को कला और संस्कृति, बहादुरी, पर्यावरण, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा और खेल में पदक और प्रमाणपत्र प्रदान किए जाते हैं, जो राष्ट्रीय मान्यता के पात्र हैं।

'उल्टा लटकाया, लाल मिर्च का दिया धुँआ और।', इंदौर में अनाथालय में बच्चियों के साथ हुई दरिंदगी

इंदौर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में पिछले दिनों प्रशासन ने एक निजी अनाथालय पर कार्रवाई करते हुए सील कर दिया था। छापा मारने के चलते अनाथालय में कई कमियां देखने को मिली थीं।

इंदौर के विजयनगर स्थित निजी अनाथालय पर कई गंभीर इल्जाम भी लगे। आरोप है कि अनाथालय में 21 लड़कियां थीं, जिनके ऊपर कई प्रकार के अत्याचार किए जाते थे। इसमें आरोप है कि नाबालिग लड़कियों को लोहे के चिमटे से दागा जाता था, अनाथालय पर बच्चियों को लाल मिर्च मिला हुआ धुआं सूंघाने का भी आरोप है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 20 जनवरी, 2024 3

युविचार

अगर आप सही दिशा में है तो चिंता मत कीजिए बल्कि उस दिशा में चलते रहे ऐसा करने से अवश्य ही आप अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।

समस्याओं के समाधान के लिए लोकतंत्र को मजबूत करना अनिवार्य: रेवंत रेड्डी

ईलिंग, साउथहॉल निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे लेबर सांसद वीरेंद्र शर्मा ने बैठक की मेजबानी की

लंदन/हैदराबाद 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को ऐतिहासिक वेस्टमिंस्टर बिल्डिंग में इंडोफाइल ब्रिटिश संसद सदस्यों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा कि , "लोकतंत्र को मजबूत करना – भारत और ब्रिटेन के बीच सबसे मजबूत संबंधों में से एक – की समस्याओं को हल करने के लिए जरूरी है।" दुनिया।" यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, 1016 ईस्वी में पहली बार एक महल के रूप में निर्मित इस ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित स्मारक पर बोलते हुए, सीएम रेड्डी ने कहा, आज, दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है। युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, अधिकारों से इनकार, लोकतंत्र पर हमला। समस्याएँ अनेक हैं लेकिन उत्तर एक है – लोकतंत्र के माध्यम से लोगों को सशक्त बनाना।'' दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंध और बंधन के बारे में बात करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा, आपके देश ने भारत पर शासन किया। मेरी पार्टी, कांग्रेस पार्टी, ने आज़ादी की लड़ाई लड़ी। हमारे दोनों देशों को बार-बार महात्मा गांधी का संदेश लेना चाहिए – जिन्होंने हमें सत्य और अहिंसा के साथ न्याय के लिए लड़ना दिखाया।' जमीनी स्तर के राजनीतिक नेता के रूप में अपने अनुभव के बारे में बोलते हुए, जो तेलंगाना जैसे महान राज्य का मुख्यमंत्री बन सकता है, उन्होंने कहा, मैं एक किसान का बेटा हूं, ग्रामीण भारत में पैदा हुआ और पला-बढ़ा हूं। केवल लोकतंत्र और कांग्रेस पार्टी के समावेशी दर्शन के कारण, मेरे पास यह अवसर है। हमें सभी के लिए अवसर पैदा करने होंगे, जो लोकतंत्र की असली ताकत है। लेबर सांसद वीरेंद्र शर्मा ने बैठक की मेजबानी की, जिसमें सात अन्य सांसद और कई आमंत्रित गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

बिना लाइसेंस वाले गोदाम पर छापा 20 लाख की दवा ज़ब्त

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। औषधि नियंत्रण प्रशासन, तेलंगाना के अधिकारियों ने हैदराबाद के अंबरपेट में एक बिना लाइसेंस वाले गोदाम पर छापा मारा और 20.52 लाख मूल्य की दवाओं का भारी स्टॉक जब्त किया। छापेमारी के दौरान 'तेलंगाना गवर्नमेंट सप्लाई ड्रग्स' का भारी स्टॉक भी जब्त किया गया। एकत्र की गई खुफिया जानकारी के आधार पर, ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन, तेलंगाना के अधिकारियों ने आजाद नगर, अंबरपेट में स्थित एक गोदाम पर छापा मारा। मो. बशीर अहमद बिना ड्रग लाइसेंस के गोदाम का संचालन कर रहा है और दवाओं की अवैध बिक्री कर रहा है।

18, 19 जनवरी को की गई छापेमारी के दौरान डीसीए अधिकारियों को गोदाम में कई कार्डबोर्ड शिपर कार्टन मिले जिनमें भारी मात्रा में दवाएं थीं। छापेमारी के दौरान गोदाम में एंटीबायोटिक्स, पीडियाट्रिक सिरप, एंटी अल्सर दवाएं, एनाल्जेसिक दवाएं, एंटीबायोटिक इंजेक्शन, मलेरिया रोधी दवाएं आदि सहित चालीस प्रकार की दवाएं मिलीं। गोदाम में मिली अधिकांश दवाओं के लेबल पर 'एशले फार्मटिक प्राइवेट लिमिटेड' का नाम है। खसरा नंबर 24, फार्म हाउस नंबर 103, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 को 'विपणक' के रूप में दर्शाया गया है और इसमें हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न निर्माताओं का विवरण है।

गोदाम में 'तेलंगाना गवर्नमेंट सप्लाई ड्रग्स' का भी भारी स्टॉक मिला है। तेलंगाना सरकार गोवा एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, पेरनेम, गोवा द्वारा निर्मित दवाओं, अमोक्सीसिलिन कैप्सूल आईपी 500 मिलीग्राम' और स्ट्राइड ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित 'एज़िथ्रोमाइसिन टैबलेट आईपी 500 मिलीग्राम' गोदाम में मिले हैं।छापेमारी के दौरान मो. बशीर अहमद पाए गए दवा स्टॉक के 'आपूर्ति के स्रोत' का खुलासा करने में विफल रहे। मो. बशीर अहमद दवा स्टॉक के संबंध में खरीद बिल प्रस्तुत करने में विफल रहे। मो. बशीर अहमद ने खुलासा किया कि वह राज्य में कई मेडिकल दुकानों को बिना किसी बिक्री बिल के दवाओं की आपूर्ति कर रहा है।छापेमारी के दौरान अधिकारियों द्वारा दवाओं के स्टॉक को जब्त कर लिया गया है, जिनके नकली/नकली होने का संदेह है। छापेमारी के दौरान जब्त की गई दवाओं की कुल कीमत 20.52 लाख बताई जा रही है। वी. अजय, ड्रग्स इंस्पेक्टर, गोशामहल ने अंबरपेट में बिना लाइसेंस वाले गोदाम और हैदराबाद में मेडिकल दुकानों को बिना बिक्री बिल के दवाओं की बिक्री के संबंध में खुफिया जानकारी इकट्ठा की। संयुक्त निदेशक जी. रामधन, सहायक निदेशक टी. राजामौली, डी. सरिता, औषधि निरीक्षक बी. लक्ष्मीनारायण, वी. अजय, कार्तिक शिव चैतन्य, जे. नागराजू, एक. रश्मि छापेमारी करने वाले अधिकारियों में शामिल रहे। अधिकारियों का कहना है कि औषधि नियंत्रण प्रशासन, तेलंगाना बिना लाइसेंस वाली स्टॉकिंग और दवाओं की अवैध बिक्री का पता लगाने के लिए लगातार सतर्क और सतर्क है। 'सरकारी आपूर्ति दवाएं' केवल सरकारी अस्पतालों में वितरण के लिए हैं और इन्हें किसी अन्य संस्था द्वारा स्टॉक या बेचा नहीं जाना है। बिना ड्रग लाइसेंस के दवाओं का भंडारण, 'सरकारी आपूर्ति दवाएं' ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स अधिनियम के तहत पांच साल तक की कैद के साथ दंडनीय है। डीसीए तेलंगाना दवाओं की अवैध बिक्री पर खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रहा है और ऐसे गोदामों पर औचक छापेमारी तेज कर दी गई है जो बिना किसी दवा लाइसेंस के दवाओं का भंडारण और बिक्री कर रहे हैं। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीसीए अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान 'संदिग्ध नकली/नकली दवाओं' के नमूने विश्लेषण के लिए उठाए। सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

नए स्टेशन भवन में विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी : अरुण जैन

तेजी से चल रहा है सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का उन्नयन कार्य

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन विश्व स्तरीय सुविधाओं और आधुनिक सौंदर्यपूर्ण लुक के साथ पुनर्विकास के लिए रेल मंत्रालय द्वारा उठाए गए प्रमुख रेलवे स्टेशनों में से एक है। इसके हिस्से के रूप में, पुनर्विकास कार्य मैसर्स को सौंपा गया है।

गिरधारीलाल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को ईपीसी मोड के तहत 700 करोड़ रुपये (लगभग) की लागत से 36 महीने में पूरा करना है। तदनुसार, मौजूदा स्टेशन भवन के दोनों किनारों पर काम शुरू हो गया है, ताकि लक्षित समय अवधि के भीतर कार्यों को पूरा करना सुनिश्चित किया जा सके। यात्री सेवाओं को बाधित किए बिना, निर्माण गतिविधि को सुविधाजनक बनाने के लिए उत्तर की ओर मौजूदा बुकिंग कार्यालय के स्थान पर पहले से ही एक अस्थायी बुकिंग कार्यालय का निर्माण किया गया है। इसी तरह, नई आरपीएफ बिल्डिंग का काम पूरा हो चुका है। अब, अन्य पुनर्विकास कार्यों के लिए निर्माण गतिविधि आगे बढ़ रही है। दक्षिण की ओर, नींव से संबंधित लगभग 80% निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसी तरह बेसमेंट 1 स्लैब का काम भी 80% और बेसमेंट 2 स्लैब का 60% काम पूरा हो चुका है। दक्षिण दिशा का भूतल प्रस्थान करने वाले यात्रियों के लिए ड्रॉप-ऑफ़ ज़ोन होगा, जबकि बेसमेंट 1 दक्षिण दिशा की ओर आने वाले यात्रियों के लिए पिक-अप ज़ोन होगा। बेसमेंट 2 में वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा होगी और लगभग 200 चार पहिया वाहनों को रखने की क्षमता होगी। शेष कार्य को पूरा करने के लिए, साथ ही वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए, एक अस्थायी सड़क बनाई गई है और मौजूदा स्टेशन भवन के दक्षिण की ओर यात्रियों के लिए खोल दी गई है।

इसके अलावा, दक्षिण की ओर मौजूदा इमारत का विस्तार किया जाएगा और इसमें नई और आधुनिक इमारत बनाई जाएगी। इसके लिए फाउंडेशन का करीब 45 फीसदी काम पूरा हो चुका है. इसी तरह, कॉलम का 45% काम और ग्राउंड फ्लोर स्लैब का लगभग 30% काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा, स्टेशन की मांगों को पूरा करने के लिए मौजूदा 11 केवी के स्थान पर 33 केवी क्षमता के दो विद्युत सबस्टेशन स्थापित किए जाएंगे। तदनुसार, दक्षिण की ओर एक 33 केवी ईएसएस के लिए काम शुरू हो गया है। सिविल फ्रेम संरचना और दीवारें पहले ही पूरी हो चुकी हैं और फ़िनिशिंग का काम अभी प्रगति पर है।

उत्तर की ओर मल्टी-लेवल कार पार्किंग (एमएलसीपी) के निर्माण का काम चल रहा है। पुनर्विकसित स्टेशन में स्टेशन भवन के उत्तरी तरफ 6 मंजिला एमएलसीपी होगा। वर्तमान में, 50% से अधिक नींव कार्य, कॉलम कार्य के साथ-साथ ग्राउंड फ्लोर स्लैब कार्य पूरा हो चुका है। इसके साथ ही, पुनर्विकास कार्यों की सुविधा के लिए उत्तर की ओर मौजूदा स्टेशन भवन के 25% हिस्से में उपयोगिता स्थानांतरण का काम पूरा हो चुका है। काजीपेट-एंड की ओर एक नए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण कार्य भी शुरू हो गया है, जिसके लिए दो प्लेटफार्मों पर नींव का काम पूरा हो चुका है, जबकि अन्य प्लेटफार्मों पर काम जारी है।

महिलाओं को परेशान करने वालों की खैर नहीं : सुधीर बाबू

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इस महीने रचाकोंडा की टीमों ने 1 से 15 जनवरी तक तारीख तक लगभग 118 गुंडों को पकड़ा है । रचाकोंडा कमिश्नर जी.सुधीर बाबू ने कहा कि राचकोंडा शी टीम्स की पुलिस लड़कियों और महिलाओं को परेशान करने वाले गुंडों को नहीं छोड़ेगी और महिलाओं को निडर होकर शिकायत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों, स्कूलों, कॉलेजों, सब्जी बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं और लड़कियों और महिलाओं का पीछा करने वाले गुंडों की हरकतों को सबूत के तौर पर लिया जाता है और पेश किया जाता है। अदालत और उनके माता-पिता की उपस्थिति में परामर्श दिया गया।

राचकोंडा महिला सुरक्षा विंग, शी टीम्स के तत्वावधान में, आज रचाकोंडा कैंप कार्यालय में छेड़खानी करने वालों के लिए काउंसलिंग आयोजित की गई। शी टीमों ने 118 लोगों (मेजर-54, नाबालिग-64) को गिरफ्तार किया जो रचाकोंडा कमिश्नरेट में महिलाओं और युवा महिलाओं को परेशान कर रहे थे। एलबी नगर सीपी कैंप कार्यालय (महिला सुरक्षा विंग कार्यालय) में विशेषज्ञ परामर्शदाताओं द्वारा उनके परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में उनकी काउंसलिंग की गई। राचकोंडा आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने कहा कि इस महीने की 1 से 15 तारीख तक 138 शिकायतें प्राप्त हुईं। उन्होंने बताया कि शिकायतों पर जांच कर कार्रवाई पूरी कर ली गई है।

प्राप्त शिकायतों में फोन के माध्यम से उत्पीड़न – 30, व्हाट्सएप कॉल और संदेशों के माध्यम से उत्पीड़न – 20, सोशल मीडिया ऐप्स के माध्यम से उत्पीड़न – 33, प्रत्यक्ष उत्पीड़न – 55 शामिल हैं। इनमें आपराधिक मामले – 4, छोटे मामले – 53 और 64 लोगों को परामर्श दिया गया।

एनआईपीईआर-हैदराबाद ने 11वां दीक्षांत समारोह मनाया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर-हैदराबाद) ने शुक्रवार को अपना 11वां दीक्षांत समारोह मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अरुणीश चावला, सचिव, फार्मास्यूटिकल्स विभाग और लौरस लैब्स के सीईओ डॉ. सत्यनारायण चावा सहित विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। एनआईपीईआर-हैदराबाद के निदेशक प्रोफेसर शैलेन्द्र सराफ ने समारोह की अध्यक्षता की और सम्मानित अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रो. शैलेन्द्र सराफ ने फार्मास्युटिकल विज्ञान में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में एनआईपीईआर-हैदराबाद की 1% साल की यात्रा पर प्रकाश डाला। एनआईआरएफ प्रथम रैंक सहित संस्थान की उपलब्धियां अनुसंधान, उद्योग परियोजनाओं और छात्र उत्कृष्टता में व्यापक विकास को दर्शाती हैं। एनआईपीईआर-एचवाईडी ने अपनी स्थापना के बाद से ही अत्याधुनिक अनुसंधान के माध्यम से भारत को फार्मेसी और चिकित्सा में आत्मनिर्भर बनाने में सक्रिय योगदान दिया है। शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में, एनआईपीईआर-एचवाईडी ने 1%5 शोध प्रकाशनों, 53 पुस्तक अध्यायों, 10 दायर पेटेंटों और 3 स्वीकृत पेटेंटों के साथ महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए। विभिन्न उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग करते हुए, संस्थान ने 16 एमओयू हासिल किए और 41 अतिरिक्त और उद्योग-विशिष्ट परियोजनाएं शुरू कीं। संस्थान सक्रिय रूप से एमएसएमई और जन आयुषी जैसे सरकारी कार्यक्रमों का समर्थन करता है। दीक्षांत समारोह में प्रतिष्ठित अतिथियों के प्रेरक संबोधन हुए। मुख्य अतिथि के रूप में अरुणीश चावला ने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की और स्नातक छात्रों को अपनी फार्मास्युटिकल विशेषज्ञता के माध्यम से देश के कल्याण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. सत्यनारायण चावा ने फार्मास्युटिकल क्षेत्र में समर्पण और नवाचार के महत्व पर जोर दिया। प्रो. शैलेन्द्र सराफ ने स्नातकों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया और फार्मास्युटिकल शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता दोहराई।इसके अलावा, कई विशिष्ट अतिथियों ने अपने ज्ञान और अनुभव साझा किए। श्री अरुणीश चावला ने भारतीय फार्मास्युटिकल क्षेत्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए और फार्मेसी के लिए भारत को "विश्वगुरु" बताते हुए स्नातक छात्रों को शुभकामनाएं दीं। कुल मिलाकर, 9 पीएच.डी. और 183 एम.एस. सहित 192 छात्र (फार्म.), एम.टेक और एम.बी.ए. (फार्म.) के छात्रों ने दीक्षांत समारोह के दौरान अपनी डिग्री प्राप्त की, विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। उल्लेखनीय पुरस्कार विजेताओं में सुश्री सोलाई एमआर (औषधीय रसायन विज्ञान), सुश्री तलारी शशिकला (फार्मास्युटिकल विश्लेषण), सुश्री पूजिता पिंजला (फार्माकोलॉजी और टॉक्सिकोलॉजी), सुश्री मोमिन अल्फिया अशपाक (नियामक टॉक्सिकोलॉजी), श्री नैतिक जैन (फार्मास्यूटिक्स), सुश्री करीना सिन्हा (फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी प्रोसेस केमिस्ट्री), सुश्री मानसी श्रीवास्तव (फार्मास्युटिकल प्रबंधन), सुश्री अधव स्नेहल संजय (मेडिकल डिवाइसेस), सुश्री दमारे रुतुजा आबा (प्राकृतिक उत्पाद), सुश्री देवसानी नम्रता दत्तात्रेय (फार्माकॉइनफॉर्मेटिक्स), और सुश्री किथिगा देवी एस एस (नियामक मामले) शामिल है। इस समारोह में एनआईपीईआर हैदराबाद के डीन प्रोफेसर नंदूरी श्रीनिवास, रजिस्ट्रार डॉ. एस गणनधामू और संकाय और कर्मचारियों ने भाग लिया और जश्न मनाया, जिससे यह एक यादगार कार्यक्रम बन गया।

www.surakshasmartcity.com

SURAKSHA SMART CITY

WE ARE HIRING

MANPOWER FOR PRECAST FACTORY

SURAKSHA SMART CITY, VASAI, MUMBAI.

	EXPERIENCE	No. of people required
• Concrete Finishing Mason	Min 3 years	280
• Steel Fixer	Min 3 years	80
• Mould Fitter	Min 3 years	400
• Shuttering Carpenter	Min 3 years	20
• Precast Rigger	Min 5 years	80
• Precast Erector's	Min 5 years	100
• All Rounder Helper	Min 3 years	430
• Chargehand	Min 5 years	60
• EOT Crane Operator	Min 5 years	15
• Fabricator	Min 5 years	25
• Welder	Min 5 years	25
• Hydraulics Operator	Min 5 years	30
	TOTAL	1545

INTERVIEW AT:
S.N. REDDY Garden, NH 65, Gouthaminagar Colony, Near BHEL Bus Stop, Lingampally, Hyderabad - 500050.

PROJECT LOCATION: SURAKSHA SMART CITY, VASAI (MUMBAI).

- ACCOMODATION WILL BE PROVIDED BY COMPANY.
- FOOD (LUNCH AND DINNER) WILL BE PROVIDED BY COMPANY.
- SALARY DEPENDING UPON EXPERIENCE AND PERFORMANCE.

HIRING ON:
21st January 2024,
9 Am to 7 Pm

NOTE: At the time of Interview Please bring the following documents.
RESUME, AADHAR CARD COPY, PANCARD COPY, BANK PASSBOOK COPY, 2 PASSPORT SIZE PHOTOGRAPH, EXPERIENCE LETTER (IF ANY), NOMINEE AADHAR CARD, PHOTO, All 2 Sets Xerox.

MahaRERA No.: P99000023396

Please contact: Email: - Sharukh.shaikh@surakshacity.com
WhatsApp: - 7021710662 / 8956662681

IN THE COURT OF THE HON'BLE 1st SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD
O. S. No. 173 OF 2023

BETWEEN:-
Sri Rajkumar Singh ...Plaintiff
AND
Sri Sheetal Singh & others ...Defendants
To,
Sri Shankar Singh, S/o. Munnalal Singh, aged about 44 years, Occ: Pvt., Employee, R/o. H.No.13-2-447, Rahimpura, Hyd-06, T.S. **(Def.No.18)**

Please take notice that the above named plaintiff has filed O.S.No.173 of 2023 for partition and separate possession against you and others and the said suit is posted on **23.01.2024** for your appearance, hence you are hereby directed to appear before the above said Hon'ble Court on **23.01.2024** at 10.30 AM in person or through your pleader and if you failed to appear before the above said Hon'ble Court, then the matter will be decided on merits.

// BY ORDER OF THE COURT //
M/s. SUKHRAJ, Advocates,
H.No.12-1-274, Asif Nagar, Kummarwadi, Hyderabad-500028. Cell # 9177019888

गृह मंत्री अमित शाह का बयान और नीतीश कुमार का एक्शन कड़ी जोड़िये तो बिहार की राजनीति के लिए बेहद अहम

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति के अंदरखाने से बड़ी खबर यह है कि जेडीयू के मंत्री और विधायकों को पटना में ही रहने का निर्देश दिया गया है। ऐसा क्यों है इसको लेकर कई तरह की खबरें सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि एक बार फिर बिहार की राजनीति में उथल पुथल हो सकता है और गठबंधन का नया स्वरूप सामने आ सकता है। आरजेडी और जेडीयू की सीट शेयरिंग को लेकर अलग-अलग राय कहीं ना कहीं ये इशारा भी दे रहा है कि बिहार की राजनीति में सब कुछ सहज नहीं है और कुछ बड़ा खेल होने वाला है।

बिहार की राजनीति में कभी भी कोई बड़ा बदलाव हो सकता है इस बात के संकेत आने शुरू हो गए हैं। कई मसलों पर राजद और जदयू की राय अलग है। 24 जनवरी को कर्पूरी ठाकुर की 100वीं जयंती पर ये दोनों ही दल

अपना अलग अलग कार्यक्रम करने जा रहे हैं। दरअसल, पहले जदयू ने कर्पूरी जयंती की सभा कैंसल की थी, मगर राजद ने 23 जनवरी को भव्य जयंती समारोह की घोषणा के बाद जदयू ने उसके अगले दिन ही वेटनरी ग्राउंड में जयंती का ऐलान किया है। पूरे पटना में माइकिंग के जरिए आमंत्रित किया जा रहा है। जाहिर है अब राजद-जदयू आमने सामने है।

जदयू की मांग पर लालू यादव के अलग सुर के क्या संकेत?

अलग-अलग रैलियों के आयोजन के साथ ही सीट शेयरिंग को लेकर लालू यादव का बयान भी काफी दिलचस्प है। नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने जहां 17 सीटों पर लड़ने की घोषणा की है, और इंडिया अलायंस में जल्द से जल्द सीट शेयरिंग की मांग उठा रही है, वहीं लालू यादव साफ और स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि सीट शेयरिंग की जल्दी क्या है, यह अपने समय पर होगा। जाहिर है जदयू की जल्दी और राजद की देरी, ये दोनों ही संकेत बिहार की राजनीति की काफी कहानी कह देती है।

राहुल का फोन, तेजस्वी का एक्शन और नीतीश की चुप्पी

हाल के दिनों में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की दूरी लगातार दिख रही है। प्रकाश पर्व में नीतीश तेजस्वी की दूरी, शिक्षक नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में श्रेय लेने की होड़ हो या फिर हाल में ही बिजनेस समिट में इन दोनों नेताओं के बीच की दूरी साफ दिखी है। हालांकि, राहुल गांधी के फोन के बाद तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री आवास जाकर यह दूरी पाटने की कवायद की थी, लेकिन नीतीश कुमार की लगातार चुप्पी काफी कुछ इशारा कर रही है कि बिहार में क्या कुछ होने वाला है।

राजद नेताओं की बयानबाजियों से मिल रहे सियासी संकेत

बढ़ी हुई दूरी की खबरों के बीच 13 जनवरी को पटना के गांधी मैदान में यह जिक्र करना कि 2005 के पहले बिहार में कैसे हालात थे, यह सीधा-सीधा राजद के शासनकाल पर हमला था। इसके अगले दिन ही मकर संक्रांति के दिन नीतीश कुमार का बैक गेट से राबड़ी आवास जाकर लालू यादव से मिलना और लालू यादव का नीतीश कुमार को दही का टीका नहीं लगाने की खबरें तो आम हैं। इसके साथ ही राजद और जदयू के नेताओं का परोक्ष रूप से बयानबाजी भी बढ़ी दूरी की ओर इशारा कर रहे हैं।

गृह मंत्री अमित शाह के बयान के तलाशे जा रहे सियासी मायने

संकेत भाजपा के शीर्ष नेताओं और एनडीए के घटक दलों से भी आ रहे हैं कि अंदरखाने सियासी खिचड़ी पक रही है। दरअसल, हाल में ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक साक्षात्कार में पूछे गए सवाल कि- पुराने साथी जो छोड़कर गए थे नीतीश कुमार आदि, ये आना चाहेंगे तो क्या रास्ते खुले हैं? इस पर अमित शाह ने कहा था कि- जो और तो से राजनीति में बात नहीं होती। किसी का प्रस्ताव होगा तो विचार किया जाएगा। उनके इस बयान को भी एक भाजपा और जदयू के बीच घटती दूरी का एक संकेत माना जा रहा है।

एनडीए के घटक दलों के नेताओं के बयान भी कर रहे इशारा

इसके साथ ही बड़े संकेत एनडीए के घटक दलों के नेताओं के बयानों से भी मिल रहे हैं। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के नेता संतोष मांझी ने भी कहा है कि नीतीश कुमार के एनडीए में आने पर उन्हें कोई ऐतराज नहीं। लोजपा के पशुपति कुमार पारस भी यही बात दोहराते रहे हैं कि नीतीश कुमार एनडीए में आने वाले हैं। वहीं, सबसे बड़ा संकेत चिराग पासवान की ओर से मिला है जो अब तक नीतीश कुमार पर लगातार तल्ख रहे हैं। अब उन्होंने भी अपना रुख नर्म कर लिया है। राजनीति के जानकारों की मानें तो बदलाव के संकेत उस समय से ही मिलने शुरू हो गए हैं जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बेतिया में प्रस्तावित 13 जनवरी की रैली को टाल दिया गया। अब यह रैली 27 जनवरी को होने वाली है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या में पकड़े गए दो संदिग्ध युवक

एटीएस ने हिरासत में लिया

अयोध्या, 19 जनवरी (एजेंसियां)। रामनगरी में चल रही सतर्कता के बीच दो संदिग्ध युवक पकड़े जाने की सूचना है। आतंकवाद निरोधक दस्ते ने युवकों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए युवक राजस्थान के निवासी बताए गए हैं। इनकी गिरफ्तारी यहां पहुंची लखनऊ एटीएस की टीम ने की है। युवकों के बारे में एटीएस ने कोई जानकारी साझा नहीं की है। इन्हें रामनगरी की सीमा से गिरफ्तार किया गया है, लेकिन स्थान को सार्वजनिक नहीं किया गया है। रामनगरी में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर इन दिनों केंद्रीय एवं राज्य की खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हैं। एटीएस, एसटीएफ सहित

अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने भी रामनगरी में निगरानी बढ़ा दी है। बता दें, प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में आ रहे पीएम मोदी की सुरक्षा के अभूतपूर्व प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। रामजन्मभूमि परिसर में एसपीजी की एक टीम ने डेरा डाल दिया है। परिसर में पीएम से जुड़े आयोजन के प्रबंध एसपीजी की निगरानी में हो रहे हैं। परिसर के अंदर से लेकर संपूर्ण रामनगरी में परिंदा भी पर न मार सके, ऐसे प्रबंध सुरक्षा एजेंसियां सुनिश्चित कर रही हैं।

लखनऊ की ये कंपनी सप्लाई करेगी राफेल फाइटर जेट के पुर्जे

लखनऊ की एयरोलॉय टेक्नोलॉजील लिमिटेड राफेल के पुर्जे सप्लाई करेगी

डसॉल्ट एविएशन के साथ कंपनी का मल्टीपरचेज समझौता हुआ है

भारत में 29 जुलाई, 2020 में पांच लड़ाकू विमानों की खेप पहुंची थी

लखनऊ, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राफेल लड़ाकू विमान के पार्ट्स लखनऊ की एक कंपनी सप्लाई करेगी। पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी एयरोलॉय टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एटीएल) ने राफेल लड़ाकू विमान के पार्ट्स की सप्लाई के लिए फ्रांस स्थित डसॉल्ट एविएशन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

मल्टीपरचेज समझौते के अनुसार, लखनऊ स्थित एयरोलॉय कंपनी राफेल लड़ाकू विमान और फाल्कन बिजनेस जेट कार्यक्रम के लिए टाइटेनियम कास्टिंग पुर्जों की पूरी श्रृंखला का उत्पादन करेगी। पीटीसी इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सचिन अग्रवाल ने बताया कि इस समझौते के माध्यम से, एरोलॉय टेक्नोलॉजीज मेक इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड की स्थायी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है। महत्वपूर्ण टाइटेनियम कास्ट पार्ट्स के एकमात्र भारत स्थित निर्माता के रूप में हम डसॉल्ट एविएशन के पोर्टफोलियो में विभिन्न विमानों की बढ़ती आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए अपनी क्षमताओं का लाभ उठाने के लिए उत्सुक हैं।

2020 में आई थी लड़ाकू विमानों की पहली खेप

डसॉल्ट एविएशन के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष ब्रूनो कॉइफियर ने कहा कि यह रणनीतिक सहयोग अत्याधुनिक राफेल और फाल्कन जेट के लिए डसॉल्ट एविएशन की विश्वव्यापी आपूर्ति श्रृंखला में शामिल होने वाली एरोलॉय टेक्नोलॉजीज की विशेषज्ञता को सलाम करता है। गौरतलब है कि अत्याधुनिक पांच राफेल लड़ाकू विमानों की पहली खेप 29 जुलाई, 2020 को भारत पहुंची थी।

सरकार पर फिर बरसे वरुण गांधी

कहा- उद्योगपतियों का कर्ज माफ हो रहा और गरीब गुर्दे बेचकर कर्ज चुका रहे

बरेली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने बहेड़ी विधानसभा क्षेत्र में जनसंवाद के दौरान सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों का कर्ज माफ हो रहा और गरीब गुर्दे बेचकर कर्ज चुका रहा है। बता दें ये कोई पहला मौका नहीं है कि वरुण गांधी ने अपनी सरकार पर सवाल न खड़े किए हों। इससे पहले भी वह विभिन्न मुद्दों पर सरकार की कार्पप्रणालियों पर सवालिया निशान लगाते रहते हैं। हमने संसद में एक बिल पेश किया भ्रमण के दौरान वरुण गांधी ने कहा कि हमने संसद में एक बिल पेश किया, जिसमें एक कानून के अनिवार्य रूप से लागू करने की मांग की, कि नेताओं और अधिकारियों के बच्चों की शिक्षा और इलाज निजी के बजाय सरकारी संस्थानों में हो। सरकार से छुट्टा पशुओं के स्थाई समाधान की मांग की सांसद ने सरकार से छुट्टा पशुओं के स्थाई समाधान की मांग करते हुए कहा कि उन्होंने जहां जहां लोगों से संवाद किया, वहां शिकायतों का अंबार मिला। कहीं अपात्रों के राशनकार्ड बनने तो कहीं बिजली आदि की लोगों ने शिकायत की।

सिलेंडर लदे ट्रक में आग लगने से हुआ विस्फोट लगातार हुए धमाके

गोंडा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गोंडा जिले के भुलियापुर छतौनी भभ्भुआ के पास एक बड़ा हादसा हो गया। सिलेंडर लदे एक ट्रक में आग लगने से भीषण विस्फोट हो गया। हादसे से एक के बाद एक कई धमाके हुए। हादसे के कारण करनैलगंज, कटरा समेत कई थानों की फोर्स और फायर ब्रिगेड मौके पर मौजूद है। गोंडा व बहराइच के आसपास दो-दो किलोमीटर दूर तक धमाकों की आवाज सुनी गई।

'कांग्रेस ने अहंकार में ठुकराया प्राण प्रतिष्ठा का न्योता', राम मंदिर का निमंत्रण ठुकराने पर वीएचपी नेता ने किया वार

लखनऊ, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का आमंत्रण कांग्रेस द्वारा अस्वीकार किए जाने के संबंध में विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि यह खेदजनक है कि कांग्रेस ने अहंकार के कारण अयोध्या में प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी नेता जब भी चाहें, राम मंदिर का दौरा करने के लिए उनका स्वागत है। विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष ने यह बात पुस्तक 'रोम रोम में राम' के विमोचन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर कही।

अहंकार के कारण ठुकराया निमंत्रण: आलोक कुमार

कुमार ने कहा कि राम मंदिर में सभी का स्वागत है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि वह बाद में अपने परिवार के साथ मंदिर जाएंगे। हम उनका और उनके परिवार का स्वागत करते हैं। अखिलेश यादव और शरद पवार जब भी चाहें, मंदिर में उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अहंकार के कारण निमंत्रण अस्वीकार कर दिया। हमें इसका अफसोस है। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष ने 22 जनवरी के अभिषेक कार्यक्रम की तुलना स्वतंत्रता दिवस से की और कहा कि यह औपनिवेशिक मानसिकता के अंत का प्रतीक होगा। उन्होंने कहा, "राम मंदिर पूरा हो गया है, अब राम राज्य है।" कांग्रेस के शीर्ष नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और अधीर रंजन चौधरी ने हाल ही में राम मंदिर अभिषेक समारोह में शामिल होने के निमंत्रण को सम्मानपूर्वक अस्वीकार कर दिया, पार्टी ने भाजपा पर चुनावी लाभ के लिए इसे राजनीतिक योजना बनाने का आरोप लगाया और कहा कि धर्म एक निजी मामला है।

राहुल गांधी ने समारोह को बताया चुनावी स्वाद

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन के निमंत्रण को अस्वीकार करने की पसंद का जोरदार बचाव किया। राहुल गांधी ने बीते मंगलवार को आरोप लगाया था कि अयोध्या में राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह को चुनावी स्वाद के साथ नरेंद्र मोदी और आरएसएस-भाजपा समारोह बना दिया गया है। सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी ने भी निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। वामपंथी पार्टी ने कहा है कि धर्म एक व्यक्तिगत पसंद है और इसे राजनीतिक लाभ के साधन में नहीं बदला जाना चाहिए।

ममता बनर्जी ने भाजपा पर दिखावा का लगाया आरोप

टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने भाजपा पर लोकसभा चुनाव से पहले अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के जरिए नौटंकी दिखावा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने घोषणा की है कि वह 22 जनवरी को कोलकाता में सभी धर्मों के लोगों के साथ 'सद्भाव रैली' का नेतृत्व करेंगी। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है, "धर्म राजनीति का हिस्सा नहीं हो सकता" और भाजपा पर धर्म के पीछे छिपने का आरोप लगाया। सपा नेता ने कहा है कि उद्घाटन कार्यक्रम के बाद वह अपने परिवार के साथ मंदिर जाएंगे। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और 6,000 से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

नाबालिग पत्नी की कस्टडी पति को सौंपने से हाईकोर्ट ने किया इनकार, नवजात को लेकर सुनाया फैसला

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पटना हाई कोर्ट ने एक नाबालिग लड़की की कस्टडी उसके पति को सौंपने से इन्कार करते हुए आदेश दिया कि वह राजकीय बालिका गृह में ही रहेगी। न्यायाधीश पीबी बजनथ्री एवं न्यायाधीश रमेश चंद मालवीय की खंडपीठ ने एक मामले पर सुनवाई करते हुए पति को दंपती के नवजात बच्चे के नाम पर एक बैंक खाता खोलने और नियमित रूप से उपयुक्त राशि जमा करने का निर्देश दिया। अदालत ने 23 वर्षीय युवक द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई की, जिसने राज्य बालिका देखभाल गृह से अपनी पत्नी की रिहाई के लिए निर्देश देने की मांग की थी। पत्नी ने दावा किया कि वह बालिग है और उसने अपनी मर्जी से उससे शादी की है। अदालत के संज्ञान में यह भी लाया गया कि लड़की के पिता ने याचिकाकर्ता (पति) के खिलाफ मामला दर्ज कराया था, जिसमें उसे जमानत दे दी गई है। लड़की ने यह भी कहा कि वह अपने पति के साथ रहना चाहती है और उसने अपने पिता के साथ जाने से इनकार कर दिया। हालांकि, उसके स्कूल के रिकार्ड से पता चला कि वह नाबालिग है, जिसकी उम्र लगभग 15 साल है। यह मामला पटना जिला के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के सालिमपुर ओपी का है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि नाबालिग लड़की ने विशेष रूप से अपने पिता के साथ जाने से इनकार कर दिया है। इसलिए राज्य बालिका देखभाल गृह में उसके रहने को उसकी भलाई और उसके बच्चे के लिए प्रतिकूल नहीं कहा जा सकता है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अवैध हिरासत पर बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट के माध्यम से नाबालिग लड़की की हिरासत का दावा करने का पति में कोई अंतर्निहित अधिकार निहित नहीं है। दलीलों का विरोध करते हुए राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि लड़की नाबालिग पाई गई थी और यह बाल विवाह का मामला था,

'अगर भाजपा नीतीश कुमार को पार्टी में लेती है तो हमें कोई दिक्कत नहीं'

जीतन राम मांझी ने सुना दिया अपना फैसला

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पलटने की चर्चा जोरों पर है। राजनीतिक गलियारे में यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। दोनों नेताओं के बीच दूरियां देखी जा रही है। वहीं, अब इस मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने नीतीश के भाजपा में आने की अटकलों को लेकर बयान दिया है।

भाजपा अगर नीतीश कुमार को बुलाती है तो हमें कोई दिक्कत नहीं: मांझी

जीतन राम मांझी ने कहा है कि कि जब नीतीश कुमार पलटूराम रहे ही हैं, एक बार अपना चरित्र समाज को दिखला दिया है तो

दूसरी, तीसरी और चौथी बार पलटने में क्या दिक्कत है? अगर भाजपा उन्हें पार्टी में लेती है तो हम कोई ऑब्जेक्शन नहीं करेंगे। हमें इससे कोई दिक्कत नहीं है।

इससे पहले जीतन राम मांझी ने नीतीश पर बोला था हमला

इससे पहले जीतन राम मांझी ने नीतीश कुमार पर एक पोस्ट के जरिए जोरदार हमला बोला था। मांझी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था कि आपको एससी कैटेगरी के लोगों से इतनी नफरत क्यों है। आपके एमएलए हमारे मुसहर समाज के लोगों को गाली दे रहे हैं। आप मुझे पहले ही सदन में अपमानित कर चुके हैं। अगर हमारे समाज से आपको इतनी ही नफरत है तो बिहार से बाहर निकाल दीजिए न।

बुर्के में कैटवॉक के बाद अब हाथों में श्रीराम के नाम की मेहंदी पर विवाद, भड़की जमीयत उलमा; थाने पहुंचा मामला

मुजफ्फरनगर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेज में बुर्के में मुस्लिम लड़कियों के कैटवॉक के बाद अब मेहंदी लगवाने पर विवाद खड़ा हो गया है। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में हाथों में मेहंदी से श्रीराम लिखवाती श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेज की छात्राओं को मुस्लिम बताते हुए जमीयत उलमा के पदाधिकारियों ने पुलिस से शिकायत की है। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि इससे धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। जमीयत पदाधिकारियों ने इस मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन अयोध्या में बारिश! गलन और कोहरे के बीच डबल अलर्ट जारी

अयोध्या, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में ठंड का कहर जारी है। घने कोहरे और शीतलहर ने लोगों को अलाव का सहारा लेने को मजबूर कर दिया है। लखनऊ से लेकर अयोध्या तक घने कोहरे की चादर देखने को मिल रही है। आज यानी 19 जनवरी को आईएमडी ने अयोध्या में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही, राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा को देखते हुए अब मौसम विभाग ने सात दिन का पूर्वानुमान जारी किया है। अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। ऐसे में सबकी नजर इन दिनों अयोध्या पर है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने को अयोध्या और उसके आसपास के क्षेत्रों के लिए एक अलग से वेबपेज लॉन्च किया है। इस पेज पर अयोध्या और उसके आस पास के इलाके की मौसम अपडेट लोगों को मिलेगी। आईएमडी द्वारा लांच किए गए इस वेबपेज पर तापमान पूर्वानुमान, बारिश, और हवा के पैटर्न की जानकारी दिख रही है। यह हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, चीनी, फ्रेंच और स्पेनिश सहित प्रमुख भाषाओं में 17 जनवरी से 24 जनवरी तक साप्ताहिक पूर्वानुमान दिखाता है। खास बात ये है कि ये कई भाषाओं में जानकारी दे रहा है। इस पेज पर अयोध्या का सात दिनों का पूर्वानुमान और सूर्योदय और सूर्यास्त के समय वाला मौसम बुलेटिन भी हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लोगों के लिए उपलब्ध है। दरअसल, 22 जनवरी को रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखते हुए ये तैयारी की गई है।

22 जनवरी को ऐसा रहेगा अयोध्या का मौसम

आईएमडी के अनुसार, 22 जनवरी को न्यूनतम तापमान 10.7 डिग्री सेल्सियस होने की उम्मीद है, जबकि अधिकतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हाई अलर्ट के बीच

गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर विस्फोट की सूचना से खलबली, हिरासत में आरोपित

गोरखपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। रेलवे स्टेशन पर बम विस्फोट होने की सूचना कंट्रोल रूम में देकर युवक ने सनसनी फैला दी। सर्विलांस की मदद से देर रात में जीआरपी ने गोपालगंज के रहने वाले आरोपित को स्टेशन परिसर में पकड़ लिया। खुफिया एजेंसी के अधिकारी के साथ ही जीआरपी,आरपीएफ व जिले की पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। रात में 9:05 बजे युवक ने डायल 112 पर फोन कर बताया कि गोरखपुर में छावनी स्टेशन के पास विस्फोट होने वाला है। 31 दिसंबर को उसने कई लोगों को आपस में बात करते हुए सुना था। समय न मिलने की वजह से बता नहीं पाया। इसको देखते हुए जांच कराइए। नाम, पता पूछने पर फोन करने वाले ने मोबाइल बंद कर दिया।

'अकलोल-बकलोल और ढकलोल' संतानों को सत्ता में थोपने की कोशिश, अरे! ये आनंद मोहन किसके लिए क्या कह गए

औरंगाबाद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व सांसद और कद्दावर नेता आनंद मोहन ने परिवारवाद की नई परिभाषा बताते हुए सत्ता में बैठे कई लोगों पर निशाना साधा है। आनंद मोहन ने कहा कि वंशवाद में अकलोल, बकलोल और ढकलोल संतानों को सत्ता में थोपने की कोशिश होती है। आनंद मोहन औरंगाबाद में महान योद्धा पृथ्वीराज चौहान और उनके करीबी सहयोगी चंद्रवरदाई की प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

संघर्षवाद की उपज अपना पंथ स्वयं गढ़ लेता

आनंद मोहन ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि वंशवाद में लोग अपने अकलोल, बकलोल और ढकलोल संतानों को पैसा और पहुंच के बदौलत सत्ता में थोप देते है। लेकिन संघर्षवाद की उपज अपना पंथ स्वयं गढ़ लेता है और समाज में एक आदर्श प्रस्तुत करता है।

आनंद मोहन ने संघर्षवाद को किया परिभाषित

आनंद मोहन ने राणा सांगा, उदय सिंह, महाराणा प्रताप और अमर सिंह की कुर्बानियां को याद किया। उन्होंने बताया कि इन महानायकों ने संघर्षवाद को परिभाषित किया और अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने अपनी चर्चा भी की और कहा कि उनके बाप-दादा ने अंग्रेजों से लड़ाइयां लड़ी और संघर्ष किया। जिसका अनुसरण उन्होंने भी किया। उनके जेल जाने के बाद बेटे चेतन आनंद ने अपनी विरासत को बचाया। इस तरह से देश और राज्य में कई उदाहरण है, जिन्होंने अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया। अन्याय के खिलाफ लड़ना ही संघर्षवाद है। उन्होंने बिहार की राजनीति में बिहार विभूति अनुग्रह नारायण सिंह, सत्येंद्र नारायण सिंह और निखिल कुमार के संघर्ष को भी याद किया।

सूचना सेठ...मानसिक बीमारी या चालाकी? कोर्ट ने मांगी मेंटल हेल्थ रिपोर्ट

गोवा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गोवा में चार साल के बेटे की हत्या के मामले में कोर्ट ने आरोपी मां सूचना सेठ को 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. कोर्ट ने इन बारह दिनों के भीतर पुलिस को उसकी मानसिक स्वास्थ्य रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है. हालांकि इस दौरान पुलिस ने बताया कि सूचना सेठ जांच में किसी भी तरह से सहयोग नहीं कर रही हैं. पुलिस हिरासत में पिछले पांच दिनों के दौरान पुलिस मनोचिकित्सक की मदद से उससे पूछताछ की जा रही थी. कोर्ट में भी सूचना सेठ ने बोलने से इनकार कर दिया, इसलिए कोर्ट ने अगली सुनवाई में शामिल होने के दौरान मानसिक स्वास्थ्य जांच की रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है. अब सूचना सेठ को 31 जनवरी को कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया गया है. बता दें कि सूचना सेठ अपने मासूम बेटे की लाश के साथ रंगे हाथों पकड़ी गई थी.

सीट शेयरिंग नहीं होती है तो 'इंडिया' के लिए खतरा

कई दल बना सकते हैं अलग गठबंधन

फारूक अब्दुल्ला को सता रही गठंबधन के टूटने का डर! नेता वही सीट मांगें जहां उनका दबदबा- फारूक

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में होने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव नजदीक हैं, लेकिन अभी तक इंडी गठबंधन में सीटों का बंटवारा नहीं हो सका। इसी बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला का बड़ा बयान सामने आया है।

उन्होंने इंडी गठबंधन में फूट पड़ने की बात कही है। फारूक अब्दुल्ला ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के साथ उनके यूट्यूब चैनल पर चर्चा करते हुए कहा कि यदि सीट शेयरिंग पर गठबंधन में शामिल दलों के बीच सहमति नहीं बन पाती है तो अलासंय में शामिल कुछ पार्टियां अलग गठबंधन बना सकती हैं।

'इंडी गठबंधन में नहीं होती सीट शेयरिंग तो अलग गुट बनने की आशंका'

फारूक ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए काफी कम समय बचा है, ऐसे में गठबंधन में समय रहते ही सीटों का बंटवारा हो जाना चाहिए, यदि नहीं होता है तो ये अलायंस के लिए खतरा है। उन्होंने आगे कहा कि यदि देश को बचाना है, तो हमें मतभेदों को भूलना होगा और देश के बारे में सोचना होगा। फारूक ने कहा कि अगर अभी सीट शेयरिंग नहीं होती तो यह संभव है कि कुछ लोग एक साथ आकर एक अलग दल बना लें, जो अलायंस के लिए आगामी चुनावों में चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। हालांकि, अभी समय है इसलिए इस बारे में गठबंधन को जल्द सहमति बनानी चाहिए।

एनसी नेता ने कहा कि पार्टियों को केवल वहीं सीटें मांगनी चाहिए जहां उनका दबदबा है तब ही वह जीत हासिल कर सकते हैं, जहां उनका दबदबा नहीं हैं वहां सीटें मांगना गलत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तो खतरे में है ही, आने वाली पीढ़ी भी हमें माफ नहीं करेगी। फारूक ने कपिल सिब्बल के साथ चर्चा करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि अगर हम अपने अहंकार को छोड़कर एक साथ मिलकर यह नहीं सोचते कि इस देश को कैसे बचाया जाए, तो मुझे लगता है कि यह हमारी ओर से सबसे बड़ी गलती होगी।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि गठबंधन के सदस्यों की हाल ही में दिल्ली के एक होटल में बैठक हुई जहां इस बात पर सभी ने चर्चा कि अब लोकसभा चुनावों के लिए ज्यादा समय नहीं बचा है, ऐसे में गठबंधन के लिए सीट शेयरिंग जरुरी है। उन्होंने कहा कि हमने चर्चा की कि गठबंधन में एक ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो हमारे मतभेदों को दरकिनार कर सभी को एक साथ ला सके।अगर हमें देश को बचाना है तो मतभेद भुलाकर देश के बारे में सोचना होगा।

ममता बनर्जी के लिए क्या बोले फारुक अब्दुल्ला?

इंडी गठबंधन के लिए सीट शेयरिंग पश्चिम बंगाल में सबसे मुश्किल है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि पिछली बार टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी वाम दलों के साथ सीटें शेयर करने के लिए तैयार नहीं थीं लेकिन इस बार उन्होंने कहा कि पार्टियों के नेता वहां चुनाव लड़ सकते हैं, जहां वह जीत सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोग उनके खिलाफ बयान जारी कर मतभेद बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप ऐसी सीटें क्यों मांग रहे हैं जहां आप जीत नहीं सकते।

एक दिन आएगा राम राज्य- फारुक अब्दुल्ला

पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने फारूक अब्दुल्ला से पूछा कि बीजेपी भगवान राम का नाम तो लेते हैं लेकिन उनके आदर्शों पर नहीं चलते, इस पर अब्दुल्ला ने कहा कि राम राज्य का मतलब सभी के लिए समानता है। हम भी राम राज्य के आने का इंतजार कर रहे हैं। भगवान राम 'विश्व के राम' थे और मुझे उम्मीद है कि एक दिन राम राज्य आएगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर सुबह 10:20 से दोपहर 12:35 तक फ्लाइट्स की उड़ान पर रोक

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दिवस समारोह (26 जनवरी) तक के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स के टेक ऑफ और लैंडिंग पर रोक लगा दी गई है। अब से लेकर 26 जनवरी तक दिल्ली एयरपोर्ट पर सुबह 10:20 बजे से दोपहर 12:35 बजे तक यह प्रतिबंध जारी रहेगा। दिल्ली एयरपोर्ट पर 26 जनवरी तक के लिए दिन में करीब सवा 2 घंटे के लिए फ्लाइट्स की उड़ानों को सस्पेंड कर दिया गया है। यह नियम सभी तरह उड़ानों जिनमें एयरलाइंस द्वारा संचालित उड़ानें और चार्टर्ड उड़ानें भी शामिल हैं, पर लागू रहेगा। गणतंत्र दिवस यानि 26 जनवरी तक सुबह 10:20 से दोपहर 12:35 बजे के बीच दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ान भरने की अनुमति नहीं रहेगी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को जारी एक नोताम (वायुसैनिकों को नोटिस) में यह निर्देश जारी किए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट दुनिया के सबसे बिजी एयरपोर्ट्स में एक है। लेकिन यहां यह आंशिक बंदी इसलिए की जा रही है क्योंकि गणतंत्र दिवस परेड के लिए दिल्ली को पूरी तरह से सुरक्षा घेरे में लिया जाना है। 26 जनवरी को भारत अपना 75वां गणतंत्र दिवस मना रहा है और इस मौके पर फ्रांस के राष्ट्रपति एमानुएल मैंक्रो चीफ गेस्ट के तौर पर आमंत्रित किए गए हैं। यह 6ठीं बार है जब फ्रांसीसी राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि रहेंगे।

पहली बार शामिल होगी बीएसएफ की महिला टुकड़ी

इस बार के गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सभी महिला मार्चिंग और ब्रास बैंड टुकड़ियां परेड में कर्तव्य पथ पर भाग लेंगी। सहायक कमांडेंट रैंक की महिला अधिकारी और दो अधीनस्थ अधिकारियों के साथ 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर मार्च करते हुए कुल 144 महिला बीएसएफ कांस्टेबलों का नेतृत्व करेंगी। गणतंत्र दिवस पर देश के सभी राज्यों से झांकियां निकाली जाती हैं, जो कि बेहद खूबसूरत होती हैं। तीनों सेनाओं के करतब भी देखने को मिलेंगे। यह कार्यक्रम बेहद शानदार होता है।

'बच्चे जैसी नहीं दिख रही रामलला की प्रतिमा'

अयोध्या में मूर्ति की पहली झलक देखकर बोले दिग्विजय सिंह

भोपाल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को यह कहकर एक और विवाद खड़ा कर दिया कि अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में विराजमान रामलला की नवनिर्मित मूर्ति किसी बच्चे की तरह नहीं दिखती है। दूसरी मूर्ति की जरूरत पर सवाल उठाते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि मूर्ति शिशु रूप में और माता कौशल्या की गोद में होनी चाहिए, लेकिन जो विराजमान है वह शिशु रूप में नहीं

। उन्होंने कहा कि, 'मैं तो शुरू से यही कह रहा हूँ जिस राम लला की मूर्ति रखे जाने पर विवाद हुआ, विध्वंस हुआ, वह कहाँ है? दूसरी मूर्ति की क्या आवश्यकता थी? हमारे गुरु स्व द्वारिका व जोशीमठ में शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद जी महाराज ने यह भी सुझाव दिया था कि राम जन्म भूमि मंदिर में भगवान राम की मूर्ति बाल स्वरूप हो कर माँ कौशल्या की गोद में होना चाहिए। लेकिन जो मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है वह तो बाल स्वरूप की नज़र नहीं आती है।' उल्लेखनीय है कि, इस सप्ताह की शुरुआत में, कांग्रेस नेता ने दावा किया था कि भाजपा, बीएचपी और आरएसएस बाबरी मस्जिद को गिराना चाहते थे, न कि मंदिर बनाना चाहते थे, क्योंकि जब तक मस्जिद को ध्वस्त नहीं किया जाता तब तक यह मुद्दा सांप्रदायिक मुद्दा नहीं बनता। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का विरोध नहीं किया था, बल्कि अदालत के फैसले तक इंतजार करने को कहा था। उन्होंने कहा कि, 'कांग्रेस ने कभी भी अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का विरोध नहीं किया। केवल विवादित भूमि पर निर्माण के लिए अदालत के फैसले तक इंतजार करने के लिए कहा गया था। गैर-विवादित भूमि पर 'भूमि पूजन' भी राजीव जी के समय में किया गया था। नरसिम्हा राव जी ने राम मंदिर के निर्माण के लिए गैर-विवादित भूमि का भी अधिग्रहण किया था।'

हालाँकि, दिग्विजय सिंह ये भूल गए कि सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर श्रीराम को काल्पनिक बताने वाली कांग्रेस सरकार ही थी। यदि उस हलफनामे को मान लिया जाता, तो राम मंदिर कभी बनता ही नहीं, क्योंकि जो काल्पनिक है, उसका जन्म और जन्मस्थान कैसा। केस वहीं ख़त्म हो जाता ? मगर उस समय सुब्रमण्यम स्वामी ने इसका विरोध किया। दिग्विजय सिंह कह रहे हैं कि, कांग्रेस राम मंदिर के खिलाफ नहीं थी, लेकिन पीएम रहते समय नरसिम्हा राव ने उस जगह वापस बाबरी मस्जिद बनवाने का वादा किया था, बाबरी मस्जिद के लिए मुकदमा भी कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने ही लड़ा था। इस बीच, 22 जनवरी को नवनिर्मित राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान राम लला के विशाल प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या में तैयारियां जोरों पर हैं।

प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई भगवान राम की 51 इंच की मूर्ति गुरुवार को अयोध्या में मंदिर के गर्भगृह के अंदर रखी गई थी। कपड़े से ढकी हुई मूर्ति की पहली तस्वीर गुरुवार को गर्भगृह में स्थापना समारोह के दौरान सामने आई थी। मूर्ति में भगवान राम को पांच साल के बच्चे के रूप में चित्रित किया गया है जो उसी पत्थर से बने कमल पर खड़ा है। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए सप्ताह भर चलने वाला अनुष्ठान मंगलवार को शुरू हुआ और 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के साथ समाप्त होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामलला की औपचारिक स्थापना की अध्यक्षता करने वाले हैं। मंदिर 23 जनवरी से आम जनता के दर्शन के लिए खुला रहेगा।

ओडिशा के गंजाम में भीषण हादसा, पांच लोगों की दर्दनाक मौत व एक गंभीर रूप से घायल

भुवनेश्वर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गंजाम जिले के सोरड़ा थाना क्षेत्र केशरीपाटणा गांव में देर रात को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई। बाइक और स्कूटी की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई है और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। मृतकों की पहचान गोपालपुर शासन गांव के महेंद्र नायक, सान सोरड़ा गांव की रजनी गौड़, असुरबंध गांव के श्रीकांत गौड़, दुलाड गांव के मनोज डाकुआ और जयंत बडत्या के रूप में हुई है। दुलाड गांव के पूर्ण गौड़ की हालत गंभीर है और उन्हें बरहमपुर मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, रात करीब 11 बजे पूर्ण, मनोज और श्रीकांत बाइक से अपने गांव दुलाड़ जा रहे थे। उसी समय विपरीत दिशा से स्कूटी पर बैठे महेंद्र, रजनी और जयंत सोरडा आ रहे थे। तभी आमने-सामने की टक्कर हो गई। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य गंभीर रूप से घायल लोगों को खून से लथपथ बाहर निकाला गया और उन्हें सोराड़ा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

केरल के पूर्व वित्त मंत्री थॉमस आईजैक को प्रवर्तन निदेशालय का नया समन

केआईआईएफबी में वित्तीय गड़बड़ी का मामला

कोच्चि, 19 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के पूर्व वित्त मंत्री थॉमस आइजैक को प्रवर्तन निदेशालय ने केआईआईएफबी के वित्तीय लेनदेन में उल्लंघनों की जांच से जुड़े फेमा मामले में नया समन जारी किया है। ईडी ने उन्हें 22 जनवरी को पेश होने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है, 71 वर्षीय नेता को अब 22 जनवरी को कोच्चि में एजेंसी के कार्यालय में बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। इससे पहले, उन्हें 12 जनवरी को बुलाया गया था, लेकिन वह नहीं आए थे। प्रवर्तन निदेशालय ने दिसंबर में केरल उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि उसने थॉमस आइजैक को जारी समन वापस ले लिया है। थॉमस आइजैक और केआईआईएफबी के एक अधिकारी की याचिका पर सुनवाई के दौरान ये दलीलें दी गईं, जिसमें आरोप लगाया गया कि ईडी द्वारा समन के जरिए केवल व्यक्तिगत जानकारी मांगी गई थी, जिसे रद्द करने की मांग की गई थी। एजेंसी द्वारा समन वापस लेने के मद्देनजर उच्च न्यायालय ने याचिकाओं का निपटारा कर दिया, लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी कहा था कि ईडी मामले में अपनी जांच जारी रखने के लिए स्वतंत्र है।

यह है मामला

थॉमस आइजैक को समन उच्च न्यायालय द्वारा एजेंसी को केआईआईएफबी द्वारा जुटाए गए दो हजार करोड़ रुपये के अंतिम उपयोग के लिए विदेश मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत जांच को आगे बढ़ाने की अनुमति देने के लिए जारी किया गया हैं। गौरतलब है कि केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए राज्य की प्राथमिक एजेंसी हैं। बड़े पैमाने पर फंडिंग के लिए 50 हजार करोड़ रुपये जुटाने की अपनी योजना के तहत 2019 में पहले मसाला बांड जारी करके 2150 करोड़ रुपये जुटाए थे। प्रवर्तन निदेशालय को फेमा के उल्लंघन की आशंका हैं, इसलिए जांच शुरू की गई हैं।

दलित युवक ने डीएमके नेता और ससुराल वालों के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत, पत्नी का अपहरण करने का लगाया आरोप

चेन्नई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुपत्तूर जिले के एक अनुसूचित जाति के युवक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी पत्नी का उसके माता-पिता और रिश्तेदारों ने एक स्थानीय डीएमके नेता के सहयोग से अपहरण कर लिया है। जिले के शंकरपुरम गांव के युवक एम। थियागु (21) ने अंबल्लूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि उसकी पत्नी का उसके माता-पिता ने डीएमके के स्थानीय नेता की मदद से अपहरण कर लिया है। थियागु ने दर्ज की गई अपनी शिकायत में कहा कि वह आदिद्रविदर समुदाय से है, जो एक अनुसूचित जाति समुदाय है और उसने छह साल के प्यार के बाद आर। नर्मदा (22) से शादी की थी, जो उच्च जाति वन्नियार समुदाय से है।

उन्होंने कहा कि नर्मदा के परिवार को कड़ी आपत्ति थी लेकिन 3 दिसंबर, 2023 को शादी कर ली।

नर्मदा के परिवार ने अगले दिन गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई और दंपति 7 दिसंबर को वानियमबाडी अदालत में पेश हुए और नर्मदा ने कहा कि वह अपने पति थियागु के साथ रहना चाहती थी। दलित युवा ने अपनी शिकायत में कहा कि तब से उन्हें नर्मदा के परिवार से उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बुधवार को डीएमके के नेता और स्थानीय पंचायत परिषद के अध्यक्ष एलुमलाई के साथ नर्मदा के माता-पिता और रिश्तेदारों को शंकरपुरम स्थित उनके घर में जबरन ले जाया गया। अपनी शिकायत में युवक ने नर्मदा के पिता राजेंद्रन, मां वसंता और भाइयों, गोविंदा राज, प्रभु और राजेश और एलुमलाई पर आरोप लगाया। अंबल्लूर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 448, 294 (बी) और 365 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने कहा कि महिला के पिता राजेंद्रन से पूछताछ की गई है और अन्य संदिग्ध फरार हैं। जब आईएएनएस ने तिरुपत्तूर के पुलिस अधीक्षक अल्बर्ट जॉन से संपर्क किया, तो उन्होंने बताया कि पुलिस नर्मदा का पता लगा रही है और जल्द ही उसका पता लगा लेगी।

पीएम मोदी बनना चाहते हैं राम का अवतार क्या वही एकमात्र हिंदू हैं: अधीर रंजन

कोलकाता, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष व लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने राम मंदिर को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी अपने राजनीतिक मकसद के लिए भगवान राम के नाम का इस्तेमाल करके उनका अपमान कर रही है। दरअसल, कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के अधिकतर घटक दलों ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने से इनकार कर दिया। अधीर रंजन चौधरी को भी समारोह में शामिल होने के लिए न्योता भेजा गया था। लोकसभा चुनाव से पहले राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर है और इसे सरकार का कार्यक्रम बता रहा है, जिसकी वजह से कड़ाके की ठंड के बीच सियासी तापमान चढ़ा हुआ है। एक-दूसरे के बीच में आरोप-प्रत्योप का दौर जारी है। कांग्रेस और अधीर रंजन चौधरी कई सवाल सरकार पर खड़े कर रहे हैं। उनका कहना है कि पीएम मोदी खुद राम का अवतार बनना चाहते हैं। राम को बड़े सोच समझे तरीके से चुनावी मुद्दे में खींचकर बदनाम किया जा रहा है।

अधीर रंजन ने पीएम मोदी पर भी निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या वह देश में एकमात्र हिंदू हैं? समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, 'अगर राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार करने के लिए हमें हिंदू विरोधी कहा जाता है तो शंकराचार्यों को क्या कहा जाएगा? क्या पूरे देश में केवल पीएम मोदी ही बचे हैं जो हिंदू हैं?' उन्होंने कहा, 'वे (बीजेपी) अपने राजनीतिक मकसद के लिए भगवान राम के नाम का इस्तेमाल कर उनका अपमान कर रहे हैं।' प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को सीपीआई (एम) महासचिव सीताराम येचुरी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पहले ही ठुकरा चुकी हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने इस महीने की शुरुआत में निमंत्रण को यह कहते हुए ठुकरा दिया था कि वह बाद में अपने परिवार के साथ मंदिर जाएंगे

रामलला की 22 जनवरी को होगी प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या में रामलला की 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी, जिसके लिए तैयारियां जोरों पर हैं और अनुष्ठान किए जा रहे हैं। रामलला की प्रतिमा गर्भगृह में विराजमान हो गई है। अब बस प्राण प्रतिष्ठा का इंतजार किया जा रहा है। इस समारोह के लिए रामनगरी को दुल्हन की तरह सजाया गया है। बताया जा रहा है कि इस समारोह में 7000 लोग शामिल होंगे, जिसमें नेता, अभिनेता, उद्योगपति, साधु-संत समेत गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

हिमंत बिस्वा सरमा को जयराम रमेश की चुनौती बोले- इस यात्रा को कोई रोक नहीं सकता

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाली गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी पार्टी के सहयोगी शुक्रवार सुबह नौका से माजुली के लिए रवाना हुए और इसी के साथ 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' असम में फिर शुरू हुई। यात्रा में शामिल नेता और समर्थक नावों से जोरहाट जिले के निमतीघाट से माजुली जिले के अफलामुख घाट पहुंचे। वहीं, कुछ वाहनों को भी बड़ी नावों की मदद से ब्रह्मपुत्र नदी के पार पहुंचाया गया। राहुल के साथ पार्टी महासचिव जयराम रमेश, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया सहित पार्टी के कई शीर्ष नेता मौजूद थे।

असम से निकली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा'

राहुल अफलामुख घाट पहुंचने के बाद कमलाबाड़ी चारियाली जाएंगे जहां वह एक प्रमुख वैष्णव स्थल औनियाती सत्र का दौरा करेंगे। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' गार्मुर से गुजरते हुए जेंगरायमुख में राजीव गांधी खेल परिसर में सुबह विश्राम करेगी। रमेश और पार्टी सांसद गौरव गोगोई वहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके बाद यह यात्रा बस से उत्तरी लखीमपुर जिले के ढकुवाखना के लिए रवाना होगी जहां राहुल का शाम को गोगामुख में एक जनसभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है। पार्टी द्वारा साझा किए गए कार्यक्रम के अनुसार, यात्रा रात में गोगामुख कॉलोनी मैदान में रुकेगी।

जयराम रमेश ने कही ये बात

इस मामले पर पार्टी के नेता जयराम रमेश ने कहा कि इस यात्रा में किसी नियम को नहीं तोड़ा गया है। असम के सीएम लोगों को भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने से रोकने के लिए सभी प्रयास कर रहे हैं। इस यात्रा को कोई भी नहीं रोक सता है। हम इसमें हैं। अगले 7 दिनों के लिए हम असम में हैं। उन्हें हमें गिरफ्तार करने दीजिए। हम चुनौती को स्वीकार करते हैं। बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत मणिपुर से की गई। इस यात्रा के तहत राहुल गांधी 6713 किमी की पैदल यात्रा करेंगे। 14 जनवरी को शुरू हुई यह यात्रा 20 मार्च को मुंबई में समाप्त हो गी। बता दें कि कई राज्यों के 100 से अधिक जिलों से होते हुए यह यात्रा मुंबई पहुंचेगी।

मोबाइल गेम का पासवर्ड नहीं दिया तो ले ली दोस्त की जान

कोलकाता, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले से एक दिल को दहलाकर रख देने वाली खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सूबे के मुर्शिदाबाद जिले में ऑनलाइन मोबाइल गेम का पासवर्ड साझा करने को लेकर हुए विवाद में एक लड़के की हत्या कर दी गई। घटना के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लड़के की हत्या उसके ही 4 दोस्तों ने की है। अपने ही दोस्त की हत्या करने के बाद चारों ने उसकी लाश को भी जलाने की कोशिश की। शव की हालत इतनी खराब थी कि मृतक की मां ने टैटू के जरिए उसकी पहचान की। पुलिस ने मामले के बारे में पूरी जानकारी देते हुए बताया कि 10वीं कक्षा के छात्र पपाई की उसके चार 'करीबी' दोस्तों ने एक मोबाइल ऑनलाइन गेम के लिए पासवर्ड शेयर करने के लिए कहा था। पपाई ने जब अपना पासवर्ड देने से मान कर दिया तो कथित तौर पर चारों ने मिलकर पपाई को जान से मार डाला। पुलिस ने बताया कि घटना में शामिल सभी आरोपियों को पकड़ लिया गया है। उसने ने बताया, 'ये पांच युवक फरक्का बैराज के एक क्वार्टर में ऑनलाइन गेम खेलते थे। पपाई 8 जनवरी की शाम को बाहर गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। 9 जनवरी को परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।' पुलिस ने बताया कि अपने दोस्त पपाई की हत्या करने के बाद चारों आरोपियों ने उसकी डेड बॉडी को भी जलाने की कोशिश की थी।

महाराष्ट्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में 3 लोगों की मौत

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर भारत समेत देश के अलग-अलग राज्यों में शीतलहर की मार लोगों को झेलनी पड़ रही है। भीषण सर्दी के कारण अलग-अलग राज्यों में घना कोहरा भी देखने को मिल रहा है। इस कारण सड़कों पर हादसे भी देखने को मिल रहे हैं। इस बीच मुंबई पुणे एक्सप्रेस वे पर एक बड़ा हादसा देखने को मिला है। यहां एक ट्रक और गाड़ी के टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई है। बता दें कि हादसा देर रात मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे पर देखने को मिला। ट्रक और वाहन के बीच हुए इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई है।

सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत

वहीं एक अन्य हादसे में भी 1 शख्स की मौत हुई है। दरअसल मुंबई से सटे ठाणे में एक ट्रक कंटेनकर दुर्घटना का शिकार हो गया। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई है। बता दें कि यह हादसा भी देर रात देखने को मिली। यहां घोड़बंदर रोड पर दुर्घटना का शिकार हुई ट्रक में भीषण आग लग गई।

महाकाल की नगरी से रामलला के लिए पांच लाख लड्डू रवाना

निमंत्रण ठुकराने वाली कांग्रेस पर बरसे सीएम यादव

भोपाल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए महाकाल मंदिर से पांच लाख लड्डूयों को अयोध्या के लिए रवाना किया। भोपाल में सीएम ने तुलसी मानस प्रतिष्ठान से प्रसाद के पांच रथ रवाना हुए। यह रथ शनिवार तक अयोध्या पहुचेंगें। इन लड्डूयों को महाकाल मंदिर के कर्मचारियों ने तैयार किया है। पांच लाख लड्डू 250 कर्मचारियों ने 6 दिन दिन में बनाएं। पांच रथ को फूलों से संजाया गया है। उनको ढोल नगाड़ों के साथ रवाना किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मानस प्रतिष्ठान स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की मंगल कामना की। कार्यक्रम में पांचों वाहनों के चालक और सहायक का भी सम्मान किया गया। अयोध्या नाम की पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

सीएम बोले-भगवान के गर्भगृह में प्रवेश पर विवाद बना रहे

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ। मोहन यादव ने कहा कि पूरा देश राममय हो रहा है। हम सब जानते है कि बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद विष्णु के दर्शन नहीं करो तो उसे अधूरा माना जाता है। इसलिए बाबा महाकाल के दर्शन के बाद भगवान विष्णु का नाम लिया जाता है। 500 साल के संघर्ष करने के बाद रामलला गर्भगृह में पधार रहे हैं। सीएम ने कांग्रेस के रामलला के निमंत्रण को अस्वीकार करने पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि आज कई आत्ममाएं उनको ढूंढती है भगवान उन सब को भी सद्बुद्धि प्रदान करें।

स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 20 जनवरी - 2024

शिक्षा के स्तर में गिरावट

जब शिक्षा के अधिकार का कानून बना था तो लोगों में भरोसा जगा था कि देर से ही सही लेकिन सभी बच्चों तक पढ़ाई-लिखाई की सुविधा आसानी से सुलभ हो जाएगी। यह भी विश्वास व्यक्त किया गया था कि शिक्षा के स्तर में भी सुधार होगा। लेकिन पिछले कुछ सालों की सालाना रिपोर्ट से जो खुलासा हो रहा है वह काफी निराशाजनक है। देखा जाए तो प्राथमिक कक्षाओं के दाखिले में कुछ वृद्धि जरूर हुई है, लेकिन जिस तरह से चौदह साल से अधिक उम्र के बच्चे पढ़ाई बीच में ही छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं वह काफी चिंताजनक है। सबसे शर्मनाक हालात तो यह है कि बच्चों में बुनियादी पाठ तक पढ़ पाने की क्षमता का विकास नहीं हो पा रहा। शिक्षा की ताजा सालाना रिपोर्ट में बताया गया है कि चौदह से अठारह आयुवर्ग के करीब सतासी फीसद बच्चे शैक्षणिक संस्थानों में पंजीकृत तो हैं, लेकिन उनमें से पच्चीस फीसद छात्र अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में कक्षा दो के स्तर की पाठ्य सामग्री भी ठीक से नहीं पढ़ पाते। बता दें कि शिक्षा संबंधी वार्षिक रिपोर्ट ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ाई-लिखाई के स्तर का मूल्यांकन करने के मकसद से तैयार की जाती है। इसमें मुख्य रूप से बच्चों के पंजीकरण, पाठ पढ़ने और बुनियादी अंकगणित की क्षमता का आकलन किया जाता है। लेकिन सभी स्तरों पर हालात चिंताजनक है। सबसे अधिक चिंता चौदह से अठारह वर्ष आयुवर्ग के बच्चों की शिक्षा के स्तर की है। इस आयुवर्ग के बत्तीस फीसद से अधिक बच्चे किसी शैक्षणिक संस्था में पंजीकृत नहीं हैं। जो पंजीकृत हैं, उनमें से ज्यादातर की सीखने और कौशल विकास की क्षमता बहुत कमजोर है। इस आयुवर्ग की लड़कियों के पंजीकरण में भी काफी गिरावट नजर आई है, जिसकी वजहें स्पष्ट हैं। अधिकतर बच्चों के बीच में पढ़ाई छोड़ने का बड़ा कारण परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होना भी बताया गया है। स्कूलों की बदतर हालत भी किसी से छुपी नहीं है। यहां तक कि स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं तक का अभाव है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कोविड के बाद बहुत सारे निजी स्कूलों के स्थायी रूप से बंद हो जाने और लोगों की वित्तीय स्थिति ठीक न होने की वजह से बड़ी संख्या में बच्चे सरकारी स्कूलों में वापस लौटे हैं। अब उनके सामने फिर दस-बारह साल पुरानी वाली समस्याएं आडे आ रही हैं। शिक्षा के स्तर में कोई सुधार नहीं हुआ है, उल्टे गिरावट ही आई है। इस तरह युवाओं में कौशल विकास का जो संकल्प लिया गया था वह पूरा होते नहीं दिख रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों की दशा को अनेक अध्ययनों में चिंता जाहिर की जाती और उन्हें सुधारने के सुझाव दिए जाते रहे हैं। लेकिन राज्य सरकारें इन समस्याओं को लेकर कतई गंभीर नहीं दिखाई देती। बहुत सारे स्कूलों में छात्रों के अनुपात में अध्यापक तो दूर, एक या दो अध्यापकों से काम चलाना पड़ रहा है। कई राज्यों ने अध्यापकों की कमी दूर करने के लिए अनुबंध आधार पर पैरा शिक्षकों की भर्ती का नया रास्ता निकाला है। नियमित अध्यापकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लगा दिया जाता है। इस तरह अध्यापकों को जितना ध्यान विद्यार्थियों को पढ़ाने और उनके व्यक्तित्व विकास पर देना चाहिए, वे नहीं दे पाते। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पाठ्यक्रम का बोझ कम करने और विद्यार्थी की मूल प्रतिभा को निखारने, उसमें कौशल विकास कर रोजगार की ओर उन्मुख करने पर बल है। लेकिन जब बच्चे प्राथमिक स्तर की पुस्तकें पढ़ और अंकगणितीय समस्याएं सुलझा पाने में भी फिसड्डी साबित हो रहे हैं, तो उनसे नई शिक्षा नीति पर खरे उतरने की कितनी और कैसे उम्मीद की जा सकती है?

क्या भव्यता को कायम रख पाएंगे हम?

श्री राम, जय श्री राम, प्रभु श्री राम.... जाने कितने कितने नाम... हर नाम के साथ मन को मिलती है शांति और आराम....22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्री राम की शुभ प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान होने जा रहा है। करोड़ों-अरबों की लागत से अयोध्या नगरी की काया पलट कर दी गई है। दूर-दूर से लोग चले आ रहे हैं। देश-विदेश के मीडियाकर्मी वहीं डेरा डाले हैं। आम श्रद्धालु जनता से लेकर साधु-संत, नेता-अभिनेता, उद्योगपति, इंजीनियर, वास्तुविद, ज्योतिषाचार्य हर वर्ग से हर उम्र के लोग बस अयोध्या की तरफ ही रुख कर रहे हैं।यह वाकई अद्भुत क्षण है, होना भी चाहिए, लेकिन श्री राम मंदिर के नाम पर एक तरफ मंदिर की प्रतिकृति बेचने की होड़ लगी है। वहीं सोशल मीडिया पर चमत्कार की भरमार है। कहीं गिद्ध आ रहे हैं, कहीं वानर दौड़े चले जा रहे हैं कहीं नाग देवता अवतरित हो रहे हैं, तो कहीं सीधे पुष्पक विमान ही देखे जाने के वीडियो और खबरें परोसी जा रही हैं। राम जी के भजन सुनने-सुनाने के साथ काव्य और गद्य रचने की भी प्रतिस्पर्धा चल पड़ी है। विरोध और विपक्ष के अपने खेल और बयान जारी है।

मन श्री राम की सादगी के पाठ याद करता है और सोचता है 2024 तक आते-आते हम क्या हो गए हैं और अपने आराध्य के साथ हम किस सीमा तक जा रहे हैं। लाइक, कमेंट और शेयर की दुहाई अब डराने और भक्ति की परीक्षा लेने पर भी उतर आई है। यहां तक कि प्रतिकृति लाने से ही खुशखबरी मिलने के विज्ञापन भी मार्केट में आ गए हैं। यकीनन 22 जनवरी का दिन आस्था और भक्ति का विलक्षण संगम है। कुछ साल पहले अयोध्या प्रवास के दौरान सरयू नदी का मीठा छल छल करता जल जब अंजुरी में लिया था तो आंख के आंसू उस जल में मिल गए थे।

भक्ति के अतिरेक में हमने भी प्रभु श्री राम और माता सीता के दर्शन उस जल में किए थे। मगर हम फिर भी होश में थे जबकि आज सोशल मीडिया हर परिधि को लांघ रहा है। एक तरफ सजी धजी अयोध्या नगरी और दूसरी तरफ भक्ति से सराबोर लोगों की भीड़ के वीडियो देख कर बार बार सवाल यही आता है कि क्या यह सब यूं ही कायम रह पाएगा।

महाकाल लोक की दशा देखने के बाद इस सवाल को और अधिक बल मिला है कि आप सुंदरता तो थोप सकते हैं लेकिन स्वच्छता तो आदत और व्यवहार से लानी होती है। इतने बड़े जनसमुदाय के साथ स्वच्छता और रखरखाव के दायित्वों को बखूबी निभा पाना क्या आसान होगा? क्या वहां के निर्वासित जन का असंतोष न सुनने से वह भीतर ही भीतर पनप तो नहीं रहा होगा। अयोध्या का युवा, अयोध्या का छोटा-बड़ा व्यापारी वर्ग, अयोध्या के संतों के भीतर चल रही उद्विग्नता को अनदेखा करना कहीं भारी तो नहीं पड़ेगा? आम जनता तो मासूम होती है, भोली होती है, डरती भी है और धर्म, आस्था व भक्ति को अपनी परेशानियों से ऊपर रखती है। जब जब खुद के रोटी-रोजगार का प्रश्न उठेगा वह पहले अपनी धरती के गौरव गान को सुनकर देखकर मुग्ध होगी। देश भर के रोमांच और चमत्कार में शामिल हो जाएगी लेकिन कब तक? भीड़ बढ़ेगी तो हर दिन समस्या भी बदलेगी मन तो राममय है, तन भी भगवा है, धन भी आ रहा है पर जो नहीं है वह कैसे भूल जाए।

भीड़ में शामिल हो जाए या भीड़ से भाग जाए। अयोध्या के स्थानीय निवासी कहां है? कौन हैं? क्या सोच रहे हैं? कैसे निपट रहे हैं? उन्हें कब सुना जाएगा? उन्हें कौन देखेगा? क्या उनके घर और जमीन के बदले मिला मुआवजा उनके मन को खुश कर पा रहा है? रामराज्य की स्थापना "लोक" को भूलकर कैसे होगी? श्री राम के जयकारे में शामिल होकर भी कुछ अनचाहे सवाल टकराते हैं। ढेर सारे सवालों के बीच बड़ा सवाल फिर यही कि क्या इस भव्यता और स्वच्छता को लम्बे समय तक कायम रख पाएंगे हम?

मिशन साउथ में जुटे पीएम मोदी, 132 सीटों पर भाजपा की नजर

अशोक भाटिया

देश लोकसभा चुनाव के मुहाने पर खड़ा है। भाजपा सत्ता की हैट्रिक लगाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव से पहले मिशन साउथ पर जुट गए हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी आज यानी 19 जनवरी को तमिलनाडु का दौरा कर रहे हैं । प्रधानमंत्री मोदी की राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले चार दिन में दक्षिण के तीसरे राज्य की यात्रा होगी। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 16-17 जनवरी को आंध्र प्रदेश और केरल के दौरे पर पहुंचे थे। नए साल की शुरुआत में ही प्रधानमंत्री मोदी का लगातार दक्षिण राज्यों का दौरा भाजपा के 'मिशन साउथ' का हिस्सा बताया जा रहा है। दरअसल, भाजपा ने लोकसभा चुनाव में 400 सीटों का लक्ष्य रखा है। भाजपा को इस लक्ष्य को पाने के लिए उत्तर के साथ साथ दक्षिण का किला भी भेदने की जरूरत है। ये वही राज्य हैं जहां भाजपा का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने साल की शुरुआत से ही दक्षिण के राज्यों का रुख कर रखा है। यहां न सिर्फ उन्होंने तमाम योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, बल्कि प्रमुख मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना भी की। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को इन 134 में से 31 सीटें मिली थीं। कांग्रेस ने 65 जबकि अन्य ने 36 सीटों पर जीत हासिल की थी। दरअसल इस नव वर्ष में ही जनवरी से प्रधानमंत्री मोदी के दक्षिण भारत के दौरे पर है । 2 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु दौरे पर गए थे।3 जनवरी को वे लक्षद्वीप और केरल में थे ।16 जनवरी को आंध्र प्रदेश दौरे पर पहुंचे। 17 जनवरी को केरल का दौरा किया।19 जनवरी को प्रधानमंत्री तमिलनाडु का दौरा कर रहे हैं । देखा जाए राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिरों की यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को केरल दौरे पर पहुंचे थे। यहां उन्होंने त्रिशूर में गुरुवायूर मंदिर में पूजा अर्चना की। इस मंदिर में भगवान कृष्ण की पूजा होती है। इसके बाद प्रधानमंत्री दक्षिण भारत के पारंपरिक कपड़े पहनकर त्रिशूर में ही त्रिप्रयार के रामास्वामी मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना की। पूजा पाठ के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 4000 करोड़ की योजनाओं का शुभारंभ किया और फिर रैली को संबोधित करते हुए अयोध्या के राम मंदिर और केरल के कनेक्शन का जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान कहा कि अयोध्या में मंदिर बन रहा है। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से ठीक पहले त्रिप्रयार श्री रामास्वामी मंदिर में पूजा करने का सौभाग्य मिला है। रामास्वामी मंदिर में भगवान राम की 6 फीट ऊंची मूर्ति है।खास बात ये है कि यहां भगवान राम चतुर्भुज रूप में दिखते हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंध्र प्रदेश के लेपाक्षी में वीरभद्र स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया था। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने तेलुगु में रंगनाथ रामायण के छंद सुने और आंध्र प्रदेश की पारंपरिक छाया कठपुतली कला जिसे थोलू बोम्मालता के नाम से जाना जाता है, के माध्यम से प्रस्तुत जटायु की कहानी देखी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विटर पर लिखा, उन सभी लोगों के लिए जो प्रभु श्री राम के भक्त हैं, लेपाक्षी का बहुत महत्व है। आज मुझे वीरभद्र मंदिर में प्रार्थना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैंने प्रार्थना की कि भारत के लोग खुश रहें, स्वस्थ रहें और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छुएं। लेपाक्षी के वीरभद्र मंदिर में, रंगनाथ रामायण सुनी और रामायण पर कठपुतली शो भी देखा। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को चेन्नई पहुंच गए । यहां प्रधानमंत्री तमिलनाडु के प्रमुख मंदिरों में दर्शन और पूजा के बाद वह रामेश्वरम भी गए । प्रधानमंत्री मोदी शनिवार सुबह श्री रंगनाथस्वामी मंदिर तिरुचिरापल्ली में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। वे रामेश्वरम के श्री अरुलमिगु रामानाथसामी मंदिर में स्मरण और दर्शन करेंगे और दोपहर साढ़े तीन बजे विभिन्न भाषाओं में रमन पथ में हिस्सा लेंगे।प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को श्री रामकृष्ण मठ में रुकेंगे। 21 जनवरी सुबह साढ़े नौ बजे अरिचल मुनई में दर्शन और पूजा करेंगे और सुबह साढ़े दस बजे कोतांडरम स्वामी मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे। दरअसल दक्षिण में कर्नाटक को छोड़ दें तो किसी भी राज्य में भाजपा मजबूत स्थिति में नहीं है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी विकास योजनाओं के जरिये इन राज्यों में स्थिति को मजबूत करने में तो जुटे ही हैं, साथ साथ हिंदुत्व कार्ड को भी एजेंडे में रखा है। इन राज्यों की सियासत को अगर प्रधानमंत्री साध लेते हैं तो फिर 400 का आंकड़ा आसान हो जाएगा। दक्षिण का किला मजबूत करने के लिए भाजपा मजबूत साथियों को भी तलाश रही है। सियासी गलियारों में साल भर से इस बात की भी चर्चा है कि दक्षिण में विजय पताका फहराने के लिए मोदी तमिलनाडु की किसी सीट से चुनाव भी लड़ सकते हैं। हालांकि ये बात अभी भविष्य के गर्भ में है। लेकिन इतना तय है कि प्रधानमंत्री के एजेंडे में दक्षिण भारत फिलहाल सबसे ऊपर है। अब इसे संयोग कहिये या प्रयोग, अयोध्या में भगवान राम की जो नई मूर्ति स्थापित हो रही है उसके मूर्तिकार अरुण योगीराज हैं जो कर्नाटक के रहने वाले हैं। मंदिर के उदघाटन से पहले मोदी भगवान राम से दक्षिण भारत के रिश्तों को उभार रहे हैं और इस बात को यहां याद रखना चाहिए कि 90 के दशक में मंदिर आंदोलन के दौरान दक्षिण भारत की बड़ी भूमिका रही है। हालांकि ये अलग बात है कि आंदोलन के दौरान दक्षिण भारत की सियासत में राम मंदिर बहुत बड़ा मुद्दा नहीं बन पाया लेकिन अब जब मंदिर बन कर तैयार हो रहा है तो अतीत के पन्नों को पलटा जा रहा है। अब इसी रिश्ते को अयोध्या से जोड़कर उभारने की कोशिश हो रही है। ये कोशिश कितनी कामयाब होगी ये आने वाला वक्त बताएगा।

गौरतलब है कि दक्षिण भारत के तमिलनाडु और काशी के संबंधों को और मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से एक बार फिर दिसंबर महीने में काशी तमिल संगमम का आयोजन किया गया था । इससे पहले भी पिछले वर्ष काशी और तमिल संगमम का आयोजन किया गया था। जिस दौरान काशी में एक महीने तक अलग-अलग मंत्रालयों के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, जिसमें दक्षिण भारत से बड़ी संख्या में लोग काशी पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल हुए थे।इसके साथ ही यह समागम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह ऐसा दांव साबित हो सकता है, जो 2024 लोकसभा की तैयारी में जुटे राहुल गांधी की कोशिश पर पानी फेर सकता है। 2024 आम चुनावों को लेकर जहां एक और कांग्रेस के राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा करते रहे हैं। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने भी दक्षिण को अपनी प्राथमिकता में रखा हुआ है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी ने कोई यात्रा नहीं बल्कि तमिल भाषियों को उत्तर भारत से मिलाने का प्लान तैयार किया हुआ है।

इतना ही नहीं, यहां से वह एक विशेष ट्रेन जोकि बनारस और रामेश्वरम के बीच चलेगी, उसे भी मोदी हरी झंडी दिखा दी थी । राजनीतिक विश्लेषक इसे सोची समझी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री मोदी का दक्षिण में पैर पसारने का मास्टर स्ट्रोक ही मानते रहे हैं। दक्षिण भारत के विशेषकर तमिलनाडु राज्य में अगर बीते एक दशक की राजनीति को देखा जाए तो करुणानिधि और जय ललिता की मृत्यु के बाद एक बड़ा शून्य आ गया है। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक इससे पूरी तरह से इत्तेफाक रखते हैं। वे बताते है कि अगर आप तमिलनाडु के बीते 10 वर्षों के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो जय ललिता और करुणानिधि के मृत्यु के बाद सिर्फ एक बड़ा नाम स्टालिन ही दिखता है। कांग्रेस के पी. चिदंबरम हों या उनके बेटे कार्ति चिदंबरम, यह धीरे-धीरे तमिलनाडु की राजनीति में अप्रासंगिक होते जा रहे हैं। इसके अलावा तमिलनाडु के जितने भी बड़े नेता हैं, वह अपने क्षेत्र विशेष तक सीमित हैं। ऐसे में दक्षिण भारत की राजनीति में एक बड़ा शून्य है और कहीं ना कहीं अपनी लगातार यात्राओं के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसे रिक्त स्थान को भरने के लिए भी लगातार प्रयास कर रहे हैं।

सिया राम मय सब जग जानी

हर्षवर्धन पाण्डे

भक्त और भगवान की भांति राजा और प्रजा में प्रगाढ़ प्रेम को साकार करने के लिए राम के जीवन दर्शन को अपने जीवन में उतारना सहज और सरल भी है। राम ने अपने जीवनकाल में जो काम किये उसके चलते वे आज के समाज में आदर्श मानव के प्रतीक हैं। उनके द्वारा किये गए समस्त कार्य मानवीय थे। यद्यपि रामभक्त के लिए भगवान हैं लेकिन आज समाज में व्याप्त जड़ता से भक्ति पाने के लिए राम को आदर्श मानव के रूप में देखना अधिक प्रासंगिक है।उनके जन्म लेने में भी अलौकिकता नहीं थी। उनके सभी कार्य भी मानव के वश में हैं। धनुष भंग, सीता विवाह, राज्य की प्राप्ति में वे मनुष्यों के प्रतियोगी थे। सीता हरण, राज्य, लक्ष्मण के बाण लगने के बाद वे सहानुभूति के पात्र हैं। उनके पदचिह्नों पर चलकर हम सहज ही मानवीय गुणों को संजोने का आनंद ले सकते हैं। भगवान राम का चरित्र एक आदर्श चरित्र है। मानव के रूप में आकर प्रभु ने मानव का कल्याण किया। भाई, पुत्र,पति और पिता हर नाते का सम्मान किया। मर्यादा का पाठ पढ़ाया और फिर जग से प्रस्थान किया। तुलसीदास जी द्वारा वर्णित रामचरितमानस के अनुसार संगठित परिवार, आदर्श समाज सब अकस्मात नहीं हो गया, बल्कि उसके लिए काफी यत्न करना पड़ा। राम के परिवार को भी कैकई ने असंगठित करने का बहुत प्रयास किया परन्तु राम की सहजता और भारत के त्याग ने उनके परिवार को असंगठित होने से बचा लिया। सीता हरण, दानवों द्वारा उनके भक्तों पर अत्याचार, लक्ष्मण शक्ति लगने से राम को भाई के विछोह की आशंका इस बात का प्रमाण है कि राम भी भय से मुक्त नहीं थे। नहीं तो वे क्षण मात्र में निसाचरों का वध करके सीता को ले आये होते। अपने भक्तों पर दानवों द्वारा हो रहे अत्याचारों को भी वे क्षण मात्रा में ख़त्म कर देते लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यद्यपि राम के काल में मानवता अपने चरम उत्कर्ष पर थी। मानव की बात तो दूर, वानर भी एक दूसरे के प्रति सहानुभूति रखते थे। एक -दूसरे की पीड़ा समझकर वे उसमें भागीदार बन जाते थे, तभी संगठित होकर लंका पर विजय पताका लहराई लेकिन दुःख है आज हम मानव होकर भी असंगठित हैं। परिवार में एकता नजर नहीं आती। सामाजिक ताना बना बिखर रहा है। जनता के असंगठित होने के कारण सभी आपस में धर्म और जाति की संकीर्णता में जकड़े हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम को भगवान के स्थान पर आदर्श मानव मानकर उनके द्वारा दिखलाये मार्ग पर चलने की आज आवश्यकता है। रामचरित मानस के आरम्भ में ही तुलसीदास अखिल विश्व के जीवों को ईश्वरमय मानते हुए कहते हैं 'जड़ चेतन जग जीव जग, सकल राममय जानि '। कहने का तात्पर्य (सार्वभौमिक जगत की सत्ता में) समूचे संसार के समस्त जीव,जड़ चेतन, तुलसीदास को राममय प्रतीत होते हुए सभी को राम के तुल्य मानकर उनके चरण कमलों की सदा वंदना करने की बात उन्होनें स्वीकार की। जगत की सत्ता में मानव हित समस्त जीव राममय हैं तो जाति और धर्म का भेद कैसा ? मानव का कर्तव्य है, सभी के प्रति आस्थावान होकर सबके कल्याण के लिए कर्म करना चाहिए। मानवकृत कर्म से सभी को सुखानुभूति कराना चाहिए। यही राम का आदर्श और आज के श्रेष्ठ कर्म है। इसके बिना सब कुछ अधूरा है। आजकल राम के परिपेक्ष्य में श्रद्धा और आस्था की बात विगत कुछ वर्षों से की जा रही है। श्रद्धा और आस्था यह अचानक ही नहीं टपक पड़ती। प्राचीन भारत में ऐसे अनेक प्रमाण मिलते हैं कि संस्कार और सामाजिक समायोजन के अनुरूप मानव की प्रवृत्ति का निर्धारण होता है। उसी श्रद्धा और आस्था की अनुभूति होती है। तदनुरूप मानव अपने कर्म का सूक्ष्मासूक्ष्म विवेचन करने के बाद अच्छे मार्ग की और प्रशस्त होता है परन्तु सच्ची श्रद्धा और आस्था का विषय मानव हित हो। यदि मानव के हित में सच्ची श्रद्धा और आस्था होगी तभी हम राम को समर्पित होकर अपने पथ पर अग्रसर हो सकते हैं। श्रद्धा और आस्था यदि मानव हित के प्रति उन्मुख है , तब अंतर्मन स्वयं आह्लादित हो उठता है, जिससे हम अपने साथ -साथ दूसरे के हित के लिए कर्म करने पर उद्धृत हो उठते हैं तभी सच्ची श्रद्धा और आस्था का प्रस्फुटन माना जा सकता है। यदि हमारी श्रद्धा समरस जीवों की समानता के प्रति निर्बद्ध है, तब अवश्य ही राम एक मानवीय स्वरुप की भांति कर्म करने हेतु हम अग्रसर हैं। इससे आदर्श भारतीय समाज का निर्माण संभव है। जब हमें सार्वभौमिक जगत के जीव राममय होकर प्रतीत होने लगते हैं तब अस्पृश्यता रुपी भेदभाव का ताण्डव कैसा ? हम अपने नैतिक कर्त्तव्य का निर्वाहन छुआछूत रुपी भेदभाव के कारण नहीं कर पाते। क्यों? क्या यह सार्वभौमिक जगत की सत्ता में मानव का स्वरुप नहीं है ? क्या वह ईश्वर जीव अंश अविनाशी से परे है? आज भी राम के मानवकृत कर्मों के आधार पर जीवन व्यतीत किया जा सकता है। राम कभी भी अस्पृश्यता जैसी संकीर्णताओं में नहीं पड़े। राम ने शबरी के जूठे बेर भी खाए। तब मैं और तुम , ऊंच और नीच और आस्था कैसी ? परहित सरिस धरम नहीं भाई को हम आज कहाँ स्वीकार कर रहे हैं ? इसकी पूर्णता तभी संभव है जब हम राम के मानवकृत कर्मों तो ओर अग्रसर हों , इसलिए तुलसीदास जी ने कहा है 'प्रिय लागहि अति सबहि सम , भनिति राम जस संग ' (जीवों के राममय प्रतीति में ही प्रीति और इसी से जीवन की सार्थकता भी स्वयं सिद्ध हो जाती है।)जहाँ तक प्राचीन भारत के राम के प्रति निष्ठा की बात है, इसके लिए रामतपिनी उपनिषद में कहा गया है कि एवं भूतं जगदाधारंभूतं , वंदे सच्चिदानंदमय। सो अच्छी बात है , हम राम सहित समस्त भूतप्राणियों को जगताधार के रूप में वरन करते हैं। भारतीय संस्कृति के अनुसार भी राम भगवान वे साधक जो गुफाओं और कंदराओं में रहते हैं राम को परम ब्रह्म मान रहे हैं। भगवान राम ने मित्रता का उदहारण मानव जाति को दिया है। सुग्रीव तथा विभीषण के साथ उनकी मित्रता उच्चकोटि की मित्रता का स्थान पाती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने कभी भी जाति के नाम पर भेद-भाव नही किया वे सबको समान समझते थे। उनकी नज़र में कोई-चोट या बड़ा नही था।इसका उदहारण भी रामायण में प्राप्त होता है । भगवान राम ने अपने मित्र निषाद राज गुह का सम्मान किया उन्हें अपने कंठ से लगाया,केवट की भक्ति पर तो वे बलिहारी है और जो तृप्ति उन्हें सबरी के बेर खा कर हुई वो तृप्ति उन्हें अवध और मिथिला के छत्तीस व्यजनों में भी प्राप्त नही हई। श्रीराम निश्चित रूप से मर्यादापुरुषोत्तम हैं । उन्होंने सदैव ही मर्यादा में रह कर हर कार्य किया और धर्म के पथ पर आजीवन चलते रहे।रहस्योपनिद के अनुसार एक बार भगवान राम का नाम जप करने से मानव जीवन से मुक्ति मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है परंतु सामाजिक प्राणी के लिए एक लाख व्यक्ति न सही पर जितने जीवों की सेवा संभव हो करें, तभी आज जीवन का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। सामाजिक मानव के लिए यहाँ एक लाख बार राम के नाम का जप है। कंदराओं में रहने वाले साधक ऐसा करते होंगे, इसे नकारा नहीं जा सकता है पर बुद्धिजीवी माला लेकर जप करने बैठ जाएं और मानव हित के समस्त कार्यों का त्याग कर दें तो समाज उसे स्वीकारेगा भी नहीं।

विलक्षण महाकाव्य है रामायण

अध्योध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही भारत वर्ष के धार्मिक इतिहास में 22 जनवरी की तिथि को एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। इस ऐतिहासिक तिथि से पूर्व ही अधिकांश हिन्दू जनमानस राममय हो रहा है। भगवान राम की कथा मानो जैसे पुनर्जीवित हो रही हो। ऐसी स्थिति में उस अध्यात्मिक कथा के आधार ₹रामायण₹ पर भी चर्चा जरूरी है। इस महाग्रन्थ के मूल रचियता महर्षि वाल्मीकि और उस महाग्रन्थ की प्रतिकृति 'रामचरित मानस' के रचियता महाकवि तुलसीदास का स्मरण भी समीचीन ही है। रामायण भाव भाषा शैली समस्त दृष्टि से एक विलक्षण महाकाव्य है। इस महाकथा में श्रृंगार, शान्त, करुण, भक्ति, वात्सल्य समस्त रसों का यथोचित प्रयोग किया गया है।

मर्यादा पुरुषोत्तम राजा राम की कथा हमें महर्षि वाल्मीकि कृत ''रामायण'' में भी मिलती है तो महाकवि तुलसीदास कृत ''राम चरित मानस'' मानस में भी मिलती है। रामचरितमानस वाल्मिकी रामायण का पुनर्जन्म माना जा सकता है। ''रामायण'' विश्व के प्राचीनतम् महाग्रन्थों में से एक है। मान्यता है कि नारद ने यह ज्ञान वाल्मिकी को दिया और फिर वाल्मिकी ने रामायणकी रचना की। जबकि रामचरितमानस की रचना सोलहवी सदी में तुलसीदास द्वारा की गई। रामायण को संस्कृत भाषा में और रामचरितमानस को अवधी भाषा में लिखा गया। दोनों ही ग्रथों में भगवान राम की कथा 7 खण्डों या अध्यायों में लिखी गई है। वाल्मीकि कृत 'रामायण' में लगभग 24,000 छंद (श्लोक) हैं। जबकि. अवधी में लिखे गए 'रामचरितमानस' में लगभग 11,000 छंद (चौपाई) हैं। हालांकि, दोनों ही भगवान राम को मुख्य पात्र मानकर लिखी गई हैं। रामायण के दोनो सबसे प्रसिद्ध संस्करणों की अपनी विशिष्ट विशेषताएं और सांस्कृतिक प्रभाव हैं।

दरअसल रामायण विश्व के पांच प्राचीनतम् महाग्रथों में से एक है। दुनिया के सबसे पुराने और महानतम महाकाव्य विभिन्न संस्कृतियों और सभ्यताओं को दर्शाते हैं, जो समृद्ध आख्यानों और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रदर्शित करते हैं। ये महाकाव्य विभिन्न सभ्यताओं में साहित्य, कला और संस्कृति को प्रभावित करते हुए समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। इनमें भारत के ₹महाभारत₹ और ₹रामायण₹ शामिल हैं। जबकि अन्य महाग्रन्थों में गिलगमेश का महाकाव्य (सुमेरियन या बेबीलोनियाई), इलियड और ओडिसी (ग्रीक) और रोमन महाकाव्य एनीड शामिल हैं।

रोमन कवि वर्जिल द्वारा लिखित, एनीड एक ट्रोजन नायक एनीस की पौराणिक कहानी बताता है, जो इटली की यात्रा करता है और रोमनों का पूर्वज बन जाता है। वाल्मीकि को भगवान राम का समकालीन माना जाता है और ₹रामायण₹ का रचनाकाल त्रेता युग माना जाता है। जबकि दोनों संस्करण भगवान राम की यात्रा की मौलिक कथा साझा करते हैं, शैली, जोर और सांस्कृतिक संदर्भ में अंतर प्रत्येक संस्करण को अद्वितीय बनाते हैं। पाठक अपनी पसंद और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के आधार पर रामायण के विभिन्न पहलुओं की सराहना कर सकते हैं।

वाल्मिकी की रामायण को मूल माना जाता है और इसे इसकी विस्तृत कथा, नैतिक शिक्षाओं और काव्य सौंदर्य के लिए आदर दिया जाता है। यह हिंदू दर्शन और संस्कृति के लिए एक मूलभूत पाठ प्रदान करता है। ₹रामायण₹ सात अध्यायों या कांडों से बनी है, जिसमें लगभग 24,000 छंद (श्लोक) हैं। इसका विस्तार जिन 7 काण्डों में दिया गया है उनमें प्रथम बालकाण्ड है। इस अध्याय में भगवान राम के जन्म और बचपन का वर्णन है।

दूसरे अध्याय या कांड में अयोध्या कांड है जो कि राम के वनवास की घटनाओं और अयोध्या के लोगों की प्रतिक्रियाओं का वर्णन करता है। तीसरा अरण्य कांड है जो चौदह वर्ष के वनवास के दौरान जंगल में राम के जीवन पर प्रकाश डालता है। अगला किष्किंधाकांड राज्य में राम की हनुमान से मुलाकात और सीता की खोज की कहानी बताता है। इसी तरह सुंदरकांड सीता की खोज में हनुमान की लंका यात्रा पर केंद्रित है। युद्धकांड में राम और रावण के बीच हुए महान युद्ध का विवरण है। अंतिम उत्तरकांड में राम के राज्याभिषेक, सीता के निर्वासन और राम के पुत्रों, लव और कुश के जन्म पर चर्चा की गई है।

अवधी भाषा में लिखी गई तुलसीदास की रामचरितमानस उत्तर भारत में अत्यधिक पूजनीय है। इसने राजा राम की कहानी को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और भक्ति प्रथाओं पर इसका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। महाकवि का यह कार्य अपनी सरलता और व्यापक दर्शकों तक पहुंच के लिए भी जाना जाता है। रामचरितमानस में लगभग 11,000 छंद (चौपाई) हैं और यह भी सात अध्यायों या कांडों में व्यवस्थित है। इसका पहला अध्याय बालकांड है जो भगवान राम के जन्म और बचपन को कवर करता है।

दूसरा अध्याय अयोध्या कांड है जो राम के सीता से विवाह और उसके बाद के वनवास का वर्णन करता है।

परिणाम के बारे में राम जानें

लोकसभा चुनाव की तैयारी हर तरफ़ चल रही है। कांग्रेस में भी और भाजपा में भी। हालाँकि हाल में हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव की तैयारी में भी कांग्रेस ही आगे थी। गहलोत ने बाक़ायदा घोषणा की थी कि हम चुनाव के तीन महीने पहले कम से कम सौ प्रत्याशी घोषित कर देंगे, लेकिन कर नहीं पाए थे। गहलोत और पायलट ख़ेमे में इतनी रस्साकशी चली थी कि प्रत्याशियों की घोषणा में भी कांग्रेस पिछड़ गई थी।

अब लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए भी कांग्रेस पहले से ही आगे होने की बात कर रही है। प्रत्याशियों की सूचियाँ हर स्तर पर तैयार की जा रही हैं, लेकिन इससे होगा क्या? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा पूरी तरह भक्ति भाव से ओत प्रोत है। अयोध्या में राम मंदिर की तैयारी चल रही है और गाँव, शहर, क़स्बों में जगह-जगह मंदिरों की सफ़ाई की जा रही है। बड़े - बड़े भाजपा नेता हाथ में झाड़ू लिए मंदिरों में दिखाई दे रहे हैं। लेकिन कांग्रेस ने तो घोषणा कर रखी है कि हमें निमंत्रण मिला है, लेकिन हम अयोध्या जाने से विनम्रता पूर्वक इनकार कर रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक प्रेक्षक कहते हैं कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए ज़्यादा संभावनाएँ दिखाई नहीं दे रही हैं।मध्यप्रदेश में लोकसभा की सिर्फ़ एक सीट कांग्रेस के हाथ में है। उसके लिए सबसे बड़ी मशक़्क़त यही है कि ये एक सीट कैसे बचाई जाए या एक से दो सीट पर किस तरह जाया जाए! राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस के लिए कोई छप्पर फटने वाला नहीं है। गुजरात तो कांग्रेस को भूल ही जाना चाहिए।

दरअसल, राजनीति की पुरोधा मानी जाने वाली कांग्रेस अब शायद हवा के साथ चलना भूल गई है। उसकी निर्णय क्षमता, उसकी सोच को जाने क्या हो गया है कि वह ज़्यादातर मामलों में हवा के विपरीत ही निर्णय करती चली जा रही है। ख़म ठोककर उसके सामने खड़ी भाजपा के निर्णयों, कदमों से भी कांग्रेस कुछ सीखना नहीं चाहती। हालाँकि, राहुल गांधी अब एक और यात्रा पर निकल चुके हैं। न्याय यात्रा पर। हो सकता है इस यात्रा से ही कुछ निकले। जनाधार, मतदाता, वोट...!

कुल मिलाकर, अयोध्या और मंदिर की हवा में अब सब कुछ बहने वाला है। लोकसभा चुनाव की संभावनाओं में भाजपा के सिवाय दूर- दूर तक कोई दिखाई नहीं दे रहा है। मार्च महीने में घोषित होने वाले चुनाव हो सकता है, कुछ और जल्दी कर दिए जाएँ। जहां तक विपक्षी गठबंधन का सवाल है, सीटों के बँटवारे को लेकर यहाँ महाभारत हो रहा है। भीतर ही भीतर कोई किसी से सहमत नहीं है। ऊपरी तौर पर एकता दिखाई जा रही है। भाजपा के सामने समूचे विपक्ष का अकेला प्रत्याशी खड़ा करना अब भी टेढ़ी खीर ही है। विपक्ष अगर एक प्रत्याशी को लड़ाने पर सहमत हो जाता है तो परिणाम कुछ और ही होंगे। हो सकता है राजनीति की दशा और दिशा में भी कुछ बदलाव आ जाए।

राजा जनक ने अयोध्या क्यों नहीं भेजा था निमंत्रण?

अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह शुरू हो चुका है। प्राण प्रतिष्ठा तक हर दिन अलग-अलग अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा। समारोह शुरू होने से पहले देश-विदेश से रामलला के लिए ढेरों उपहार आए। इस क्रम में भगवान राम की ससुराल जनकपुरी से भी उपहार आए थे। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि राजा जनक ने सीता स्वयंवर का निमंत्रण अयोध्या भेजा ही नहीं था। अयोध्या निमंत्रण ना भेजने की वजह क्या थी? अगर निमंत्रण नहीं भेजा गया था तो भगवान राम जनकपुरी पहुंचकर सीता स्वयंवर में शामिल कैसे हुए?

सीता स्वयंवर का निमंत्रण अयोध्या नहीं भेजने का कारण राजा जनक का बड़ा डर था। पौराणिक कथाओं में इसका जिक्र मिलता है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक, जनकपुरी में एक व्यक्ति की शादी हुई। वह पहली बार ससुराल जा रहा था। उसे ससुराल के रास्ते में एक जगह दलदल मिला। दलदल में एक गाय फंसी हुई थी, जो करीब-करीब मरने वाली थी। उसने सोचा कि गाय तो मरने ही वाली है और कीचड़ में जाने पर कपड़े खराब हो जाएंगे। वहीं, वो दलदल में फंस भी सकता था। इसलिए वह गाय के ऊपर पैर रखकर आगे निकल गया। जैसे ही उसने दलदल को पार किया गाय ने दम तोड़ दिया और व्यक्ति को शाप दिया कि तू जिसके लिए मुझे मरता छोड़कर जा रहा है, उसे ही देख नहीं पाएगा। अगर उसे देखेगा तो उसकी मृत्यु हो जाएगी।

चली गई पति की आंखों की रोशनी

ससुराल पहुंचकर वह व्यक्ति घर की तरफ पीठ करके दरवाजे के बाहर ही बैठ गया। ससुराल के लोगों की तमाम कोशिशों के बाद भी वह अंदर नहीं गया। इस पर उसकी पत्नी ने घर के बाहर आकर उससे अंदर चलने को कहा, लेकिन व्यक्ति ने शाप के डर से उसकी तरफ देखा ही नहीं। इस पर पत्नी ने इसका कारण पूछा तो उसने गाय के शाप के बारे में बताया। फिर पत्नी ने कहा कि मैं पतिव्रता स्त्री हूं। आप मेरी तरफ देखो, मुझे कुछ नहीं होगा। फिर व्यक्ति ने जैसे ही पत्नी की तरफ देखा उसकी आंखों की रोशनी चली गई।

विद्वानों ने बताया समस्या का निदान

वह स्त्री अपने अंधे पति को लेकर राजा जनक के दरबार में गई। उसने राजा जनक को पूरी बात बताई। फिर राजा जनक ने राज्य के सभी विद्वानों को बुलाकर समस्या बताई और गौ-शाप से मुक्ति का उपाय पूछा। सभी विद्वानों ने आपस में बातचीत करने के बाद कहा कि व्यक्ति की पत्नी को छोड़कर अगर कोई दूसरी पतिव्रता स्त्री छलनी में गंगाजल लाकर छींटे उसकी आंखों पर लगाए, तो गौ-शाप से मुक्ति मिल जाएगी। जब यह सूचना अयोध्या के राजा दशरथ को मिली, तो उन्होंने अपनी सभी रानियों से पूछा। इस पर सभी रानियों ने कहा कि राजमहल तो क्या आप राज्य की किसी भी महिला से पूछेंगे, तो वह भी पतिव्रता मिलेगी। राजा दशरथ ने एक सफाई वाली को बुलाया। पूछे जाने पर महिला ने कहा कि वह पतिव्रता स्त्री है।

सफाई करने वाली महिला ने ठीक कीं आखें

महाराज दशरथ ने राजा जनक समेत सभी राजाओं को यह दिखाने के लिए उसी महिला को जनकपुरी भेजा कि उनका राज्य सबसे उत्तम है। राजा जनक ने भी उस महिला का बहुत सम्मान किया। अयोध्या से आई महिला छलनी लेकर गंगा किनारे गई और प्रार्थना की कि हे गंगा मां, अगर मैं पूर्ण पतिव्रता हूं तो गंगाजल की एक बूंद भी नीचे नहीं गिरनी चाहिए। प्रार्थना करके उसने गंगाजल को छलनी में पूरा भर लिया और राजदरबार पहुंच गई। महिला ने व्यक्ति की आंखों पर छींटे मारे तो उसकी रोशनी लौट आई। राजा जनक ने राज सम्मान देकर उसे अयोध्या विदा कर दिया।

किस बात से डर गए थे राजा जनक

सीता स्वयंवर के समय राजा जनक को सफाई वाली महिला का ध्यान आया तो उन्होंने सोचा कि इतनी पतिव्रता महिला का पति कितना शक्तिशाली होगा। अगर राजा दशरथ ने इसी तरह से किसी द्वारपाल या सैनिक को स्वयंवर में भेज दिया, तो वह तो धनुष को आसानी से उठा लेगा। ऐसे में राजकुमारी का किसी राजकुमार के बजाय सैनिक या द्वारपाल से हो जाएगा। इसी डर के कारण राजा जनक ने सीता स्वयंवर का निमंत्रण अयोध्या नहीं भेजा।

जनकपुरी कैसे पहुंचे भगवान राम

अयोध्या के राजकुमार सीता स्वयंवर के समय गुरु विश्वामित्र के साथ रह रहे थे। राजा जनक ने गुरु विश्वामित्र को कार्यक्रम में पहुंचकर आशीर्वाद देने का आग्रह किया। इस पर वह राम और लक्ष्मण को लेकर जनकपुरी पहुंच गए। फिर भगवान राम ने शिव धनुष उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाई तो वो टूट गए। रामचरित मानस में लिखा है, 'लेत चढ़ावत खैंचत गाढ़ें। काहुं न लखा देख सबु ठाढ़ें। तेहि छन राम मध्य धनु तोरा। भरे भुवन धुनि घोर कठोरा।' इसका मतलब है कि श्री राम ने सभा में धनुष कब उठाया, कब चढ़ाया और कब खींचकर तोड़ दिया, किसी को पता भी नहीं चला। उन्होंने सीता स्वयंवर की शर्त पूरी की। फिर राजा जनक ने महाराज दशरथ को राम सीता विवाह का निमंत्रण भेजा। राजा दशरथ के पहुंचने पर विधि विधान से राम सीता विवाह हुआ।

समाधि में साधक मरता है स्वयं

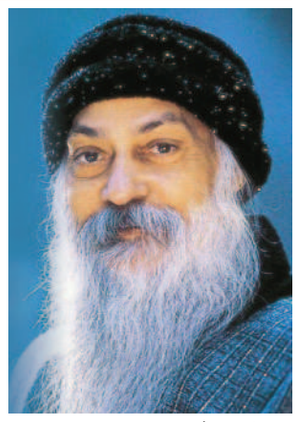

समाधि में साधक मरता है स्वयं, लेकिन भीतर दोहरा रहा है कि आत्मा अजर— अमर है। वह अपना विश्वास जुटाने की कोशिश कर रहा है, हिम्मत जुटाने की कोशिश कर रहा है कि मत घबराओ। मत घबराओ। मौत तो है, लेकिन नहीं, नहीं, ऋषि—मुनि कहते हैं कि आत्मा अमर है। मौत से डरने वाले लोग ऐसे ऋषि—मुनियों के आस—पास इकट्ठे हो जाते हैं और भीड़ कर लेते हैं, जो आत्मा की अमरता की बातें करते हैं।

मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आत्मा अमर नहीं है। मैं यह कह रहा हूं कि आत्मा की अमरता का सिद्धांत मौत से डरने वाले लोगों का सिद्धांत है। आत्मा की अमरता को जानना बिलकुल दूसरी बात है। और यह भी ध्यान रहे कि आत्मा की अमरता को वे ही जान सकते हैं, जो जीते जी मरने का प्रयोग कर लेते हैं। उसके अतिरिक्त कोई जानने का उपाय नहीं। इसे थोड़ा समझ लेना जरूरी है।

मौत में होता क्या है? प्राणों की सारी ऊर्जा जो बाहर फैली हुई है, विस्तीर्ण है, वह वापस सिकुड़ती है, अपने केंद्र पर पहुंचती है। जो ऊर्जा प्राणों की सारे शरीर के कोने—कोने तक फैली हुई है, वह सारी ऊर्जा वापस सिकुड़ती है, बीज में वापस लौटती है। जैसे एक दीये को हम मंदा करते जाएं, धीमा करते जाएं, तो फैला हुआ प्रकाश सिकुड़ आएगा, अंधकार घिरने लगेगा। प्रकाश सिकुड़ कर फिर दीये के पास आ जाएगा। अगर हम और धीमा करते जाएं और धीमा करते जाएं, तो फिर प्रकाश बीज —रूप में, अनुरूप में निहित हो जाएगा, अंधकार घेर लेगा। प्राणों की जो ऊर्जा फैली हुई है जीवन की, वह सिकुड़ती है, वापस लौटती है अपने केंद्र पर। नई यात्रा के लिए फिर बीज बनती है, फिर अणु बनती है। यह जो सिकुड़ाव है, इसी सिकुडाव से, इसी संकुचन से पता चलता है कि मरा! मैं मरा! क्योंकि जिसे मैं जीवन समझता था, वह जा रहा है, सब छूट रहा है। हाथ—पैर शिथिल होने लगे, श्वास खोने लगी, आंखों ने देखना बंद कर दिया, कानों ने सुनना बंद कर दिया। ये सारी इंद्रियां, यह सारा शरीर तो किसी ऊर्जा के साथ संयुक्त होने के कारण जीवंत था। ऊर्जा वापस लौटने लगी है। देह तो मुर्दा है, वह फिर मुर्दा रह गई। घर का मालिक घर छोड़ने की तैयारी करने लगा, घर उदास हो गया, निर्जन हो गया। लगता है कि मरा मैं। मृत्यु के इस क्षण में पता चलता है कि जा रहा हूं? डूब रहा हूं? समाप्त हो रहा हूं।

और इस घबराहट के कारण कि मैं मर रहा हूं, इस चिंता और उदासी के कारण, इस पीड़ा, इस एंग्विश के कारण, यह एंग्झायटी कि मैं मर रहा हूं, समाप्त हो रहा हूं यह इतनी ज्यादा चिंता पैदा कर देती है मन में कि वह उस मृत्यु के अनुभव को भी जानने से वंचित रह जाता है। जानने के लिए चाहिए शांति। हो जाता है इतना अशांत कि मृत्यु को जान नहीं पाता। बहुत बार हम मर चुके हैं, अनंत बार, लेकिन हम अभी तक मृत्यु को जान नहीं पाए। क्योंकि हर बार जब मरने की घड़ी आई है, तब फिर हम इतने व्याकुल और बेचैन और परेशान हो गए हैं कि उस बेचैनी और परेशानी में कैसा जानना, कैसा ज्ञान? हर बार मौत आकर गुजर गई है हमारे आस—पास से, लेकिन हम फिर भी अपरिचित रह गए हैं उससे। नहीं, मरने के क्षण में नहीं जाना जा सकता है मौत को। लेकिन आयोजित मौत हो सकती है। आयोजित मौत को ही ध्यान कहते हैं, योग कहते हैं, समाधि कहते हैं। समाधि का एक ही अर्थ है कि जो घटना मृत्यु में अपने आप घटती है, समाधि में साधक चेष्टा और प्रयास से सारे जीवन की ऊर्जा को सिकोड़ कर भीतर ले जाता है, जानते हुए। निश्चित ही अशात होने का कोई कारण नहीं है। क्योंकि वह प्रयोग कर रहा है भीतर ले जाने का, चेतना को सिकोड़ने का। वह शात मन से चेतना को भीतर सिकोड़ता है। जो मौत करती है, उसे वह खुद करता है। और इस शांति में वह जान पाता है कि जीवन—ऊर्जा अलग बात है, शरीर अलग बात है। वह जो बल्ब, जिससे बिजली प्रगट हो रही है, अलग बात है, और वह जो बिजली प्रकट हो रही है वह अलग बात है। बिजली सिकुड़ जाती है, बल्ब निर्जीव होकर पड़ा रह जाता है। शरीर बल्ब से ज्यादा नहीं है। जीवन वह विद्युत है, वह ऊर्जा है, वह इनर्जी, वह प्राण है, जो शरीर को जीवित किए हुए है, गर्म किए हुए है, उत्तप्त किये हुए है। समाधि में साधक मरता है स्वयं, और चूंकि वह स्वयं मृत्यु में प्रवेश करता है, वह जान लेता है इस सत्य को कि मैं हूं अलग, शरीर है अलग। **(क्रमशः)**

गिरा हुआ सोना मिले तो उठाएं या नहीं?

सनातन धर्म में सोने को पूजनीय और महत्वपूर्ण माना गया है क्योंकि इसका संबंध माता लक्ष्मी से माना जाता है, इसलिए मान्यता है कि सोना हमेशा शुभ मुहूर्त में ही खरीदना चाहिए। लेकिन यदि आपको राह चलते सोना मिल जाए तो क्या वह शुभ है या अशुभ? वहीं यदि आपसे आपका सोना खो जाए तो जानिए इसका क्या प्रभाव पड़ता है। इस पर दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर ज्योतिष विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ। कुणाल कुमार ने विस्तृत बात की।

उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति का सोना चोरी हो जाता है। तो उसमें केतु का प्रबल योग, शनि का भी योग और राहु का भी योग बनता है। इसका अशुभ प्रभाव पड़ता है। सोना खोने में तीनों ग्रहों का योग रहता है। खासकर के जो सोना की तस्करी करते हैं तो उसमें भी राहु, केतु और शनि का योग रहता है। सोना अगर किसी का खो गया तो उसका केतु प्रतिकूल है, राहु प्रतिकूल है और शनि भी प्रतिकूल है।

सोने के खोने का मतलब

सोने का खोना वह अशुभ कारक माना गया है। मतलब आपकी किसी बहुमूल्य चीजों की चोरी हो जाना यह अशुभ कारक है। इसके क्या प्रभाव पड़ेंगे तो उसे स्थिति में कई प्रकार की विपदाएं, संकट, क्लेश इत्यादि और रोगों से पीड़ित आप रहा करेंगे।

स्वर्ण का मिलना किसी बड़ी दुर्घटना को देता है संदेश

उन्होंने बताया कि सोना का मिलना मतलब कहीं जा रहे हैं और स्वर्ण धातु हमें रास्ते में मिल गया, उस स्थिति में बृहस्पति का योग रहता है और सूर्य का योग रहता है। इसके कारण से ही स्वर्ण आभूषण की प्राप्ति होती है। इन दोनों स्थिति में अशुभ कारक माना गया है। स्वर्ण का मिलना किसी बड़ी दुर्घटना का संकेत देता है। सड़क पर मिलना यश की छती और आत्म बल कमजोर होने का संकेत है। दोनों स्थिति में बृहस्पतिवार के दिन किसी ब्राह्मण को स्वर्ण दान करने से आपके ऊपर इन ग्रहों का प्रभाव काम होता है।

घर में सूख जाए तुलसी का पौधा तो उससे करें यह उपाय

तुलसी का पौधा सूख जाए, तो इसे आप अपशगुन नहीं बल्कि परमात्मा का संकेत मानिए और उनकी सेवा से जुड़े कुछ अचूक उपायों को करिए। तुलसी के सूखे हुए पेड़ की छोटी छोटी टहनियों का प्रयोग आप भगवान विष्णु की हवन के लिए कर सकते हैं। इससे भगवान विष्णु अतिशीघ्र ही प्रसन्न हो जाते हैं और भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते हैं।

दीप जलाकर करिए पूजा

इसके अलावा आप इन तुलसी के सूखे हुए टहनियों पर रुई की बत्ती लपेटकर भगवान विष्णु की आरती भी कर सकते हैं। इससे माता लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और घर में सुख शांति और समृद्धि का वास होता है।

बना सकते हैं माला

इसके अलावा इन सूखे पेड़ो से आप तुलसी की माला भी बना सकते हैं। जिससे आप मंत्र जप तक सिद्धि कर सकते हैं और माता लक्ष्मी का आशीर्वाद पा सकते हैं। भगवान विष्णु के लिए तैयार करें प्रसाद इन सब का अलावा सूखी तुलसी के पौधे के टहनियों से आप श्रीहरि विष्णु के लिए प्रसाद तैयार कर सकते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस प्रसाद से हरी की कृपा प्राप्त होती है।

शरीर में दिखे ऐसे बदलाव तो समझ जाएं आने वाली है मौत, शिव पुराण से जानिए मृत्यु के संकेत

हिंदू धर्म, अपने पवित्र ग्रंथों की समृद्ध सूची के साथ, शिव पुराण को शामिल करता है, जो शैव परंपरा के भीतर एक सम्मानित ग्रंथ है। यह पुराण भगवान शिव की दिव्य महिमा का वर्णन करता है, उनके विभिन्न रूपों, अवतारों पर प्रकाश डालता है और ज्योतिर्लिंगों का विस्तृत विवरण प्रदान करता है। शिव की अभिव्यक्तियों की खोज के अलावा, शिव पुराण में जीवन और मृत्यु से जुड़े रहस्यों के बारे में भी बताया गया है। शिवपुराण में भगवान शिव माता पार्वती को मृत्यु से जुड़े ऐसे लक्षणों के बारे में बताते हैं, जो मृत्यु के निकट होने का संकेत माने जाते हैं। आइये आपको बताते हैं मृत्यु के पहले मिलने वाले संकेतों के बारे में-

शरीर: शिव पुराण में बताया गया है कि, व्यक्ति की इंद्रियां अगर सही के काम करना बंद कर दें तो यह मृत्यु के नजदीक होने का संकेत हो सकता है। इसके अतिरिक्त शरीर के रंग का बदलना जैसे शरीर का नीला, सफेद या पीला पड़ जाना, त्वचा पर कई जगह लाल चकते नजर आना भी मृत्यु का संकेत हो सकते हैं।

शिव पुराण के मुताबिक, जब किसी व्यक्ति को अपनी

परछाई न दिखाई दे या अपनी परछाई सिर के बिना दिखाई दे तो यह भी मृत्यु के निकट होने का संकेत हैं। मृत्यु के पास होने पर व्यक्ति को जल, तेल, घी या आईने में भी परछाई नजर नहीं आती।

मृत्यु के निकट होने से पहले मनुष्य को चंद्रमा, अरुंधति तारा, सप्तऋषि तारे या अन्य तारे भी नहीं नजर आते। अगर किसी व्यक्ति के साथ ऐसा हो तो समझिए उसके जीवन में कुछ ही समय शेष है।

हिंदू धर्म में एक पवित्र ग्रंथ के रूप में प्रतिष्ठित शिव पुराण न केवल भगवान शिव के दिव्य पहलुओं की प्रशंसा करता है बल्कि जीवन और मृत्यु के रहस्यों में गहन अंतर्दृष्टि भी प्रदान करता है। मृत्यु से पहले के संकेत, जैसा कि पुराण में बताया गया है, आध्यात्मिक यात्रा और मृत्यु चक्र की अनिवार्यता पर एक अनूठा दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। इन संकेतों की आध्यात्मिक प्रकृति को स्वीकार करते हुए, हिंदू परंपरा में व्यक्तियों को जीवन से मृत्यु तक संक्रमण के संबंध में शिव पुराण की गहन शिक्षाओं में सांत्वना और चिंतन मिल सकता है।

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' की कहानी का नहीं कोई अंत, फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं रश्मिका

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म पहले पार्ट से भी काफी बड़ी होगी। रश्मिका मंदाना ने हाल ही में में अपनी आगामी फिल्म 'पुष्पा 2' को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि 'पुष्पाः द राइज' की तरह ही टीम में हर कोई इसके दूसरे पार्ट को हिट बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है।

बहुत बड़ी फिल्म होने वाली है 'पुष्पा 2'

रश्मिका मंदाना ने कहा, 'मैं आपसे वादा कर सकती हूं कि पुष्पा 2 बहुत बड़ी होने वाली है। हमने पहली फिल्म में कुछ पागलपन दिया था। इसके पार्ट 2 में हम जानते हैं कि हमारी एक जिम्मेदारी है, क्योंकि लोगों को फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं। हम लगातार और सचेत रूप से इसके वितरित करने का प्रयास कर रहे हैं। मैंने अभी-अभी पुष्पा 2 के लिए एक गाने की शूटिंग की है। हर कोई एक अच्छी फिल्म बनाने के लिए प्रेरित है। हम सभी बाहर गए हैं और इस प्रक्रिया का आनंद ले रहे हैं। यह एक ऐसी कहानी है जिसका कोई अंत नहीं है, आप इसे किसी भी दिशा में ले जा सकते हैं। यह मजेदार है।'

पुष्पा 2 के लिए बेहद उत्साहित हैं रश्मिका

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पाः द राइज' 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और बॉक्स ऑफिस पर राज किया था। सिनेमाघरों में इसके हिट होने से पहले ही दर्शक इसके सीक्वल की मांग करने लगे थे, जिसके चलते टीम पर दबाव महसूस होना स्वाभाविक है। इस पर बात करते हुए 'एनिमल' अभिनेत्री रश्मिका ने कहा, 'कोई दबाव नहीं है, जब मैं पहली फिल्म देखती हूं, तो मुझे लगता है कि मुझे कमर कस लेनी चाहिए। पुष्पा 2 में मेरे किरदार के बारे में काफी सोचा गया है और वह बेहतर है। मैं वास्तव में उत्साहित हूं लेकिन घबराई हुई नहीं हूं।'

फैंस को रश्मिका के लुक पोस्टर का इंतजार

रश्मिका ने आगे कहा, 'एक अभिनेत्री के रूप में, पिछले दो वर्षों में मैं इतनी विकसित हो गई हूं कि मैं बेहतर अभिनय करने में सक्षम हूं। इससे मुझे आत्मविश्वास मिलता है।' फिलहाल 'पुष्पा 2' की शूटिंग चल रही है। पिछले साल 2023 में अल्लू अर्जुन ने 'पुष्पा 2' से अपना फर्स्ट-लुक पोस्टर साझा किया था। इस पोस्टर में वह साड़ी पहने हुए नजर आ रहे थे और उनका चेहरा नीले और लाल रंग से रंगा हुआ था। अब फैंस को रश्मिका मंदाना के

अनन्या पांडे करना चाहती हैं बोल्ड रोल्स मौका मिला तो करूंगी बायोपिक में काम

अनन्या पांडे इन दिनों अपनी फिल्म 'खो गए हम कहां' की सफलता का जश्न मना रही हैं। हर तरफ उनके काम की तारीफ हो रही है। तीन दोस्तों की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म को जो सफलता मिली है, अनन्या ने कभी उसकी कल्पना भी नहीं की थी। फिल्म में उन्होंने 'अहाना' का किरदार निभाया है जो नौकरी छोड़कर अपना जिम का बिजनेस संभालना चाहती है। अनन्या पांडे का किरदार आज की युवा पीढ़ी की उलझनों और परेशानियों को दिखाता है। पिछले दिनों मीडिया से बात करते हुए अनन्या ने बताया कि अब वे कैसी फिल्में करना चाहती हैं।

बायोपिक में करना चाहेंगी काम

अनन्या पांडे ने अभी तक कई ऐसी फिल्में की हैं जिनमें उनका किरदार एक प्यारी सी लड़की का रहा है। अब अनन्या कुछ अलग और नया करना चाहती हैं। मीडिया से बातें करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं अब किसी बायोपिक का हिस्सा बनना चाहती हूं। मैं किसी महिला खिलाड़ी या फिर किसी महान गायिका के बायोपिक में काम करना चाहूंगी। मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं जो सभी वर्ग के दर्शकों को पसंद आए।'

बोल्ड किरदार पर अनन्या का रिएक्शन

'ड्रीम गर्ल 2' स्टार ने आगे कहा, 'हमारे यहां चलन है कि किसी भी स्टार को एक जैसे रोल में टाइपकास्ट कर दिया जाता है, लेकिन मैं किसी भी स्टीरियोटाइप का हिस्सा नहीं बनना चाहती हूं। मैं सिर्फ पॉजिटिव या निगेटिव रोल नहीं निभाना पसंद करूंगी। मैं ऐसी फिल्में करना चाहती हूं जहां मैं खुद के अभिनय क्षमता को और निखार सकूं। मैं फिल्मों में ग्रे किरदार निभा चाहती हूं। एक ही जैसे किरदार अब और नहीं करूंगी।'

अनन्या का वर्क फ्रंट

अनन्या पांडे के लिए साल 2023 काफी लकी रहा। अनन्या की दो फिल्में 'ड्रीम गर्ल 2' और 'खो गए हम कहां' रिलीज हुई थीं। दोनों ही फिल्मों में उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने काफी पसंद किया। 'खो गए हम कहां में' के किरदार से अनन्या ने दर्शकों को पूरी तरह प्रभावित किया है। आने वाले दिलों में अनन्या पांडे 'कंट्रोल' और 'द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर' में नजर आएंगी।

'एनिमल' में इंटीमेट सीन के लिए रणबीर ने आलिया से ली थी इजाजत?

अभिनेता ने किया खुलासा

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी ए सर्टिफिकेट हासिल करने वाली फिल्म 'एनिमल' में रणबीर कपूर ने शानदार प्रदर्शन किया है। तमाम विवाद के बाद फिल्म घरेलू सहित वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता का परचम लहराने में सफल रही है। फिल्म की कहानी और एक्शन के साथ-साथ इसके इंटीमेट सीन भी खूब सुर्खियों में रहे हैं। रणबीर कपूर और तृप्ति डिमरी की केमिस्ट्री ने लोगों का खासा ध्यान आकर्षित किया। साथ ही तृप्ति रातों-रात नेशनल क्रश बन गईं। हालांकि, ये सीन करने से पहले अभिनेता ने रियल लाइफ पत्नी आलिया भट्ट से अनुमति ली थी या नहीं, इसका सच भी सामने आ गया है।

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की ब्लॉकबस्टर हिट 'एनिमल' की सफलता से उत्साहित बॉलीवुड हार्टथ्रोब रणबीर कपूर ने हाल ही में कुछ अत्यधिक चर्चित इंटीमेट सीन्स की शूटिंग के दौरान उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी साझा की। यह सीन अभिनेता और तृप्ति डिमरी के बीच फिल्माया गया था। अपने हालिया इंटरव्यू में रणबीर ने खुलासा किया कि वह वास्तव में इस सीन की शूटिंग को लेकर डरे हुए थे।

रणबीर कपूर के अनुसार, यह केवल उनकी पत्नी आलिया भट्ट और उनके समर्थन के कारण था कि उन्होंने इसके साथ आगे बढ़ने का फैसला किया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में, रणबीर ने आलिया के साथ अपने रिश्ते की सहयोगात्मक प्रकृति और अपने-अपने कामकाजी जीवन में एक-दूसरे को दिए जाने वाले समर्थन के बारे में बताया। कई 'एनिमल' सीन की शूटिंग के बारे में आलिया को बताने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं उनके साथ इस पर चर्चा करता था। आप जानते हैं, उन्होंने कई सीन में मेरी मदद की है।'

रणबीर कपूर ने खुलासा किया कि उनकी पत्नी ही थीं जिन्होंने उनके सीन को तैयार करने में उनकी मदद की थी। यह स्वीकार करते हुए कि वह किरदारों को अच्छाई की भावना के साथ चित्रित करते हैं, रणबीर ने बताया कि आलिया ने आत्म-संदेह के क्षणों के दौरान उन्हें आश्वस्त करने में मदद की और फिल्मांकन प्रक्रियाओं पर एक मूल्यवान परिप्रेक्ष्य प्रदान करने के लिए उन्हें श्रेय दिया। अभिनेता ने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने वास्तव में उस बैरोमीटर को बजाया है और कहा है कि सुनो, यह ठीक है, यह एक किरदार है, जिसका यह एक हिस्सा है। मुझे लगता है कि जहां तक इस फिल्म का सवाल है, वह बहुत मजबूत समर्थन रही हैं।'

'एनिमल' के सितारों से सजे कलाकारों में बॉबी देओल, अनिल कपूर, सुरेश ओबेरॉय, प्रेम चोपड़ा और बॉलीवुड की अन्य प्रमुख हस्तियां भी शामिल हैं। फिल्म की सफलता का जश्न हाल ही में एक भव्य पार्टी के साथ मनाया गया जिसमें इंडस्ट्री जगत के दिग्गज लोग शामिल हुए थे।

फिल्म एनिमल पर सनी लियोनी ने दी प्रतिक्रिया

रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म 'एनिमल' ने ए सर्टिफिकेट हासिल करने के बाद भी विश्वभर में अपना जलवा बिखेरा है। तमाम विवादों और आलोचनाओं के बावजूद फिल्म ने घरेलू समेत वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस एक्शन-ड्रामा की 'विषाक्त मर्दानगी' के चित्रण के लिए आलोचना की गई है। हाल ही में मशहूर गीतकार जावेद अख्तर 'लिक माई शू' डायलॉग पर आपत्ति जाहिर करते नजर आए थे। तमाम सितारों के बाद सनी लियोनी ने भी 'एनिमल' को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है, अभिनेत्री का बयान खूब सुर्खियां बटोर रहा है।

हाल ही में सनी लियोनी को अपना एआई रेप्लिका अवतार लॉन्च करते हुए देखा गया था। लॉन्च इवेंट के बाद सनी ने एक मीडिया बातचीत में फिल्म 'एनिमल' को मिल रही आलोचना पर अपने विचार साझा किए। फिल्म की सफलता और आलोचना पर अपने विचार साझा करते हुए सनी ने कहा, 'फिल्मों के बारे में अच्छी बात यह है कि हमारे पास देखने या न देखने का विकल्प होता है। लेकिन मेरा मानना है कि मनोरंजन चक्रीय है, और सब कुछ वापस आ जाता है। पहले मंदी थी, और अब लोग मूवी थिएटरों में वापस जाने, टिकट खरीदने और परिवार के साथ अद्भुत समय बिताने के इच्छुक हैं।'

सनी ने 'एनिमल' की सफलता का समर्थन किया, और कहा कि दर्शकों को यह आजादी होनी चाहिए कि वे कौन सी फिल्म देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'वे कौन सी फिल्म देखना चाहते हैं यह उनकी अपनी पसंद है, और इसे देखने की उनकी अपनी आजादी है।' हालांकि, सनी ने यह भी कहा कि किसी को भी जो कुछ भी देखा या लिखा जाता है उससे सहमत नहीं होना चाहिए या विश्वास नहीं करना चाहिए।'

सनी लियोनी ने अपनी बात में आगे जोड़ा, 'हमें हमेशा किसी भी चीज से सहमत होने की जरूरत नहीं है, जो कोई जारी करता है या लिखता है। यह हमारी पसंद है।' अंत में, सनी ने यह भी कहा कि माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बच्चे कैसे कंटेंट को देख रहे हैं। बच्चों को अंतर पता होना चाहिए।'

सनी लियोनी ने आखिरी में लिखा, 'अगर युवा लोग इसे देख रहे हैं तो हमारे परिवारों, दोस्तों और माता-पिता को इस पर चर्चा करना होगा। एक कदम आगे बढ़ें और कहें ठीक है, यह कल्पना है और यह वास्तविकता है।' सनी ने कहा, 'हमें अपने बच्चों, युवा बेटियों और बेटों को सिखाना होगा कि जीवन वास्तव में कैसा होना चाहिए और हमें एक-दूसरे के प्रति दयालु होना चाहिए।' रणबीर की 'एनिमल' में रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल, अनिल कपूर, प्रेम चोपड़ा और शक्ति कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।' रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म 'एनिमल' ने ए सर्टिफिकेट हासिल करने के बाद भी विश्वभर में अपना जलवा बिखेरा है। तमाम विवादों और आलोचनाओं के बावजूद फिल्म ने घरेलू समेत वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस एक्शन-ड्रामा की 'विषाक्त मर्दानगी' के चित्रण के लिए आलोचना की गई है। हाल ही में मशहूर गीतकार जावेद अख्तर 'लिक माई शू' डायलॉग पर आपत्ति जाहिर करते नजर आए थे। तमाम सितारों के बाद सनी लियोनी ने भी 'एनिमल' को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है, अभिनेत्री का बयान खूब सुर्खियां बटोर रहा है।

विदेश में भी छप्परफाड़ कमाई कर रही 'हनुमान' आरआरआर-बाहुबली का भी टूटा रिकॉर्ड

साउथ की सुपरहीरो फिल्म 'हनुमान' लगातार लोगों के दिल जीत रही है। सम्मोहक कहानी, विजुअल इफेक्ट्स, पौराणिक कथाओं और आधुनिक विज्ञान के सही संयोजन के लिए हर तरफ इस फिल्म की प्रशंसा हो रही है। देश के साथ विदेश में भी फिल्म को खूब सराहा जा रहा है। प्रशांत वर्मा के निर्देशन में बनी 'हनुमान' ने कई बड़ी तेलुगु फिल्म के अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड को सफलतापूर्वक तोड़ दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'हनुमान' ने एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है। फिल्म ने अकेले उत्तरी अमेरिका में रिलीज के बाद से केवल चार दिन में पांच लाख 25 हजार डॉलर की प्रभावशाली कमाई कर ली है।

इसके साथ ही इसने राजामौली की 'आरआरआर' और बाहुबली और अल्लू अर्जुन की अला वैकुंठपूर्मुलु जैसी प्रशंसित फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। 'हनुमान' में तेजा सज्जा प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म में विनय राय, अमृता अय्यर, वरलक्ष्मी सरथकुमार, समुथिरकानी और गेटअप श्रीनु जैसे शानदार कलाकार भी मौजूद हैं।

सभी के 100 प्रतिशत योगदान से यह फिल्म उच्च गुणवत्ता के साथ बनकर तैयार हुई है। फिल्म अंजनाद्रि गांव रहने वाले युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भगवान हनुमान की क्षमताओं को हासिल करता है और अंजनाद्रि के लिए लड़ता है। फिल्म को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। यही वजह है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। 'हनुमान' ने विदेश में असाधारण प्रदर्शन करते हुए रिलीज के केवल चार दिनों में तीन मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार करते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका में जबर्दस्त सफलता हासिल की है। फिल्म को मिल रहे रिस्पॉन्स की वजह से उत्तरी अमेरिका में स्क्रीनों की संख्या बढ़ा दी गई है। ऐसे में आने वाले समय में यह फिल्म और कई रिकॉर्ड अपने नाम हासिल कर सकती है।

शाहिद कपूर ने बताया कृति सेनन के नाम का सही उच्चारण, मंच पर दिखा अभिनेता का मजाकिया अंदाज

बॉलीवुड में कई सितारों के नाम को लेकर लोगों के बीच कंफ्यूजन रहता है। कई बार जानकारी की कमी तो कभी इस कंफ्यूजन के

चलते वे सितारों के नाम का गलत उच्चारण करते हैं। कल्कि केकलां से लेकर आमिर खान की बिटिया आयरा तक इस लिस्ट में शामिल हैं। मीडिया में आमिर की बेटी का नाम अक्सर इरा लिया जाता है, लेकिन सही नाम आयरा है और इसकी पुष्टि खुद आयरा कर चुकी हैं। इसके अलावा लोग कृति सेनन का नाम भी गलत तरीके से लेते हैं। अक्सर लोग उन्हें कीर्ति सेनन कहते हैं। हाल ही में फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान सह कलाकार शाहिद कपूर ने अभिनेत्री के नाम का सही उच्चारण बताया।

ट्रेलर लॉन्च में मस्ती करते दिखे शाहिद

बता दें कि फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में कृति और शाहिद कपूर साथ स्क्रीन साझा करते दिखेंगे। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ है। इस दौरान दोनों काफी हंसी-मजाक करते नजर आए। पैपराजी जब अभिनेत्री का नाम पुकार रहे थे, तो शाहिद कपूर बीच में बोले और उनके नाम का सही उच्चारण बताया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रही है। इसमें शाहिद का मजाकिया अंदाज देखा जा सकता है।

ये है अभिनेत्री का सही नाम

वीडियो में शाहिद कहते दिख रहे हैं, 'इनका नाम है 'कीर्ति सेनन', ये सुनकर कीर्ति शाहिद पर मजाकिया अंदाज में गुस्सा होती नजर आती हैं। इसके बाद शाहिद पैपराजी से कहते हैं, 'क्या है इनका नाम? जब पैपराजी गलत नाम बताते हैं तो कृति कहती हैं, 'वे पहले से ही मेरा गलत नाम ले रहे हैं।' इसके बाद शाहिद फिर अभिनेत्री के नाम को दोहराते हैं और कहते हैं, नाम है 'कृति सेनन'। इसके बाद एक्टर दो-तीन बार इस नाम को दोहराते हैं। इस वीडियो को वीरेंद्र चावला नाम के यूजर ने इंस्टाग्राम पर साझा किया है।

इस दिन दस्तक देगी फिल्म

तमाम लोग कृति के नाम को कीर्ति लिखते और बोलते हैं, जो कि गलत है। अब शाहिद कपूर ने भी यही बात स्पष्ट की। बात करें 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' की तो इस फिल्म में शाहिद और कृति पहली बार साथ काम करते दिखेंगे। ये फिल्म नौ फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का निर्देशन अमित जोशी, अराधना साह ने किया है। यह एक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म बताई जा रही है।

कोंकणा सेन शर्मा ने मनोज बाजपेयी के साथ इंटीमेट सीन्स पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा इन दिनों अपनी फिल्म 'किलर सूप' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उन्होंने मनोज बाजपेयी के साथ काम किया है। फिल्म में अभिनेत्री की अदाकारी को दर्शकों ने खूब सराहा। अभिषेक चौबे के जरिए निर्देशित क्राइम थ्रिलर 'किलर सूप' में मनोज के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कोंकणा ने ओटीटी पर उपलब्ध होने वाली सामग्रियों और विषय के बारे में भी बात की। साथ ही उन्होंने ओटीटी पर सेंसरशिप के बारे में भी बात की।

मनोज के साथ ऐसा रहा काम करने का अनुभव

मनोज के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए कोंकणा ने कहा, 'यह शानदार था। मैं कई सालों से मनोज बाजपेयी के साथ काम करना चाहता थी और जब मुझे मौका मिला तो मैं रोमांचित हो गई, लेकिन जब शूटिंग शुरू हुई तो मैं थोड़ा घबरा गई थी, क्योंकि वे एक महान अभिनेता हैं, जिनका करियर काफी मशहूर रहा है। मैंने सोचा था कि वह बहुत उग्र किस्म के व्यक्ति होंगे, मेरे लिए यह बहुत डराने वाला होगा, लेकिन वे ऐसा कुछ नहीं थे। उनके व्यक्तित्व में एक खास गर्मजोशी है, जो मुझे बहुत पसंद है। वे सेट पर हमारे लिए खाना बनाते थे। कभी-कभी हम सभी एक साथ इकट्ठा होते थे और शॉट्स का इंतजार करते हुए गेम खेलते थे, इसलिए शूटिंग के दौरान हमें एक अद्भुत बॉन्डिंग का अनुभव हुआ।

इंटीमेट सीन करने में कोई आपत्ति नहीं

फिल्मों में इंटीमेट सीन करने के बारे में कोंकणा ने बात करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे दृश्य फिल्माने में समस्या नहीं है, लेकिन इस दृश्य का उद्देश्य सिर्फ उत्तेजना पैदा करना या सीन को सनसनीखेज बनाना नहीं होना चाहिए। अभिषेक और मनोज ने मुझे बहुत सहज बनाया। सेट पर माहौल बहुत सहज और निजी था। मैं क्या पहनूंगी और वे इसे कैसे शूट करेंगे, इस बारे में सब कुछ पहले से ही चर्चा की गई थी, इसलिए मुझे पता था कि क्या होने वाला है। मुझे ऐसा कुछ करने में असहजता महसूस नहीं हुई।

ओटीटी सेंसरशिप पर क्या बोलीं कोंकणा

मैं सेंसरशिप में बिल्कुल विश्वास नहीं करती, बेशक शो को यू/ए या पीजी-13 रेटिंग दी जानी चाहिए, ताकि माता-पिता को पता चल सके कि बच्चे क्या देख सकते हैं और क्या नहीं, लेकिन जब वयस्कों की बात आती है तो कोई सेंसरशिप नहीं होनी चाहिए। यदि 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोग मतदान कर सकते हैं और अपने नेता और जीवन साथी चुन सकते हैं तो वे अपनी सामग्री क्यों नहीं चुन सकते? एक स्पष्ट चेतावनी होनी चाहिए कि यह बच्चों के लिए उपयुक्त नहीं है या यह हिंसक या यौन है, लेकिन यही बात है। उसके बाद मेरा मानना है कि वयस्क अपने निर्णय स्वयं ले सकते हैं।

चिरंजीवी को पद्म विभूषण से किया जाएगा सम्मानित! गणतंत्र दिवस पर होगी पुरस्कारों की घोषणा

मेगास्टार चिरंजीवी अपनी उपलब्धि में एक और उपलब्धि जोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्हें कथित तौर पर 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस पर नागरिक पुरस्कार समारोह के दौरान पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाएगा। अभिनेता को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के साथ-साथ उनके परोपकारी कार्यों के लिए भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

पद्म विभूषण से सम्मानित होंगे अभिनेता

पद्म विभूषण भारत का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक पुरस्कार है, भारत रत्न सर्वोच्च सम्मान है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चिरंजीवी को 160 से अधिक फिल्मों के साथ देश में सिनेमा में उनके योगदान के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। इतना ही नहीं, चिरंजीवी ब्लड बैंक के माध्यम से उन्होंने समाज के लिए जो काम किया है, उसके लिए उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा। चिरंजीवी को 2006 में भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया था। इस बीच मेगास्टार को हाल ही में 22 जनवरी को अयोध्या में राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से निमंत्रण मिला।

T20 इतिहास में पहली बार हुए 2 सुपर ओवर

नहीं देख पाए मैच तो पढ़ें पूरा रोमांच

भारत और अफगानिस्तान के बीच टी20 सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच टीम इंडिया ने दूसरे सुपर ओवर में जीत लिया। इस जीत के साथ ही भारत ने सीरीज 3-0 से अपने नाम की। रोमांच का चरम क्या होता है, यह भारत और अफगानिस्तान के बीच तीसरे टी20 में देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट के इतिहास में पहली बार दो सुपर ओवर खेले गए। पहला और दूसरा टी20 छह-छह विकेट से जीतने के बाद टीम इंडिया ने तीसरे टी20 में डबल सुपर ओवर में अफगानिस्तान को हरा दिया। निर्धारित 20 ओवर में भारत ने रोहित शर्मा की नाबाद 121 रन की पारी और रिंकू सिंह के नाबाद 69 रन की बदौलत भारत ने चार विकेट पर 212 रन बनाए थे। जवाब में अफगानिस्तान की टीम भी 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 212 रन बना सकी। मैच टाई हुआ और सुपर ओवर में पहुंचा। पहले सुपर ओवर में दोनों टीमों ने 16-16 रन बनाए। दूसरे सुपर ओवर में भारत के 11 रन के जवाब में अफगानिस्तान एक रन बना सका और भारत ने मैच जीत लिया।

यह मैच देर रात खत्म हुआ और भारतीय टीम पहले ही सीरीज जीत चुकी थी। ऐसे में कई फैंस ने यह मुकाबला नहीं देखा। अगर आप भी यह मैच नहीं देख पाए तो यहां मुकाबले का पूरा रोमांच पढ़ सकते हैं...

भारत की पारी

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 212 रन बनाए। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में रोहित और रिंकू का तूफान देखने को मिला। एक वक्त भारत ने 22 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। यशस्वी जायसवाल चार रन और शिवम दुबे एक रन बनाकर आउट हुए। वहीं, विराट कोहली और संजू सैमसन खाता नहीं खोल सके। इसके बाद रोहित और रिंकू ने पांचवें विकेट के लिए 95 गेंद में 190 रन की नाबाद साझेदारी की। किसी ने नहीं सोचा था कि टीम इंडिया 200 के स्कोर तक पहुंच पाएगी, लेकिन हिटमैन और रिंकू ने ऐसा कर दिखाया। रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का रिकॉर्ड पांचवां शतक लगाया। वह इस प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह 69 गेंद में 11 चौके और आठ छक्के की मदद से 121 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, रिंकू ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा अर्धशतक लगाया। वह 39 गेंद में 69 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी पारी में उन्होंने दो चौके और छह छक्के लगाए।

अफगानिस्तान की पारी

213 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान टीम को कप्तान इब्राहिम जादरान और रहमनुल्लाह गुरबाज ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने 93 रन जोड़े। इस साझेदारी को कुलदीप यादव ने तोड़ा। उन्होंने गुरबाज को कैच आउट कराया। वह 32 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से 50 रन बनाए। वहीं, जादरान 41 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए। अजमतुल्लाह ओमरजई खाता नहीं खोल सके। मोहम्मद नबी ने 16 गेंद में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 34 रन की तूफानी पारी खेल मैच अफगानिस्तान की तरफ मोड़ दिया। हालांकि., वॉशिंगटन सुंदर ने 17वें ओवर में सधी हुई गेंदबाजी की नबी को पवेलियन भेजा। करीम जनत दो रन बनाकर रन आउट और नजीबुल्लाह जादरान पांच रन बनाकर आउट हो गए। इन विकेट ने मैच को फिर रोमांचक बना दिया। आखिरी ओवर में अफगानिस्तान को जीत के लिए 19 रन की दरकार थी। गुलबदिन नईब क्रीज पर थे। उन्होंने शराफुद्दीन अशरफ के साथ मिलकर 20वें ओवर में 18 रन बनाए और मैच टाई हो गया। गुलबदिन 23 गेंद में चार चौके और चार छक्के की मदद से 55 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से वॉशिंगटन सुंदर ने तीन विकेट लिए। वहीं, आवेश खान और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला।

सुपर ओवर में क्या हुआ?

पहले सुपर ओवर में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 रन बनाए। जवाब में भारत भी 16 रन बना सका। दूसरे सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 11 रन बनाए और फिर अफगानिस्तान को एक रन ही बनाने दिया। अफगानिस्तान की टीम ने तीन गेंद में ही दो विकेट गंवा दिए और इस तरह टीम इंडिया ने जीत हासिल की।

रवि बिश्नोई दूसरे सुपर ओवर में गेंदबाजी के लिए आए और अफगानिस्तान की टीम उनके फिरकी में फंस गई। तीन गेंद में ही उन्होंने मोहम्मद नबी और रहमनुल्लाह गुरबाज के दो विकेट लिए। एक सुपर ओवर में किसी एक टीम के दो विकेट गिरने पर पारी वहीं समाप्त हो जाती है।

रिंकू को जब भी मौका मिलता है वो खुद को साबित करते हैं

अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में दो सुपर ओवर के बाद मिली रोमांचक जीत से भारतीय क्रिकेट फैंस खुश हैं। वहीं भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब भी इस खिलाड़ी को मौका मिलता है वह अपनी छाप छोड़ता है। बुधवार रात एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रोहित 69 गेंदों पर नाबाद 121 रन की मदद से पांच टी20 शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।भारत ने 212/4 का स्कोर बनाया। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने रिंकू के साथ पांचवें विकेट के लिए 190 रन की साझेदारी की, जो 39 गेंदों पर 69 रन बनाकर नाबाद रहे।यह टी20 में पांचवें विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी साझेदारी बन गई, जिसने विराट कोहली और हार्दिक पांड्या द्वारा बनाए गए 113 रन के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, साझेदारी होनी महत्वपूर्ण थी। मैं लगातार रिंकू से बात करता रहा। हम बड़े मैचों में खुद को ऐसी परिस्थितियों में पा सकते हैं, जहां हम 4 विकेट पर 30 रन पर हों। दबाव के साथ रहना एक अच्छी स्थिति थी, यह महत्वपूर्ण था। हमें क्रीज पर रहने और लंबी बल्लेबाजी करने की जरूरत थी। हालांकि, गहरी बल्लेबाजी करनी थी लेकिन हमें इंटेंट को भी ध्यान में रखना था।" पिछली कुछ श्रृंखलाओं में रिंकू ने दिखाया कि वह क्या कर सकता है। वह निडर है, खुद को शांत रखता है, अपने गेम प्लान के बारे में बहुत स्पष्ट है और अपनी ताकत को अच्छी तरह से जानता है। वह परिपक्व हो रहा है और जब भी उसे मौका मिल रहा है वह हर बार अपनी छाप छोड़ता है। रोहित ने कहा, ₹भारत के लिए पिछली 10 पारियों में उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। हम ऐसा कोई चाहते थे जो स्पष्ट मानसिकता के साथ अंतिम छोर पर बल्लेबाजी कर सके। आपने देखा कि उन्होंने आईपीएल में कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने इसे यहां भी आगे बढ़ाया है।

एक हाई-स्कोरिंग मैच होने के बावजूद यह मुकाबला टाई रहा। फैंस के बीच मैच का रोमांच तब और बढ़ गया, जब पहला सुपर ओवर भी 16-16 के स्कोर पर टाई रहा। लेकिन दूसरे सुपर ओवर में रोहित शर्मा और रवि बिश्नोई ने भारत की जीत पक्की की। भारत की 3-0 की जीत में 124 रन बनाने और दो विकेट लेने के लिए शिवम दुबे को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान ने इस श्रृंखला के कुछ रोमांचक पहलुओं को देखने का फैसला किया, जिसमें डबल सुपर ओवर का हिस्सा बनना भी शामिल है।

विश्व कप खेलेंगे रोहित शर्मा! क्लीन स्वीप के बाद कही यह बात, विराट-संजू को लेकर दिया बयान

विराट कोहली और रोहित शर्मा दोनों ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में टी20 प्रारूप में वापसी की। इससे उन्होंने यह संकेत दे दिया है कि टी20 विश्व कप की दौड़ में वह शामिल हैं। रोहित ने तो तीसरे टी20 में शतक लगाकर विपक्षी टीमों को चेतावनी भी दे दी है। पहले दो मैचों में खाता नहीं खोल पाने के बाद रोहित ने तीसरे टी20 में 121 रन की नाबाद पारी खेली और टीम इंडिया की जीत में अहम योगदान दिया।

लोग उनकी फिटनेस पर सवाल करते हैं, लेकिन पूरे 20 ओवर तक बल्लेबाजी करने और 20 ओवर तक फील्डिंग करने के बाद हिटमैन ने सुपरओवर में दो बार बल्लेबाजी भी की थी। इतना ही नहीं विराट ने दूसरे टी20 में आत्मविश्वास से भरी छोटी मगर उपयोगी पारी खेलने के बाद तीसरे मैच में शून्य पर आउट हुए थे। दूसरे मैच में विराट ने 16 गेंदों में 29 रन बनाए थे। कोहली के बल्ले से रन नहीं निकलने से भले ही पूर्व क्रिकेटर खुश न हों, लेकिन कप्तान रोहित उनके इरादे ने निश्चित रूप से प्रभावित हैं।

बेंगलुरु में तीसरे टी20 के बाद ब्रॉडकास्टर्स के साथ बातचीत में रोहित ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कोहली और संजू सैमसन का इरादा कितना महत्वपूर्ण था। भले ही वे दोनों खाता नहीं खोल सके। विराट ने तीसरे टी20 में बल्ले से तो कमाल नहीं दिखाया, लेकिन फील्डिंग में उन्होंने कमाल कर दिया। विराट ने बाउंड्री पर हवा में उड़कर छह रन बचाए और फिर एक महत्वपूर्ण कैच भी लिया, जिसमें वह करीब 38 मीटर दौड़े थे। यह मैच में निर्णयाक साबित हुआ था।

रोहित ने मैच के बाद कहा, 'हमें खिलाड़ियों को केवल उनकी स्थिति और क्रिकेट के तरीके के बारे में स्पष्ट करने की जरूरत है। उनको पता है कि जब वे मैदान पर उतरेंगे तो क्या उम्मीद करनी है। जैसा कि आपने देखा कोहली ने आते ही बड़े शॉट की कोशिश की। वह आम तौर पर ऐसा नहीं करते हैं, लेकिन उन्होंने इरादा दिखाया। सैमसन के साथ भी वह पहली गेंद पर आउट हो गए थे, लेकिन इरादा जाहिर किया था।

विराट के निशाने पर छह रिकॉर्ड, सचिन को पीछे छोड़ने का मौका, गावस्कर-ब्रैडमैन से निकल सकते हैं आगे

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 25 जनवरी को शुरू होगी। पहला मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत के सामने टेस्ट क्रिकेट में शानदार फॉर्म में चल रही इंग्लैंड की चुनौती है। इस सीरीज के दौरान विराट कोहली पर भी सबकी नजरें होंगी। कोहली ने हमेशा इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है और वह एक बार फिर टीम इंडिया के लिए यादगार बल्लेबाजी करना चाहेंगे।

कोहली के निशाने पर इस सीरीज के दौरान कई रिकॉर्ड होंगे। जब वह बल्लेबाजी करने के लिए उतरते हैं तो आमतौर पर कोई न कोई रिकॉर्ड जरूर बनाते हैं। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 28 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने इस दौरान 42.36 की औसत से 1991 रन बनाए हैं। अब अपने इस शानदार रिकॉर्ड को और ज्यादा बेहतर बनाना चाहेंगे। आइए जानते हैं कि कोहली के निशाने पर इस बार कौन-कौन से रिकॉर्ड होंगे...

दो हजार रन का आंकड़ा

कोहली के पास इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में दो हजार रन पूरे करने का मौका है। वह इससे नौ रन पीछे ही हैं। विराट ने अब तक 1991 रन बनाए हैं। इस दौरान पांच शतक और नौ अर्धशतक जड़े हैं। इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए विराट से ज्यादा रन सिर्फ सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर ने बनाए हैं। सचिन ने 32 टेस्ट मैचों की 53 पारियों में 2535 रन बनाए हैं। वहीं, गावस्कर के नाम 38 टेस्ट की 67 पारियों में 2526 रन हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा रन

विराट के पास पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ एक खास रिकॉर्ड अपने नाम करने का भी मौका है। कोहली भारत के लिए इंग्लिश टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें 544 रन बनाने होंगे। फिलहाल सचिन तेंदुलकर (2535 रन) सबसे आगे हैं।

तेंदुलकर-द्रविड़ की कर सकते हैं बराबरी

विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में अब तक पांच शतक लगाए हैं। अगर वह आगामी सीरीज में दो शतक और लगा लेते हैं तो सचिन तेंदुलकर और मौजूदा कोच राहुल द्रविड़ की बराबरी कर सकते हैं। तेंदुलकर और द्रविड़ के नाम सात-सात शतक हैं। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने छह शतक लगाए हैं। कोहली उन्हें भी पीछे छोड़ सकते हैं। विराट के अलावा चेतेश्वर पुजारा और दिलीप वेंगसरकर ने पांच-पांच शतक जड़े हैं। विराट के पास इनदोनों से भी आगे निकलने का मौका होगा। अगर वह जबरदस्त फॉर्म में रहे और तीन शतक लगा देते हैं तो इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बन जाएंगे।

नौ हजार रन पूरे करने के करीब

कोहली ने टेस्ट में भारत के लिए अब तक 8848 रन बनाए हैं। 113 टेस्ट मैचों के दौरान उनका औसत 49.15 का रहा है। उन्होंने 29 शतक और 30 शतक लगाए हैं। विराट अगर 152 रन बनाते हैं तो उनके टेस्ट में नौ हजार रन पूरे हो जाएंगे। उनसे पहले भारत के लिए सचिन (15921 रन), द्रविड़ (13288 रन) और गावस्कर (10122 रन) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

ब्रैडमैन और विलियम्सन से आगे निकलने का मौका

विराट के पास इस सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन और न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन से आगे निकलने का भी मौका होगा। कोहली के टेस्ट में 29 शतक हैं। ब्रैडमैन और विलियम्सन के नाम भी 29-29 शतक हैं। अगर विराट एक शतक लगा देते हैंतो वह ब्रैडमैन और विलियम्सन को पीछे छोड़ देंगे।

गावस्कर के बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने पर नजर

विराट के पास सुनील गावस्कर के एक बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने का भी मौका है। कोहली ने भारतीय मैदानों पर इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 13 मैचों में 1015 रन बनाए हैं। इस मामले में वह तीसरे स्थान पर हैं। भारतीय जमीन पर इंग्लिश टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी सुनील गावस्कर हैं। उन्होंने 22 टेस्ट मैचों में 1331 रन बनाए हैं। वहीं, गुंडप्पा विश्वनाथ के नाम 17 मैचों में 1022 रन हैं। अगर कोहली आठ रन बनाते हैं विश्वनाथ से आगे निकल जाएंगे। वहीं, 317 रन बनाने के बाद गावस्कर को पीछे छोड़ देंगे।

स्वीयाटेक से हार के बाद कोलिन्स ने घोषणा की कि 2024 उनका अंतिम सीज़न होगा

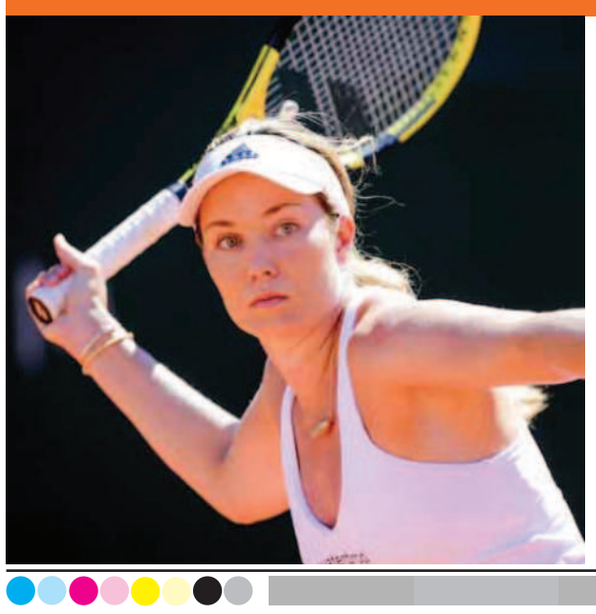

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वीयाटेक से ऑस्ट्रेलियन ओपन में गुरुवार को दूसरे दौर में हार के बाद, अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी डेनिएल कोलिन्स ने घोषणा की कि 2024 डब्ल्यूटीए टूर सीज़न दौरे पर उनका अंतिम वर्ष होगा।ऑस्ट्रेलियन ओपन ने एक्स पोस्ट में लिखा है, डेनिएल कोलिन्स के लिए यह अंतिम #ऑस्ट्रेलियन ओपन है, जिन्होंने पुष्टि की है कि वह इस साल के बाद प्रतिस्पर्धा करना बंद कर देंगी। हम अपने 2022 फाइनलिस्ट को शुभकामनाएं देते हैं।2022 की फाइनलिस्ट ने एक सेट और एक ब्रेक डाउन से पिछड़ने के बाद तीसरे सेट में डबल-ब्रेक से 4-1 की बढ़त बना ली , लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी करते हुए रॉड लेवर एरेना में 6-4, 2-6, 6-4 से जीत हासिल की।

कोलिन्स ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, वास्तव में यह मेरा आखिरी प्रतिस्पर्धात्मक सीजन होने जा रहा है। मैं वास्तव में नहीं जानती कि कब, लेकिन यह मेरा आखिरी सीजन होगा और मैं वास्तव में इसका इंतजार कर रही हूं। मुझे लगता है कि मेरा करियर बहुत अच्छा रहा है। इसमें निश्चित रूप से उतार-चढ़ाव रहे हैं, और मुझे लगता है कि यात्रा और शेड्यूल के साथ कोर्ट से दूर कुछ चीजें और यह सब, यह वास्तव में एक कठिन खेल है ।'मेरे पास अन्य चीजें हैं जिन्हें मैं टेनिस के बाहर अपने जीवन में पूरा करना चाहती हूं, और मैं ऐसा करने में सक्षम होने के लिए समय निकालना चाहूंगी। जाहिर तौर पर बच्चे पैदा करना मेरे लिए एक बड़ी प्राथमिकता है।दो साल पहले इसी कोर्ट पर कोलिन्स ने स्वीयाटेक को 6-4, 6-1 से हराकर जीत हासिल की थी और अपने पहले बड़े फाइनल में प्रवेश किया था।

कोलिन्स ने 2019 में मेलबर्न पार्क में अपना पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल हासिल किया, और शीर्ष 20 विरोधियों के खिलाफ तीन जीत हासिल की।

पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी भारतीय टीम

भारतीय महिला हॉकी टीम का पेरिस ओलिंपिक खेलने का सपना टूट गया है। टोक्यो ओलिंपिक में टॉप-4 पर रहने वाली भारतीय टीम ओलिंपिक का कोटा हासिल करने में नाकाम रही है। शुक्रवार को भारतीय टीम को ब्रॉन्ज मेडल मैच में जापान ने 1-0 से हराया। जापान की ओर से काना उराता ने छठे मिनट पर मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा। उसके बाद भारतीय खिलाड़ी बराबरी का गोल नहीं कर सकीं। इस टूर्नामेंट की टॉप-3 टीमों को पेरिस ओलिंपिक का टिकट मिला। इनमें अमेरिका, जर्मनी और जापान शामिल रहे।

सेमीफाइनल में जर्मनी के खिलाफ हारा था भारत

एक दिन पहले भारत को सेमीफाइनल मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी के खिलाफ सडन डेथ-2 में 2 (4)-2 (3) पराजय का सामना करना पड़ा था।मुकाबला 2-2 की बराबर रहा था। ऐसे में विजेता का फैसला करने के लिए पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा। पेनल्टी शूटआउट 3-3 से बराबर रहने के बाद मुकाबला सडन डेथ में चला गया।पहला सडन डेथ में भारतीय टीम ने बराबरी हासिल की, लेकिन सडन डेथ में सविता बचाव नहीं कर सकीं और भारत को पराजय का सामना करना पड़ा।विमेंस टीम इंडिया ने अपने आखिरी लीग मुकाबले में इटली को 5-1 से हराते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया था।

टीम ने दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड को 3-1 से मात दी। पहले मैच में भारतीय टीम को अमेरिका के खिलाफ 0-1 की हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय मेंस हॉकी टीम पहले ही ओलिंपिक गेम्स के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। टीम इंडिया ने एशियन गेम्स-2022 का गोल्ड जीतकर पेरिस का टिकट हासिल किया था।

बजट में निर्मला सीतारमण ले सकती हैं अहम फैसला, घट सकता है राजकोषीय घाटा

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को पेश होने वाले बजट में राजकोषीय घाटे को भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रख सकती हैं। एक विदेशी ब्रोकरेज फर्म ने शुक्रवार को यह अनुमान जताया। बोफा सिक्योरिटीज ने एक टिप्पणी में कहा कि सरकार वित्त वर्ष 2023-24 में राजकोषीय घाटे को 5.9 प्रतिशत पर लाने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने में सफल रहेगी।

राजकोषीय घाटा कम करना लक्ष्य

ब्रोकरेज फर्म के एक्सपर्ट्स के मुताबिक, चुनाव के दबाव के बावजूद केंद्र के राजकोषीय घाटे को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद के 5.3 प्रतिशत तक सीमित होता हुए देख रहे है। इसके मुताबिक, सरकार व्यय में कटौती करने के बजाय पूंजीगत व्यय के सहारे वृद्धि को गति देकर राजकोषीय घाटे को कम करने की अपनी रणनीति पर कायम रहने का विकल्प चुनेगी।

ऐसे बनेगी रणनीति

ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि डिजिटलीकरण के दम पर संगठित अर्थव्यवस्था को मिले समर्थन ने एक तरफ कर-राजस्व में उछाल और दूसरी तरफ सब्सिडी व्यय जैसे फालतू खर्चों को कम करके राजकोषीय गणित साधने में सरकार की मदद की है। सरकार पहले ही वित्त वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 प्रतिशत तक लाने की प्रतिबद्धता जता चुकी है। इसके लिए हर साल इसमें क्रमिक कटौती करने का लक्ष्य रखा गया है।

30.4 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान

बोफा सिक्योरिटीज ने राजस्व प्राप्तियां 10.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 30.4 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया है। कर राजस्व में 10 प्रतिशत और गैर-कर राजस्व में 14 प्रतिशत की वृद्धि के कारण ऐसा होगा। नए वित्त वर्ष में विनिवेश आय में 'मामूली बढ़ोतरी' होने की संभावना भी इस टिप्पणी में जताई गई है।इसके मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में सरकार की ताजा बाजार उधारी 11.6 लाख करोड़ रुपये होगी। इस दौरान 3.61 लाख करोड़ रुपये की ऋण परिपक्वता को देखते हुए सकल बाजार उधारी 15.2 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है।

आप भी खोले सकेंगे भारत ब्रांड का आउटलेट

फ्रेंचाइजी बांटने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। जल्द ही पूरे देश में भारत ब्रांड के रिटेल आउटलेट खुले होंगे। आपके शहरों में भी सस्ती दाल, आटा, चावल और शक्कर समेत कई सारी चीजें उपलब्ध होंगे।

हाल ही में लांच किए गए भारत ब्रांड को मिली सफलता से केंद्र सरकार उत्साहित है। साथ ही प्रयास कर रही है कि भारत ब्रांड के प्रोडक्ट पूरे देश में बिकें। इसके लिए सोशल मीडिया सहित सभी प्रचार माध्यमों का भी उपयोग किया जाएगा। साथ ही ज्यादा से ज्यादा खाद्य पदार्थों को भारत ब्रांड के दायरे में भी लाया जाएगा।

महंगाई को काबू करने के लिए आया था भारत ब्रांड

दरअसल सरकार ने बढ़ती महंगाई को काबू में करने के लिए भारत ब्रांड को लॉन्च किया था। इसके तहत भारत आटा, भारत दाल और भारत प्याज की बिक्री की गई थी। इस ब्रांड को जनता की तरफ से मिले प्यार ने सरकार को फ्रेंचाइजी रूट की तरफ बढ़ने के लिए अग्रसर कर दिया है।

सबसे पहले दिल्ली में खुलेंगे 50 स्टोर्स

भारत ब्रांड की ये फ्रेंचाइजी कस्टमर को सस्ती दरों पर खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराएंगी। सबसे पहले दिल्ली में इसके 50 स्टोर खोलने की तैयारी है। इस स्टोर्स का प्रबंधन सरकार नहीं करना चाहती। इसके लिए उपयुक्त लोगों की तलाश की जा रही है। पिछले महीने दिल्ली के राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर भारत ब्रांड के पहले दो स्टोर खोले गए थे। इनमें लोगों की भीड़ से सरकार उत्साहित है।

मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु में मेट्रो स्टेशनों पर खुलेंगे

भारत ब्रांड के ये स्टोर नेशनल कोआपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तहत आते हैं। एनसीसीएफ सरकार की तरफ से खाद्यान्न, दालों, मसाले, तेल, प्याज समेत अन्य उपभोक्ता उत्पादों की खरीद एवं बिक्री करती है। इन उत्पादों की बिक्री सस्ते रेट पर की जाती है। दिसंबर में अनुमान जताया गया था कि दिल्ली में अगर यह प्रोजेक्ट सफल होता है तो ऐसे ही स्टोर्स मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु में भी खोले जा सकते हैं। इन सभी शहरों में मेट्रो ट्रेन का नेटवर्क उपलब्ध है।

भारत ब्रांड फ्रेंचाइजी से पैदा होंगे रोजगार

सरकार का प्लान है कि मेट्रो स्टेशनों पर रेडियो और घोषणाओं के जरिए भारत ब्रांड को लेकर लोगों की जागरूकता बढ़ाई जाएगी।

साथ ही डिजिटल मोड से भुगतान करने वालों को विशेष छूट भी दी जाएगी। ऐसे स्टोर्स की मदद से सरकार ज्यादा से ज्यादा लोगों तक अपनी पहुंच बनाना चाहती है। इससे सस्ते दाम पर खाद्यान्न को लोगों को पहुंचाया जा सकेगा। भारत ब्रांड फ्रेंचाइजी से महंगाई से जूझ रहे लोगों की मदद हो जाएगी। साथ ही नए रोजगार भी पैदा किए जा सकेंगे।

शिक्षकों के तौर पर काम करने वाली नन और पादरी आयकर छूट के हकदार हैं या नहीं, सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय एक महत्वपूर्ण कानूनी सवाल पर विचार करने के लिए सहमत हो गया है। सरकारी सहायता प्राप्त ईसाई मिशनरी स्कूलों में शिक्षक के तौर पर काम करने वाली नन और पादरी आयकर छूट के हकदार हैं या नहीं, इस पर विचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सहमति दे दी है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गुरुवार को वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार के इस कथन पर संज्ञान लिया है कि इस मुद्दे पर तमिलनाडु और केरल के कई धर्मप्रांतों और मंडलियों की याचिका पर तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है। पीठ उस याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार करने पर सहमत हो गई, जिसमें यह मुद्दा उठाया गया था कि क्या शिक्षकों के रूप में काम करने वाली नन और पादरियों की आय पर आयकर लगाया जा सकता है। दिसंबर 2014 में आयकर विभाग ने शिक्षा अधिकारियों से शिक्षकों के तौर पर काम कर रहे लोगों के आय के स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) लगाने को कहा था।

तमिलनाडु और केरल के लगभग 100 धर्मप्रांतों और मंडलियों द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर उच्च न्यायालयों के सहमत नहीं होने के बाद शीर्ष अदालत में अपील दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि ननों और पादरियों की आय उस मंडली की आय बन जाती है जो स्कूल को चलाती है और ये शिक्षक व्यक्तिगत रूप से वेतन के रूप में भुगतान की गई राशि प्राप्त नहीं करते हैं। मद्रास और केरल के उच्च न्यायालयों ने आयकर छूट की याचिकाओं को खारिज कर दिया। याचिकाओं में कहा गया है कि सरकारी सहायता प्राप्त मिशनरी स्कूलों को 1944 से तब तक आईटी छूट मिलती रही जब तक केंद्र सरकार ने 2014 में आय स्रोत पर कर कटौती लागू करने का फैसला नहीं किया।

'2042 तक भारत को 2500 नए विमानों की जरूरत होगी'

बोइंग ने एविएशन सेक्टर के बारे में की ये भविष्यवाणी

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। हवाई यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए भारत को 2042 तक 2500 नए विमानों की जरूरत होगी। ये बातें बोइंग के कमर्शियल मार्केटिंग सेगमेंट के उपाध्यक्ष डैरेन हल्स्ट ने शुक्रवार को हैदराबाद में कही। हल्स्ट ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हवाई यात्रियों और कार्गो की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, भारत को अगले दो दशकों में अपने बेड़े के आकार को चार गुना करना पड़ेगा। ऐसे में भारतीय विमानन कंपनियों को अपने बेड़े को पूरा करने के लिए 2,705 से अधिक नए विमानों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, 2042 तक इनमें से 92 प्रतिशत से अधिक (2,705 विमानों की जरूरत होगी) या 2,500 से अधिक विमानों की जरूरत होगी।

यह पिछले साल के मध्य में दिए गए पूर्वानुमान पर आधारित है।उन्होंने कहा, हमारा अनुमान है कि यहां भारत सहित दक्षिण एशिया की विमानन कंपनियों को वर्ष 2042 तक 2,700 से अधिक विमानों की आपूर्ति की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, विमानों के इस बेड़े में 2,300 से अधिक सिंगल बॉडी वाले जबकि लगभग 400 चौड़ी बॉडी वाले विमानों की जरूरत होगी। बोइंग के अनुसार, भारत एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था और एशिया का एक बड़ा बाजार है जो एविएशन क्षेत्र की मांग के मामले में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोरोना के पहले के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा है। यह दर्शाता है कि भारतीय बाजार में हवाई यात्रा कितनी महत्वपूर्ण है। यह इस बात का भी प्रमाण है कि भारतीय अर्थव्यस्था के बढ़ने में बढ़ते हवाई यात्रियों की संख्या भी योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि अगले 20 वर्षों में भारत के कार्गो बेड़े में 80 विमान होंगे, वर्तमान में मालवाहक विमानों की संख्या महज 15 है। इस बेड़े के विस्तार की पर्याप्त संभावना है।

गूगल में एक बार फिर हो सकती है कर्मचारियों की छंटनी, सीईओ सुंदर पिचाई ने कर्मियों को किया अलर्ट

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी गूगल ने बड़ा एलान किया है। गूगल के सीईओ ने अपने कर्मचारियों से कहा कि आप इस साल और अधिक छंटनी के लिए तैयार रहें। बता दें, यह पहली बार नहीं है जब गूगल अपने कर्मियों को निकालने के लिए कह रहा है। कंपनी पहले भी कई बार अपने कर्मियों को निकाल चुका है।

आंतरिक मेल से कर्मचारियों को दी गई जानकारी

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के एक आंतरिक मेल में कहा गया है कि गूगल विभिन्न विभागों में अभी हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल सकता है। मेल के माध्यम से पिचाई ने कर्मचारियों से कहा कि कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य हैं, जिनके लिए इस प्राथमिकताओं के आधार पर निवेश किया जाएगा। निवेश की यह क्षमता हासिल करने के लिए कंपनी को कठोर विकल्प चुनने होंगे। हालांकि, पिचाई का कहना है कि यह कटौती हर टीम को प्रभावित नहीं करेगी। पिचाई ने कहा कि वे जानते हैं कि कुछ सहकर्मियों और टीमों पर इसका असर देखना सबके लिए मुश्किल होगा। लेकिन, छंटनी को सरल बनाने और कुछ क्षेत्रों में गति बढ़ाने के लिए अतिरिक्त भार घटाना ही होगा। इनमें से कई बदलावों की घोषणा की जा चुकी है।

पिछली जनवरी में ही 12 हजार कर्मचारियों की हो गई थी छुट्टी

इससे पहले सितंबर 2023 में गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ने कर्मचारियों की छंटनी की थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने सैकड़ों कर्मचारियों को निकाल दिया था।

पिछले साल भी जनवरी में ही अल्फाबेट ने 12,000 लोगों को नौकरी से निकाल दिया था। इस फैसले के कारण अल्फाबेट के कर्मिचारियों के आकंड़ों में छह प्रतिशत की गिरवाट दर्ज की गई थी। एक प्रतिष्ठित मीडिया रिपोर्ट की मानें तो गूगल 2024 की शुरुआत में ही करीब 1000 लोगों को बर्खास्त कर चुकी है।

तीन दिनों के गिरावट के बाद एफएमसीजी- मिडकैप शेयरों के दम पर शेयर बाजार में लौटी रौनक

निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये का उछाल

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बीते तीन की गिरावट के बाद शुक्रवार के कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार में जोरदार रौनक देखने को मिली। एफएमसीजी, आईटी और एनर्जी स्टॉक्स में खरीदारी के चलते शेयर बाजार में तेजी रही। मिड कैप स्मॉल कैप स्टॉक्स में खरीदारी ने भी बाजार में जोश भर दिया। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 497 अंकों के उछाल के साथ 71,683 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 160 अंकों की उछाल के साथ 21,622 अंकों पर बंद हुआ है। शेयर बाजार में तेजी की बदौलत बीएसई के मार्केट कैप में बड़ी उछाल देखने को मिली है। आज बाजार बंद होने पर बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 373.65 लाख रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले सत्र में 369.75 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में करीब 4 लाख करोड़ रुपये का इजाफा देखने को मिला है। आज के कारोबार में मिड कैप और स्मॉल कैप में खरीदारी के चलते बाजार में तेजी देखने को मिली है निफ्टी का मिड कैप इंडेक्स 716 अंकों की उछाल के साथ 47,815 और स्मॉल कैप इंडेक्स 167 अंकों की उछाल के साथ 15,487 अंकों पर बंद हुआ है। इसके अलावा आज के ट्रेड में ऑटो, आईटी फार्मा एफएमसीजी, मेटल्स, एनर्जी इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। केवल बैंकिंग और मीडिया स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 23 शेयर तेजी के साथ और 7 गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 42 शेयर तेजी के साथ 8 गिरकर बंद हुए।

सेबी प्रमुख ने आईपीओ निवेशकों को किया सावधान

बोलीं- ओवर सब्सक्रिप्शन दिखाने के लिए हो रही गड़बड़ी

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)।भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी पुरी बुच ने शुक्रवार को बताया कि तीन आईपीओ में ओवर सब्सक्रिप्शन से जुड़ी गड़बड़ियां मिली हैं। नियामक ने पाया है कि तीन मर्चेंट बैंकर आईपीओ के दौरान सब्सक्रिप्शन को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे हैं। सेबी प्रमुख ने इन मर्चेंट बैंकर्स के खिलाफ कार्रवाई का भी वादा किया है। एआईबीआई यानी एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट बैंकर्स ऑफ इंडिया के कार्यक्रम में सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच ने कहा कि आईपीओ में निवेशकों से ज्यादा ट्रेडर्स आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि फर्जी खातों का इस्तेमाल आईपीओ के ओवर-सब्सक्रिप्शन दिखाने में किया जा रहा है। सेबी प्रमुख ने कहा कि सेबी के पास ऐसे खातों के बारे में आंकड़े और सबूत हैं, जिनमें किसी निर्दोष व्यक्ति के परिचय पत्र का इस्तेमाल ऐसे लोगों की ओर से किया जा रहा है जो शेयरों की कीमत बढ़ाने के लिए अपने परिचय का खुलासा नहीं करना चाहते। बुच ने कहा कि आईपीओ में आवेदन संख्या को भी बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा रहा है ताकि ग्राहकों को ऊंचे सब्सक्रिप्शन का आभास हो सके। हमारे पास ऐसे मामलों के डेटा और सबूत हैं। हम मार्चेंट बैंकर्स के काम-काज करने के तरीकों को भी समझ रहे हैं। इस तरह की गड़बड़ियां बार-बार सामने आ रही हैं इसलिए निवेशकों के हित में हमें नीति की समीक्षा शुरू कर दी है। इसके साथ ही प्रवर्तन कार्रवाई शुरू करनी होगी। सेबी प्रमुख ने कहा कि खुदरा निवेशकों को आईपीओ के बाद सेकंडरी मार्केट में निवेश करना चाहिए। आईपीओ के दौरान कीमतें सटीक नहीं होतीं। बड़ी संख्या में निवेशक आईपीओ की लिस्टिंग के बाद ही शेयर बेचकर निकल जाते हैं। आंकड़ों के अनुसार आइपीओ की लिस्टिंग के एक हफ्ते के भीतर 43% खुदरा निवेशक शेयर बेचकर निकल जाते हैं। तक कि 68% एचएनआई यानी हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स लिस्टिंग के एक हफ्ते के भीतर शेयर बेचकर निकल जाते हैं।

'रोजगार, समृद्धि व शांति के लिए निरंतर विकास जरूरी'

डब्ल्यूईएफ में बोले विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने विश्व आर्थिक मंच को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने वैश्विक परिदृश्य को आकार देने में आर्थिक विकास की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। बंगा ने जोर देकर कहा कि रोजगार सृजन, समृद्धि को बढ़ावा देने और शांति बनाए रखने के लिए निरंतर विकास जरूरी हैं। डब्ल्यूईएफ 24 सत्र में अपने मुख्य भाषण के दौरान, बंगा ने कहा, वास्तविकता यह है कि हम 30 वर्षों में सबसे कम विकास दर हासिल करने वाले दशक के पहले हिस्से की ओर बढ़ रहे हैं। विकास के बिना, आपके पास रोजगार नहीं होगी, आपके पास समृद्धि नहीं होगी, और अक्सर ऐसा होता है कि विकास के बिना, आपके पास शांति भी नहीं होती है। इसलिए मुझे लगता है कि निकट और मध्यम दोनों अवधि में विकास हमारी चुनौतियों के मूल में है। अपने संबोधन के दौरान बंगा ने निकट और मध्यम अवधि में वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने आने वाली बहुमुखी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ते ऋण को उन्होंने एक प्रमुख चिंता बताते हुए कहा कि इसमें विदेशी और घरेलू दोनों ऋण शामिल हैं।

बंगा ने कहा, उभरती अर्थव्यवस्था में ऋण चिंता का बड़ा कारण है। चिंता का कारण सिर्फ विदेशी ऋण नहीं है; बल्कि घरेलू ऋण भी है, जिसे कम ब्याज दर पर लिया गया है। उन्होंने कहा, स्थितिजन्य भू-राजनीतिक चुनौतियां हैं, व्यापारिक तनाव है और मुझे लगता है कि किसी को छूट नहीं देनी चाहिए। यदि चीन की अर्थव्यवस्था आगे धीमी हो जाती है, तो यह हमारी वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों पर असर डालेगा। उन्होंने स्वीकार किया कि ये चिंताएं सकारात्मक विकास के बावजूद बनी हुईं हैं, हालांकि विश्व अर्थव्यवस्था ने पिछले वर्ष में अनुमान से बेहतर प्रदर्शन किया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मकर	में
चंद्र-	मेष	में
मंगल	धनु	में
बुध-	धनु	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	धनु	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
मकर..	06-33	बजे
कुंभ....	08-23	बजे
मीन ..	10-01	बजे
मेष--	11-37	बजे
वृष--	13-22	बजे
मिथुन..	15-22	बजे
कर्क....	17-34	बजे
सिंह....	19-47	बजे
कन्या..	21-53	बजे
तुला.....	23-58	बजे
वृश्चिक	01-09	बजे
धनु.....	04-26	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-53 सूर्यास्त. - 18-00
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी - 19 -26 - तक उपरान्त एकादशी
मास - पौष शुक्ल पक्ष , शनिवार 20 January
नक्षत्र - कृत्तिका - 03 - 09 - तक उपरान्त रोहिणी
योग - शुभ - 11 - 05 - तक उप शुक्ल
करण- तैतिल - 07 -36 - तक उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - जिनानंद सागर पुण्य

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:39 से 11:03 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:53 - 08:15	अशुभ	लाभ	18:00 - 19:39	शुभ
शुभ	08:15 - 09:39	शुभ	उत्पात	19:39 - 21:15	अशुभ
रोग	09:39 - 11:03	अशुभ	शुभ	21:15 - 22:51	शुभ
उत्पात	11:03 - 12:27	अशुभ	अमृत	22:51 - 24:27	शुभ
चंचल	12:27 - 13:51	शुभ	चंचल	24:27 - 02:03	शुभ
लाभ	13:51 - 15:15	शुभ	रोग.	02:03 - 03:39	अशुभ
अमृत	15:15 - 16:39	शुभ	काल.	03:39 - 05:15	अशुभ
काल	16:39 - 18:00	अशुभ	लाभ.	05:15 - 06:53	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, आज आप एक बुद्धिमान निर्णय लेंगे । सलाह आपका उचित मार्गदर्शन करेंगी , तो आज छोटे लाभ से संतुष्ट रहे । शेयर बाज़ार में लगे लोग आज बड़े शेयरों के निवेश से बचे । अपने भीतर की आवाज सुनकर अपने अंतर्ज्ञान से काम करे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे ।आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी। आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप जो चाहते हैं , वो सब कुछ हासिल करने की आप में शक्ति है! दूसरे आप के बारे में क्या सोचते है , इस तरफ ध्यान न दे । वे लोग इस तरह का दिखावा कर सकते है , की जिससे से आप को नीचा देखना पड़े पर अंदर से वे जानते है की आप में अपार प्रतिभा है । अपने आत्म विश्वास का आनंद लें क्यों की आपका खेल खेलने से पहले ही जितना तय है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप अपने वित्त के संबंध में दुविधा की स्थिति में रहेंगे । विरोधाभासी ग्रहों के प्रभाव की वजह से अलग अलग दिशाओं में आपका अंतर्मन भागेगा । आप महंगी खरीदारी के बारे में सोचेंगे , लेकिन आखिरी समय में अंतिम निर्णय लेने में आपको मुश्किल हो सकती है। इस तरह की दुविधा आपके निवेश में भी प्रतिबिंबित होगी । यह आप के आस पास के लोगों को भी प्रभावित और असहज करेगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज सावधान रहें । आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा । आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी ।आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा ताकि ये आपके कैरियर के अवसरों में आने वाले समय में वृद्धि कर सके ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है , इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है , दिखानी होगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपके लिए एक भाग्यशाली दिन है। आप किसी भी बैठक या बातचीत में शीर्ष पर रहेंगे। आप बहुत आसानी से किसी भी घुमावदार स्थिति से बाहर आ जाएंगे । आपके प्रयासों की सराहना की जाएगी। अगर आप एक संपत्ति में आज निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको एक अच्छा सौदा मिल सकता है। सावधानी से दस्तावेजों को पढ़ने के बाद ही अपने हस्ताक्षर करे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है , पर ये भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन करे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज के दिन जो लोग सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करते है उन्हें आगे बढ़ने के अच्छे अवसर एवं पदोन्नति मिल सकती है । अगर आपने सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरी के लिए आवेदन किया हुआ है तो आपको शुभ सन्देश मिल सकता है । ये समय किसी दूसरी नौकरी जैसे की प्रशासनिक कार्यो के आवेदन के लिए भी अछा है अगर आप अपनी वर्तमान नौकरी से खुश नहीं है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है। बस आप अपनी वस्तु को सरंक्षित कर के रखे और आप आसानी से विषम स्थिति से बाहर आ जायेंगे ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अकबर ने सोमनाथ मंदिर में पूजा की करवाई थी व्यवस्था

रखरखाव के लिए अधिकारियों को किया था नियुक्त

सोमनाथ मंदिर पर पैसा खर्च करने को आतुर मुख्यमंत्रियों को राजेंद्र प्रसाद ने लगाई थी फटकार

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन करेंगे। तिहत्तर साल पहले भारत के राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने भी एक भव्य समारोह में शामिल होकर एक मंदिर का उद्घाटन किया था। हालांकि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसका (राष्ट्रपति के कार्यक्रम में शामिल होने का) विरोध किया था। उनका मानना था कि सरकार को एक धार्मिक आयोजन से नहीं जुड़ना चाहिए।

यह कहानी अब आम है कि प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पर आपत्ति जताई थी। लेकिन नेहरू ने इसके लिए जो कारण बताए थे, उस पर बहुत कम बात हुई है। सोमनाथ मंदिर को अंग्रेजों ने जिस तरह मुसलमानों द्वारा हिंदुओं के उत्पीड़न का प्रतीक बताया गया, उसे भी नजरअंदाज कर दिया जाता है।

अकबर ने सोमनाथ मंदिर में लिंग की पूजा की दी थी अनुमति

गुजरात में सोमनाथ एक महत्वपूर्ण हिंदू तीर्थ स्थल है। मंदिर की वेबसाइट के अनुसार, यह "प्रथम आदि ज्योतिर्लिंग श्री सोमनाथ महादेव का पवित्र स्थान और वह पवित्र मिट्टी है जहां भगवान श्री कृष्ण ने अपनी अंतिम यात्रा की थी।"

अधिकांश ऐतिहासिक वृत्तांतों के अनुसार, मंदिर को हमलावरों के कई हमलों का सामना करना पड़ा। मंदिर को सबसे अधिक नुकसान 1026 ईस्वी में महमूद गजनवी द्वारा पहुंचाया गया।

हालांकि यह भी सही है कि सभी मुस्लिम शासकों ने सोमनाथ मंदिर को नुकसान नहीं पहुंचाया। इतिहासकार रोमिला थापर ने अपनी पुस्तक सोमनाथः द मेनी वॉयस ऑफ हिस्ट्री में लिखा है कि "सोलहवीं शताब्दी में अकबर ने सोमनाथ मंदिर में लिंग की पूजा की अनुमति दी और इसके प्रशासन के लिए देसाई/अधिकारियों को नियुक्त किया।"

औरंगजेब ने सोमनाथ मंदिर को मस्जिद में बदलने का दिया था आदेश

अकबर के तीन पीढ़ी बाद औरंगजेब ने मंदिर को तोड़ने का आदेश दिया। थापर लिखती हैं, "अपनी मृत्यु से ठीक पहले साल 1706 में औरंगजेब इसे (सोमनाथ मंदिर) को नष्ट करने और मस्जिद का रूप देने का आदेश जारी किया।"

धीरे-धीरे मंदिर अनुपयोगी और जीर्ण-शीर्ण हो गया। मंदिर की वेबसाइट के अनुसार, 1782 में मराठा रानी अहिल्याबाई होल्कर ने इस स्थान पर एक छोटा मंदिर बनवाया था।

अंग्रेजों ने बताया हिंदुओं पर इस्लाम के अत्याचार का प्रतीक

इस मंदिर को सबसे पहले ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड एलेनबरो ने हिंदुओं पर इस्लाम की ज्यादतियों के प्रतीक के रूप में उजागर किया था। 1842 में ब्रिटिश सेना को अफगानिस्तान में भारी नुकसान हुआ था। अंग्रेजी सेना को काबुल से वापस लौटना पड़ा था। बाद में अंग्रेजों ने जवाबी हमला किया। इस दौरान उन्हें कथित तौर पर महमूद गजनवी द्वारा ले जाया गया सोमनाथ का दरवाजा मिला! अंग्रेज अपने साथ चंदन की लकड़ी से बना वह दरवाजा वापस लाए। उनका दावा था कि वे आक्रमणकारी द्वारा लूटकर ले जाया गया सोमनाथ का मूल द्वार वापस लाए हैं। हालांकि बाद में यह स्पष्ट हो गया कि उस दरवाजे का मंदिर से कोई संबंध नहीं था।

हालांकि यह साबित होने से पहले काबुल से लौटकर अंग्रेजी सेना ने दरवाजा वापस लाने को "अपमान का बदला" कहकर प्रचारित किया था। 16 नवंबर, 1842 को एलेनबरो ने सभी राजकुमारों, प्रमुखों और भारत के लोगों के लिए एक उद्घोषणा जारी किया, जिसमें लिखा थाः "हमारी विजयी सेना अफगानिस्तान से जीत में सोमनाथ के मंदिर का दरवाजा लेकर आई है आठ सौ वर्षों के अपमान का आखिरकार बदला ले लिया गया।"

यह आख्यान लोगों के ज़हन में कायम रहा। जैसे-जैसे आजादी के बाद सांप्रदायिक विभाजन गहराता गया, कई हिंदुओं ने सोमनाथ की बहाली को हिंदू गौरव के लिए आवश्यक परियोजना के रूप में मानना शुरू कर दिया। ऐसे लोगों में सबसे ज्यादा मुखर थे कांग्रेस नेता केएम मुंशी।

आजादी के तीन महीने बाद पटेल ने की थी सोमनाय मंदिर पुनर्निर्माण की घोषणा

आजादी के बाद जूनागढ़ रियासत के नवाब ने पाकिस्तान में शामिल होने का फैसला किया। सोमनाथ इसी रियासत में था। नवाब की अधिकांश प्रजा उनके फैसले का विरोध कर रही थी। विद्रोह के कारण जल्द ही नवाब को भागना पड़ा और 12 नवंबर, 1947 को भारत के तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने जूनागढ़ का दौरा किया। एक विशाल सार्वजनिक सभा में उन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण के निर्णय की घोषणा की।

नेहरू की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसका समर्थन किया था। हालांकि, जब पटेल, मुंशी और अन्य लोगों ने महात्मा गांधी को निर्णय के बारे में बताया, तो उन्होंने सुझाव दिया कि मंदिर को सरकारी पैसों से नहीं बल्कि लोगों से पैसों से बनवाना चाहिए। गांधी के सुझाव से सभी सहमत हुए। मंदिर निर्माण के लिए मुंशी के नेतृत्व में एक ट्रस्ट की स्थापना की गई।

सोमनाथ पर राजेंद्र प्रसाद को नेहरू के पत्र

जब तक मंदिर बनकर तैयार हुआ, पटेल का निधन हो चुका था। मुंशी ने उद्घाटन के लिए प्रसाद से संपर्क किया। ये बात नेहरू को पसंद नहीं आई। उन्होंने प्रसाद को सलाह दी कि वे सोमनाथ मंदिर के भव्य उद्घाटन समारोह में हिस्सा न लें। मार्च 1951 में प्रसाद को लिखे एक पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया, "यह केवल एक मंदिर का दौरा करना नहीं है। दुर्भाग्यजनक रूप से कई मतलब निकाले जाएंगे। व्यक्तिगत रूप से मैं सोचता हूं कि सोमनाथ में विशाल मंदिर बनाने पर जोर देने का यह उचित समय नहीं है। इसे धीरे-धीरे किया जा सकता था और बाद में ज्यादा प्रभावपूर्ण ढंग से किया जा सकता था। फिर भी मैं सोचता हूं कि बेहतर यही होगा कि आप उस समारोह की अध्यक्षता न करें।"

हालांकि, प्रसाद ने नेहरू की सलाह नहीं मानी। उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने में कुछ भी गलत नहीं लगा। एक महीने बाद नेहरू ने उन्हें फिर लिखा, "मेरे प्रिय राजेंद्र बाबू, मैं सोमनाथ मामले को लेकर बहुत चिंतित हूं। जैसा कि मुझे डर था, यह एक राजनीतिक रंग ले रहा हैइसका इस्तेमाल हमारी सरकार की आलोचना के लिए किया जाएगा, हमसे पूछा जाएगा कि हमारी जैसी धर्मनिरपेक्ष सरकार खुद को ऐसे समारोह से कैसे जोड़ सकती है।" जब समाचार पत्रों में सौराष्ट्र सरकार द्वारा समारोह के लिए पांच लाख रुपये का योगदान देने की खबरें आईं, तो प्रसाद ने इसकी आलोचना की। उन्होंने देश की खराब अर्थव्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए लिखा कि "हमने शिक्षा, स्वास्थ्य और कई लाभकारी सेवाओं पर खर्च बंद कर दिया है क्योंकि हम कहते हैं कि हम इसे वहन नहीं कर सकते।" उन्होंने 2 मई, 1951 को मुख्यमंत्रियों को भी लिखा, "यह स्पष्ट रूप से समझा जाना चाहिए कि यह कार्य सरकारी नहीं है और भारत सरकार का इससे कोई लेना-देना नहीं है हमें ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहिए जो हमारे राज्य के धर्मनिरपेक्ष होने के रास्ते में आए।" एक और बात है जिसका नेहरू ने विरोध किया था।

जैसा कि थापर लिखती हैं, "भारतीय राजदूतों के लिए एक पत्र भेजा गया था, जिसमें उनसे उन देशों (जहां वे नियुक्त थे) की प्रमुख नदियों से पानी के कंटेनर इकट्ठा करने और उन्हें सोमनाथ में भेजने के लिए कहा गया था। साथ ही वहां के पहाड़ों की मिट्टी और पेड़ पौधों की टहनियां भी मंगाई गई थी। नेहरू ने विदेश मंत्रालय से इन अनुरोधों को नजरअंदाज करने को कहा।"

श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में लगेगा शबरीधाम के मीठे बेर का भोग

अयोध्या के लिए रवाना हुआ रथ

कोरबा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्रभु श्रीराम ने वनवास के दौरान शिवरीनारायण में माता शबरी के जूठे बेर खाए थे। इसी कारण इस जगह का नाम शबरी धाम से शिवरीनारायण का नाम पड़ा। 22 जनवरी को अयोध्या में बड़े धूमधाम से भगवान श्रीराम का प्राण प्रतिष्ठा किया जा रहा है । जिसके लिए पूरे देश में धूमधाम से तैयारी चल रही है ।इसके लिए छत्तीसगढ़ के यदुवंशियों ने अनूप यादव ,मनोज के नेतृत्व में एक स्पेशल रथ के माध्यम से एक कुंतल मीठे बेर लेकर शबरी के धाम शिवरीनारायण से अयोध्या के लिए रवाना हुआ।

रथ को आकर्षक सजा सावरकर बुधवार को शबरी धाम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्राणप्रतिष्ठा के दिन रामलला को बैर प्रसाद का भोग लगाया जाएगा। इसके लिए शिवरीनारायण, जांजगीर, दीपका कटघोरा मैं नगर भ्रमण कराकर अयोध्या के लिए रवाना किया गया। स्पेशल रथ जैसे ही गेवरा दीपका नगर पहुंचा लोगों ने गाजे बाजे आतिशबाजी के साथ आरती थाल सजाकर पूजा अर्चना की और फिर उसे आगे रवाना किया। गेवरा के शक्तिनगर, राधे कृष्ण मंदिर, दीपेश्वरी मंदिर आजाद चौक प्रगति नगर, समलाई माता मंदिर होते हुए कटघोरा आगे रवाना हुआ।

दीपिका में नगर पालिका अध्यक्ष संतोषी दीवान , मुख्य नगर पालिका अधिकारी लवकेश सिंह पैकरा, समय सभी नगर वासियों ने रथ का स्वागत कर पूजा अर्चना की।

लयह टीम 22 जनवरी को अयोध्या पहुंचेगी। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान यहां भगवान राम को प्रसाद (भोग) शिवनरीनाराण के बेर से किया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष अनूप यादव ने बताया कि एक क्विंटल बेर लेकर विशेष रथ अयोध्या के लिए रवाना हो रहा है। ये स्पेशल बेर शिवरीनारायण सहित आसपास के जंगलों में भगवान राम के भक्त जनों के द्वारा जुटाए गए है। साथ ही छोटा बट वृक्ष शिवरीनारायण धाम में लगा हुआ उसका उसको लेकर ले जा रहे हैं जो अयोध्या धाम में लगाया जाएगा।

अयोध्या में भी बन रहा शबरीमाता का मंदिर

दरअसल अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर परिसर में कई और मंदिर बनाए गए हैं। इन देवी-देवताओं की मूर्तियों में एक मंदिर माता शबरी का भी है। अयोध्या से पहले छत्तीसगढ़ के शिवरीनारायण में शबरी माता मंदिर हैं, जिसके बारे कहा जाता है कि यह देश का पहला शबरी मंदिर है।

अयोध्या में नवनिर्मित भव्य राममंदिर में प्रभु श्रीरामलला विराजमान होंगे। वहां प्रभु के साथ उनकी भक्त माता शबरी का भी मंदिर बनाया जा रहा है। लेकिन ये प्रभु और माता शबरी के एक साथ दुनिया का दूसरा मंदिर होगा।

न्यायिक अधिकारी बनेंगे हाईकोर्ट जज

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने नियुक्ति की सिफारिश की

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने न्यायिक अधिकारी को झारखंड हाईकोर्ट का न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम ने झारखंड हाईकोर्ट में रिक्त पदों को भरने के लिए न्यायिक अधिकारी को हाईकोर्ट जज बनाने की पहल की है। कॉलेजियम में चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और बीआर गवई भी शामिल हैं। झारखंड हाईकोर्ट में जज की नियुक्ति के अलावा कलकत्ता और केरल हाईकोर्ट में भी जजों की नियुक्ति संबंधी सिफारिशें सरकार के पास भेजी गई हैं।

झारखंड के अलावा केरल और कलकत्ता में भी भरे जाएंगे पद

18 जनवरी को पेश प्रस्ताव के मुताबिक कॉलेजियम ने न्यायिक अधिकारी अरुण कुमार राय को झारखंड उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त करने का निर्णय लिया है। शीर्ष अदालत ने कहा, हाईकोर्ट जज की नियुक्ति के संबंध में आगे की कार्रवाई के लिए सरकार से सिफारिश की जाती है। इसके अलावा कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव को झारखंड उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है।

गौरतलब है कि झारखंड के अलावा केरल और कलकत्ता हाईकोर्ट में भी कई जजों के पद खाली हैं। इन पदों को भरने के लिए 18 जनवरी को ही कॉलेजियम ने स्थायी न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए कुछ अतिरिक्त न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश भी की है। 18 जनवरी के प्रस्ताव में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कहा, झारखंड हाईकोर्ट के अलावा कलकत्ता हाईकोर्ट में चार जजों को नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। कॉलेजियम की सिफारिश के मुताबिक जस्टिस अनन्या बंद्योपाध्याय, न्यायमूर्ति राय चट्टोपाध्याय, जस्टिस शंपा दत्त (पॉल) और न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी को कलकत्ता हाईकोर्ट का स्थायी न्यायाधीश बनाया जाए। कॉलेजियम की सिफारिश के मुताबिक न्यायमूर्ति शुभेंदु सामंत को आगामी 18 मई से एक साल के कार्यकाल के लिए अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाए। इसके अलावा पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट की अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति लापिता बनर्जी को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। नियुक्ति संबंधी एक अन्य प्रस्ताव में कॉलेजियम ने कहा कि न्यायमूर्ति शोभा अन्नम्मा ईपेल को केरल उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाए।

ट्रेन से कटकर चार लोगों की मौत

अधिकारी बोले- लापरवाही के कारण गई जान

जमशेदपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के लोगों के लिए कल की रात बड़ी डरावनी रही। यहां के जमशेदपुर में कल शाम एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर चार लोगों की मौत हो गई। इसमें तीन पुरुष और एक महिला शामिल है। टाटानगर जंक्शन के अधीक्षक अभिषेक सिंघल ने बताया कि मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। इन लोगों की मौत का कारण लापरवाही था। ये लोग फुट ओवर ब्रिज का इस्तेमाल न करके पटरियों से रास्ते को पार कर रहे थे। गौरतलब है, बताया जा रहा है कि, चक्रधरपुर रेल मंडल के गम्हरिया और बिरराजपुर रेलवे स्टेशन के बीच ट्रेन संख्या 18478 योगनगरी ऋषिकेश-पुरी कलिंग उत्कल एक्सप्रेस गुजर रही थी। इसी दौरान पोल संख्या 260-20 के पास चारों लोग रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे, तभी ट्रेन की चपेट में आ गए, इससे चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने के बाद रेलवे में हड़कंप मच गया। तत्काल टाटानगर रेलवे स्टेशन से रिलीफ ट्रेन को घटनास्थल पर भेजा गया। टाटानगर रेल पुलिस आदित्यपुर, गम्हरिया और आरआईटी थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

मेडिकल, आरपीएफ, जीआरपी के अधिकारी और कर्मी मौके पर पहुंचे। लाश के क्षत-विक्षत हो जाने के कारण पहचान होने में परेशानी हो रही है। अभिषेक सिंघल ने कहा, 'अभी तक किसी की पहचान नहीं हो पाई है। यह लोग फुट ओवर ब्रिज की बजाय पटरियों से रास्ता पार कर रहे थे।

हजारीबाग के डेली मार्केट में आग

20 दुकानें जलकर खाक, संकरी गली और दुकानों के पास-पास होने से ज्यादा नुकसान

हजारीबाग, 19 जनवरी (एजेंसियां)। हजारीबाग के डेली मार्केट में आग लग गई। शहर के मेन रोड स्थित डेली मार्केट में शुक्रवार की सुबह भीषण आग लगी। जिसमें 20 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गई हैं। इनमें कपड़ा, जूता, पूजा के सामान और दूसरी चीजों की दुकान शामिल हैं।

करीब 5 घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। दमकल की 3 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी थी।आग बुझाने की कोशिश में हजारीबाग पुलिस, फायर ब्रिगेड, डेली मार्केट के दुकान संचालक और स्थानीय लोग शामिल रहे। संकरी गलियां होने के कारण ज्यादा परेशानी हुई। आग से 50 लाख के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। लगभग 4:30 बजे सुबह लोगों की नजर पड़ी कि एक दुकान से धुआं उठ रहा है। जब तक आग बुझाने की कोशिश शुरू होती, तब तक आग ने दूसरी दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते मार्केट ही धधकने लगा। आग कैसे लगी इसका खुलासा नहीं हो पाया है। सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ललित कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। दुकान संचालक और स्थानीय लोगों ने भी पुलिस और फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। फिर सदर एसडीपीओ महेश प्रजापति दल बल के साथ पहुंचे। पहले दो दमकल आग पर काबू पाने के लिए पहुंचे लेकिन दो दमकल के लिए आग पर काबू पाना संभव नहीं हो सका। धीरे-धीरे एक के बाद एक 20 से अधिक दुकानें चपेट में आ गई।

डेली मार्केट में संकरी गली होने के साथ-साथ हर दुकान एक-दूसरे से सटे हुए हैं। जिसके कारण कई दुकानें चपेट में आई हैं। प्रशासन , स्थानीय लोग और फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुटी रही। आग कैसे लगी। कौन-कौन सी दुकान जली हैं यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

186 मदरसे, इनमें 2000 से ज्यादा हिंदू बच्चे

एनसीपीसीआर ने कराया सर्वे, अब स्कूलों में करेंगे शिफ्ट, छात्र बोले- यहां सीख रहे कंप्यूटर-संस्कृत

रायपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के 186 मदरसों में 2000 से ज्यादा हिंदू बच्चे शिक्षा ले रहे हैं। इस बात का खुलासा राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) को भेजे गए आंकड़ों से हुआ है। इसके बाद स्कूल शिक्षा विभाग के अफसर इन बच्चों को स्कूलों में शिफ्ट करने की तैयारी में हैं। अधिकारियों के अनुसार इन बच्चों को क्षमता के अनुसार, उनके घर के पास स्थित स्कूलों में शिफ्ट किया जाएगा और उनको शिक्षा दी जाएगी। इन मदरसों में पढ़ने वाले गई गैर मुस्लिम बच्चों ने बताया कि उन्हें अंग्रेजी और कंप्यूटर के साथ ही संस्कृत भी पढ़ाई जाती है। सबसे पहले जानिए हिंदू बच्चों के मदरसे तक पहुंचने की कहानी।

'सर मेरा नाम शिवम है। मैं और मेरा भाई छह साल से इस मदरसे में पढ़ रहे है। मेरे पिता टाइल्स हमाली का काम करते हैं। मुझे यहां हिंदी, अंग्रेजी, कंप्यूटर के अलावा खेलकूद की शिक्षा दी जाती है। मेरी मां ने मुझे यहां पर प्रवेश दिलवाया था।'

'मेरा नाम शिखा है। मैं दो साल से यहां पढ़ रही हूं। मम्मी ने मुझे यहां एडमिशन दिलवाया है। मदरसे में हिंदी, अंग्रेजी, कंप्यूटर के अलावा संस्कृत भी पढ़ाई जाती है। मेरे अलावा इस मदरसे में 17 हिंदू बच्चे पढ़ रहे है। मदरसे में सब टीचर प्यार करते है, किसी भी तरह की शिकायत नहीं है।

राष्ट्रीय बाल अधिकारी संरक्षण आयोग को भेजी गई जानकारी के अनुसार, सबसे ज्यादा गैर मुस्लिम सरगुजा के मदरसों में पढ़ रहे हैं। वहीं में बस्तर के मदरसे दूसरे और महासमुंद के मदरसे तीसरे नंबर पर हैं। रायपुर के दोंदेखुर्द इलाके में मदरसा चलाने वाली संचालिका ने बताया कि, मई-जून माह में सर्वे किया जाता है। उन बच्चों की शिनाख्त की जाती हे, जो किसी कारणवश स्कूल नहीं जाते। उन बच्चों के परिजनों की समझाने के बाद बच्चों को मदरसा भेजने की नसीहत दी जाती है। उन्होंने बताया कि, जो पैरेंट्स अपने बच्चों को लेकर आते है, उनको प्रवेश दिया जाता है। फिर वो चाहे किसी भी धर्म के हों। शिक्षा के लिए जाति-भेद बच्चों को नहीं सिखाना है।

बजट सत्र में गूंजेंगे कांग्रेस सरकार के घोटाले

रायपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 5 फरवरी से शुरू होकर एक मार्च तक चलेगा। सत्र के दौरान कुल 20 बैठकें होंगी। सत्र की अधिसूचना 4 जनवरी को जारी हुई थी। सत्र की शुरुआत राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के भाषण से होगी। सत्र के लिए अब तक 957 सवाल विधायकों की ओर से लगाए जा चुके हैं। इसमें तारांकित 505 और 452 अतारांकित सवाल लगे हैं। नई सरकार के गठन के बाद विधानसभा का बजट सत्र कई मायनों में महत्वपूर्ण रहेगा। जानकारी के मुताबिक, सत्ता पक्ष के विधायकों ने जो सवाल लगाए जा रहे हैं, उसमें अनियमितता व भ्रष्टाचार से जुड़े सवाल ज्यादा हैं। जबकि विपक्ष के सदस्यों के सवाल विधानसभा क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं और सरकार की घोषणाओं से संबंधित हैं। छत्तीसगढ़ की 90 सदस्यीय विधानसभा में 54 विधायक भाजपा के हैं। वहीं एक विधायक गोंडवाना गणतंत्र पार्टी और शेष 35 विधायक कांग्रेस से हैं। बजट सत्र कई मायनों में इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि 4 दिन सीएम विष्णुदेव साय के विभागों से जुड़े सवालों पर चर्चा होगी।

बीजेपी नेताओं के बीच हाथापाई

कांकेर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर में 2 भाजपा नेताओं के बीच हाथापाई का वीडियो सामने आया है। वायरल वीडियो भानुप्रतापपुर के एक होटल की बताई जा रही है, जहां भाजयुमो के जिलाध्यक्ष राजा पांडे और भाजपा के भानुप्रतापपुर मंडल अध्यक्ष नरोत्तम सिंह चौहान के बीच तीखी बहस और धक्कामुक्की हो गई।

हालांकि जिला संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। दोनों नेताओं ने बहस और धक्कामुक्की की बात स्वीकार की है। वीडियो में साफ नजर आया कि पहले भाजयुमो के जिलाध्यक्ष राजा पांडे और भाजपा के भानुप्रतापपुर मंडल अध्यक्ष नरोत्तम सिंह चौहान के बीच किसी बात को लेकर बहस होती है, फिर दोनों खड़े हो जाते हैं और एक-दूसरे को उंगली दिखाते हुए बात करने लगते हैं। भाजयुमो अध्यक्ष राजा पांडे भाजपा मंडल अध्यक्ष का हाथ मरोड़ते भी नजर आ रहे हैं।

इसके बाद दोनों नेता एक-दूसरे को धक्का देने लगते हैं। वहां मौजूद एक अन्य नेता दोनों के बीच झगड़ा सुलझाते हुए वहां से एक-दूसरे को दूर ले जाते हैं।

पाकिस्तान के समर्थन में बाइडेन

कहा-ईरान किसी को पसंद नहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय बोला- पाक हमारा गैर-नाटो सहयोगी

इस्लामाबाद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान और ईरान में तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ईरान की एयरस्ट्राइक की आलोचना की है। उन्होंने कहा- दोनों देशों के बीच टकराव इस बात का सबूत है कि ईरान को क्षेत्र में पसंद नहीं किया जाता है, चाहे वो जहां भी जाए। हम अभी के हिसाब से काम कर रहे हैं। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका इस मुद्दे पर नजर बनाए हुए है। हम नहीं चाहते की साउथ और सेंट्रल एशिया में तनाव बढ़े। इसके लिए हम पाकिस्तानी अधिकारियों से संपर्क में हैं। पाकिस्तान पर ईरान का हमला यह दिखाता है कि वो क्षेत्र अस्थिरता बढ़ाने का काम कर रहा है।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा- हम नहीं चाहते कि यह तनाव किसी भी तरह से बढ़े। पाकिस्तान हमारे लिए एक बड़ा गैर-नाटो सहयोगी है और हमेशा

रहेगा। हम दोनों पक्षों से शांति की अपील करते हैं।

चीन बोला- हम करा सकते हैं पाक-ईरान के बीच मध्यस्थता

वहीं यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने भी दोनों देशों की तरफ से हुई एयरस्ट्राइक्स पर चिंता जताई। उन्होंने कहा- हम दोनों पक्षों से शांति बनाने की अपील करते हैं। दूसरी तरफ, चीन ने दोनों देशों में मध्यस्थता कराने की पेशकश की है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा- हम उम्मीद करते हैं कि दोनों देश मसला सुलझाने की पूरी कोशिश करेंगे। माओ निंग ने आगे कहा- अगर वे चाहें तो हम इसके लिए पहल करने को तैयार हैं। चीन हमेशा से यह कहता आया है कि दो देशों के बीच तनाव को यूएन के प्रस्तावों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के आधार पर सुलझाया जाना चाहिए। दरअसल, पाकिस्तान और ईरान दोनों ही शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन यानी एससीओ के मेंबर हैं और चीन के करीबी ट्रेडिंग पार्टनर हैं।

16 जनवरी की रात पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ईरान ने मिसाइल और ड्रोन्स से हमला किया था। ईरान ने कहा था कि उसने पाकिस्तान में आतंकी संगठन जैश अल अदल के ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद ईरान के विदेश मंत्री अमीर अब्दोल्लाहियन ने बुधवार को पाकिस्तानी विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी से फोन पर बात की थी। उन्होंने कहा था- यह हमला सिर्फ आंतकी संगठन पर किया गया था। इस पर जिलानी ने कहा था कि किसी भी देश को इस तरह जोखिम वाले रास्ते पर नहीं चलना चाहिए। ईरान के हमले पर पाकिस्तान को जवाबी कार्रवाई का पूरा हक है। इसके बाद पाकिस्तान एयरफोर्स ने 24 घंटे में ईरान पर हवाई हमले किए। पाकिस्तान ने ईरान में चलाए ऑपरेशन को 'मार्ग बार सरमाचर' नाम दिया।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बताया था कि ऑपरेशन के तहत ईरान में बलूच लिबरेशन आर्मी के 7 ठिकानों पर हवाई हमले किए गए। इस दौरान कई आतंकियों को मार गिराया गया। एयरस्ट्राइक ईरान की सीमा में 48 किलोमीटर अंदर घुसकर की गई थी। पाकिस्तान की फौज ने बताया था कि हमले के लिए किलर ड्रोन्स, रॉकेट, गोले बारूद और कई दूसरे हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। ईरान एक शिया बहुल देश है, जबकि पाकिस्तान में करीब 95% लोग सुन्नी हैं। पाकिस्तान के सुन्नी संगठन ईरान का विरोध करते रहे हैं। इसके अलावा बलूचिस्तान का जैश अल अदल आतंकी संगठन ईरान की सीमा में घुसकर कई बार वहां की सेना पर हमले करता रहा है।

महाशीर मछली की तलाश में इंग्लैंड से भारत पहुंचे वैज्ञानिक

50 से 60 किलो होता है अधिकतम वजन

कोरबा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कोरबा के हसदेव नदी के बांगो डूबान क्षेत्र में साफ पानी का शेर कहे जाने वाले महाशीर मछली की तलाश उसके संरक्षण और संवर्धन के लिए इंग्लैंड से वैज्ञानिक पहुंचे हैं। उनके द्वारा बांगो डूबान क्षेत्र के बुका, गोल्डन आइलैंड व उसके आसपास क्षेत्र में पानी में महासीर मछली की तलाश की जा रही हैं. ताकि इसके संरक्षण की दिशा पर पहल की जा सके। हसदेव बांगो डुबान क्षेत्र गोल्डन माहसीर मछली जिसे साफ पानी का शेर कहा जाता है उसकी मौजूदगी पूर्व में पाई गई है। देशभर में इस मछली की प्रजाति को बचाने की दिशा पर लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में इंग्लैंड से वैज्ञानिक डॉ. मार्क एवरार्ड दो दिवसीय प्रवास पर पहुंचे हुए हैं।

ट्रंप ने निक्की हेली की 'पैदाइश' को लेकर उठाए सवाल तो भड़के भारतवंशी सांसद

वॉशिंगटन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदार निक्की हेली की अमेरिकी नागरिकता और उनकी पैदाइश पर सवाल उठाए थे। अब निक्की हेली को भारतीय मूल के डेमोक्रेट सांसद राजा कृष्णमूर्ति का साथ मिला है। राजा कृष्णमूर्ति ने डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा है और आरोप लगाया कि उनके बयान से सभी दक्षिण एशियाई लोगों को दुख पहुंचा है।

भारतीय मूल के सांसद ने ट्रंप की आलोचना की

राजा कृष्णमूर्ति ने कहा 'डोनाल्ड ट्रंप फिर से झूठे और नस्लवादी आरोप लगा रहे हैं और इससे उन्हें कोई हैरानी नहीं हुई है। एक भारतीय अमेरिकी प्रवासी होने के नाते, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, निक्की हेली पर जिस तरह के हमले कर रहे हैं, मैं उनसे वाकिफ हूं। कोई भी रिपब्लिकन जो दक्षिण एशियाई लोगों का समर्थन करने का दावा

करता है, उसे ट्रंप के बयान की आलोचना करनी चाहिए।' राजा कृष्णमूर्ति डेमोक्रेट पार्टी के सांसद हैं और साफ है कि वह निक्की हेली का समर्थन कर दक्षिण एशियाई समुदाय को अपनी पार्टी के पक्ष में लामबंद करने की कोशिश कर रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने निक्की हेली की नागरिकता पर उठाए थे सवाल

डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में निक्की हेली को उनके असली नाम 'निम्रता' लिखकर संबोधित किया। ट्रंप ने लिखा कि 'क्या किसी ने बीती रात निक्की 'निम्रता' के भाषण को सुना। उन्हें लगता है कि वह आयोवा जीत जाएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह तो रोन देसांतिस को भी नहीं हरा पाईं, जिनके पास अब फंड भी नहीं है और उम्मीद भी नहीं है।' साथ ही ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट को रीपोस्ट भी किया, जिसमें दावा किया गया था कि निक्की हेली राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने के योग्य नहीं हैं क्योंकि जिस वक्त निक्की हेली का जन्म हुआ था, उस वक्त तक निक्की के माता-पिता को अमेरिका की नागरिकता नहीं मिली थी।

नॉर्थ कोरिया ने अंडरवॉटर न्यूक्लियर ड्रोन टेस्ट किया

कहा- यह घंटों पानी में रह सकता है, इसका नाम हाइल, कोरियन भाषा में इसका मतलब 'सुनामी'

प्योंगयांग, 19 जनवरी (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया ने एक बार फिर से अंडर वॉटर न्यूक्लियर ड्रोन की टेस्टिंग की है। वहां के सरकारी मीडिया केसीएनए ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। नॉर्थ कोरिया ने अपने इस अंडरवॉटर न्यूक्लियर ड्रोन को हाइल-5-23 नाम दिया है।

कोरियन भाषा में हाइल का मतलब सुनामी होता है। ये ड्रोन समुद्र में दुश्मन पर चुपचाप हमला करने में माहिर है। केसीएनए के मुताबिक यह टेस्टिंग अमेरिका, साउथ कोरिया और जापान की हाल में हुई जॉइंट मिलिट्री ड्रिल के जवाब में की गई है। उन्होंने इस ड्रिल से हमारे देश को खतरे में डाला है। ऐसी ड्रिल हमारा देश अस्थिर करने की कोशिश है।

नॉर्थ कोरिया पहले भी हाइल ड्रोन की टेस्टिंग कर चुका है। इस ड्रोन के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है पर नॉर्थ कोरियाई मीडिया का कहना है कि यह घंटों पानी में रह सकता है और बड़ा धमाका करने में सक्षम है।

पिछले साल हुई थी हाइल-2 की टेस्टिंग

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक नॉर्थ कोरिया ने 7 अप्रैल 2023 को अंडरवॉटर न्यूक्लियर ड्रोन हाइल-2 की टेस्टिंग की थी। ये टारगेट पर अटैक करने से पहले 71 घंटों तक पानी में रहा था। उस वक्त भी नॉर्थ कोरिया ने अमेरिका, जापान के युद्ध अभ्यास को जिम्मेदार ठहराया था।

नॉर्थ कोरिया ने कहा था- दोनों देशों ने लगातार जॉइंट मिलिट्री ड्रिल्स कर स्थिति को परमाणु युद्ध की कगार पर ला दिया है। तानाशाह किम जोंग ने ड्रिल्स के बदले आक्रामक कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी थी। नॉर्थ कोरिया ने अपने पहले अंडरवॉटर न्यूक्लियर ड्रोन का सफल परीक्षण 21 से 23 मार्च 2023 के बीच किया था। केसीएनए ने बताया था कि मिलिट्री के इस न्यूक्लियर ड्रोन में रेडियो एक्टिव सुनामी लाने की क्षमता है। ये दूसरे देशों के पोर्ट्स, यानी बंदरगाहों को भी आसानी से तबाह कर सकता है।

न्यूक्लियर ड्रोन की टेस्टिंग को खुद नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने मॉनिटर किया था। न्यूक्लियर ड्रोन को फायर करने से पहले उसे साउथ हमयोंग प्रोविंस के पास समुद्र में 260 से 490 फीट नीचे 59 घंटे और 12 मिनट तक रखा गया था।

400 टॉमहॉक मिसाइल खरीदने के लिए जापान ने अमेरिका से किया सौदा

टोक्यो, 19 जनवरी (एजेंसियां)। जापान ने गुरुवार को अमेरिका के साथ 400 भूमि-आधारित टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों को खरीदने के लिए करार किया है। दोनों देशों ने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिकी विदेश सैन्य ब्रिक्री कार्यक्रम के तहत हुए सौदे के अनुसार, अमेरिका मिसाइलों सहित अन्य उपकरण खरीदने के लिए 1.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करेगा। जापान में पदस्थ अमेरिकी राजदूत रहम एमानुएल ने बताया कि अमेरिकी सेनाएं जापान के आत्मरक्षा बलों को टॉमहॉक्स का इस्तेमाल करने के लिए मार्च से प्रशिक्षण देना शुरू कर देंगी। जापानी मीडिया के अनुसार, मिसाइलों की मारक क्षमता 1600 किलोमीटर है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जापान अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। चीन की सैन्य वृद्धि और उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु और मिसाइल हमलों के बीच जापान खुद की सुरक्षा पुख्ता कर रहा है।

700 कारें, 4000 करोड़ का महल

दुनिया का सबसे अमीर परिवार, अंबानी और अडानी से भी ज्यादा है संपत्ति

दुबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का परिवार 2023 में दुनिया का सबसे अमीर परिवार बन गया है। इस परिवार की कुल सपंत्ति के सामने दुनिया के बड़े-बड़े अमीर कहीं नहीं ठहरते हैं। इस परिवार की अमीरी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कसर अल-वतन नाम के जिस राष्ट्रपति महल में ये फैमिली रहती है, वो जो पेंटागन के आकार का तीन गुना ज्यादा बड़ा है। इस परिवार की कुल दौलत भारत के दो सबसे बड़े कारोबारी मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की कुल संपत्ति से भी अधिक है। जीक्यू की रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान इस परिवार के मुखिया हैं। उनके 18 भाई और 11 बहनें हैं। अल नाहयान के नौ बच्चे और 18 पोते-पोतियां भी हैं। अल नाहयान शाही परिवार के पास 305 बिलियन डॉलर (25,38,667

करोड़ रुपये) की संपत्ति है। वॉलमार्ट आईएनसी को पीछे छोड़ते हुए 2023 में अल नाहयान दुनिया का सबसे अमीर परिवार बन गया है। इस परिवार के पास दुनिया के लगभग छह प्रतिशत तेल भंडार, मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल क्लब और कई प्रसिद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी है। इन कंपनियों में गायिका रिहाना के सौंदर्य ब्रांड फेंटी से लेकर एलोन मस्क के स्पेस एक्स तक शामिल हैं। मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के छोटे भाई शेख हमद बिन हमदान अल नाहयान के पास 700 से ज्यादा कारों का कलेक्शन है, इनमें दुनिया की सबसे बड़ी एसयूवी के साथ पांच बुगाटी वेरॉन, एक लेम्बोर्गिनी रेवेंटन, एक मर्सिडीज-बेंज सीएलके जीटीआर, एक फेरारी 599XX और एक मैकलेरन एमसी12 शामिल हैं। राष्ट्रपति के भाई तहनून बिन जायद अल नाहयान परिवार की मुख्य निवेश कंपनी के प्रमुख हैं, जिसका मूल्य पिछले पांच सालों में करीब 28,000 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी की इस समय वेल्यू 235 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। कंपनी कृषि, ऊर्जा, मनोरंजन और समुद्री व्यवसायों से जुड़ी है, जिसमें हजारों की संख्या में लोग काम करते हैं। यह परिवार अबू धाबी में कसर अल-वतन राष्ट्रपति महल में रहता है, जिसमें सोने से काफी काम हुआ है। ये संयुक्त अरब अमीरात में मौजूद ऐसे कई महलों में से सबसे बड़ा है। 94 एकड़ में फैले इस बड़े गुंबद वाले महल में 3,50,000 क्रिस्टल से बना एक झूमर और कई बेशकीमती ऐतिहासिक कलाकृतियां हैं। शाही परिवार के पास पेरिस और लंदन सहित दुनिया के कई बड़े शहरों में महंगी संपत्तियां हैं।

परिवार के पूर्व मुखिया को तो ब्रिटेन के सबसे पॉश इलाकों में उनकी कई संपत्तियां होने की वजह से 'लैंडलॉर्ड ऑफ लंदन' तक कहा जाता था। 2015 में आई न्यूयॉर्कर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई के शाही परिवार के पास ब्रिटिश शाही परिवार के ही बराबर संपत्ति है।

भारतवंशी मंत्री पर भ्रष्टाचार के 27 मामले

इस्तीफा दिया, कारोबारी के पैसों से प्राइवेट जेट में घूमे, ब्रिटेन में फुटबॉल मैच देखे

सिंगापुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सिंगापुर में भारतीय मूल के मंत्री ईश्वरन ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया है। उन पर भ्रष्टाचार के 27 मामले दर्ज किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईश्वरन ने सिंगापुर के एक बड़े कारोबारी की मदद करने के बदले उससे रिश्वत ली। ईश्वरन उसके प्राइवेट जेट में घूमे, ब्रिटेन में फुटबॉल मैच देखने गए।

हालांकि, ईश्वरन ने आरोपों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने गुरुवार को प्रधानमंत्री ली सीन लूंग को एक खत भेजा। इसमें लिखा था- 'मैं आरोपों को खारिज करता हूं, मैं निर्दोष हूं।'

ईश्वरन ने अपने पिछले साल के वेतन लौटाने की भी पेशकश की है। दरअसल, पिछले साल

गिरफ्तारी के बाद प्रधानमंत्री ने उन्हें छुट्टी पर भेज दिया था। इसके बाद भी उन्हें वेतन मिल रहा था।

कारोबारी ने ईश्वरन पर 97 खर्चे

ईश्वरन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से न सिर्फ उनकी पीपल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) की छवि खराब हुई है, बल्कि सिंगापुर के भ्रष्टाचार मुक्त होने की पहचान को भी झटका लगा है। दरअसल, सिंगापुर दुनिया का 5वां देश है जहां भ्रष्टाचार सबसे कम है।

बीबीसी के मुताबिक ईश्वरन पर लगे सभी आरोपों में सिंगापुर के रियल एस्टेट कारोबारी ऑन्ग बेंग सेंग का नाम जुड़ा है। सेंग ने मदद के बदले ईश्वरन पर 1 लाख 60 सिंगापुरी डॉलर, यानी 97 लाख रुपए खर्च किए। इनमें म्यूजिक शो, फुटबॉल दिखाना, आलीशान होटलों में ठहरना शामिल है।

सुब्रमण्यम ईश्वरन को बीते साल ऑन्ग बेंग के साथ ही गिरफ्तार किया गया था। ईश्वरन को उस समय सिंगापुर के पर्यटन उद्योग को संभालने के लिए जाना जाता है जब कार रेसिंग इवेंट-फॉर्मूला वन ग्रैंड प्रिक्स ने यहां अपनी शानदार शुरुआत की थी।

दुनिया में सबसे अधिक वेतन पाते हैं सिंगापुर के सांसद

बीबीसी के मुताबिक सिंगापुर के सांसद दुनिया में सबसे अधिक वेतन पाने वालों में शामिल हैं। यहां मंत्रियों की शुरुआती वेतन 45 हजार सिंगापुरी डॉलर होता है। सिंगापुर के नेता ज्यादा वेतन का ये कहकर बचाव करते हैं कि इससे भ्रष्टाचार कम करने में मदद मिलेगी। सिंगापुर में आखिरी बार 986 में किसी मंत्री ने भ्रष्टाचार के केस में जांच का सामना किया था। उस समय राष्ट्रीय विकास मंत्री तेह चियांग वान के खिलाफ घूस लेने के जांच हुई थी। हालांकि, आरोप तय होने से पहले ही उन्होंने आत्महत्या कर ली थी।

सिंगापुर में अगले साल यानी 2025 में आम चुनाव होने हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ईश्वरन के भ्रष्टाचार का खामियाजा उनकी पार्टी को उठाना पड़ सकता है। चुनाव से पहले प्रधानमंत्री ली सीन लूंग पार्टी के नेता के पद से हटने वाले थे। पार्टी में बड़े बदलाव के तहत पुराने लोगों की जगह नए और युवा नेताओं को जगह मिलने वाली थी। इसमें ईश्वरन भी शामिल थे। हालांकि, अब जब तक उन पर मुकदमा चलेगा, उनका पार्टी में अहम पद पर हो पाना मुश्किल है।

हवा में उड़ सकते हैं सांप!

थाईलैंड में उड़ते प्लेन में अचानक मिला सांप, यात्रियों को आ गए पसीने

बैंकॉक, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्लेन में यात्रा के दौरान अगर कोई सांप आ जाए तो आप क्या करेंगे? आप सोच रहे होंगे कि भला प्लेन में सांप कहां से आ सकता है। लेकिन ऐसा ही कुछ मामला देखने को मिला है। पिछले वीकेंड बैंकॉक से फुकेत जा रही थाई एयरएशिया की उड़ान में यात्रियों के ऊपर ओवरहेड बिन पर एक सांप रेंगता हुआ दिखाई दिया था। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया जा रहा है। जब विमान हवा में था तभी यह सांप दिखाई दिया, जिसने सभी यात्रियों की सांसें रोक दी। शनिवार दोपहर एयरएशिया एयबस ए320 के अंदर एक लाइट के पास 2 फीट लंबा सांप देखा गया। सांप के ठीक नीचे बैठे यात्री डर के मारे पीछे हट गए और अपनी सीटों से उछलकर गलियारे में खड़े हो गए। वहीं, दूसरे यात्रियों को तुरंत वीडियो बनाने का मौका मिल गया। एयर एशिया के केबिन क्रू ने

इस मौके पर स्थिति को संभाला। केबिन क्रू का एक मेंबर सांप के पास पहुंचा और उसे प्लास्टिक की थैली में डालने के लिए एक खाली प्लास्टिक बोतल का इस्तेमाल किया गया। हालांकि अभी भी यह तय नहीं है सांप जहरीला था या नहीं। फिर भी इसे एक पॉलीथिन में बांध कर एक अलमारी में रखा गया। एक ब्रिटिश पर्यटक ने कहा, 'जब मैंने सांप को देखा तो डर गया। मुझे रेंगने वाले जीव वैसे ही पसंद नहीं है। ऊपर से यह मेरे सिर के ऊपर था। जब वे इसे ले गए तो मुझे बहुत राहत मिली। क्रू मेंबर बेहद शांत और प्रोफेशनल था। हालांकि पूरी यात्रा के दौरान जब भी मेरे शरीर पर कुछ लगता तो मैं हिल जाता था। मुझे लगता था शायद विमान में और भी सांप हैं।'

इस सांप का वीडियो एक महिला ने बनाया था। उन्होंने मजाक में कहा, 'सांप उड़ भी सकते हैं। यह सबकुछ मेरे सिर के ऊपर हुआ। उन्हें विमान में एक सांप मिला। यह तब हुआ जब विमान लैंडिंग के लिए नीचे उतरना शुरू कर रहा था।'

भाजपा नेता की हत्या के बाद पखांजुर की राजनीति ने बदला रुख

कांकेर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। नगर पंचायत पखांजुर के अध्यक्ष पद के ख़िलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया जिसमें एक पार्षद को छोड़, ग्यारह पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव में मतदान किया। गौरतलब है कि नगर पंचायत पखांजुर में कांग्रेस पार्टी के बप्पा गांगुली अध्यक्ष हैं जिसके कार्यप्रणाली से नाराज पार्षदों ने गांगुली को हटाने को लेकर अविश्वास प्रस्ताव रखा था। जिसके बाद से पखांजुर में राजनीति गरमा गई थी और कुर्सी जाने के भय से बप्पा गांगुली अपने समर्थकों समेत भाजपा नेता पूर्व अध्यक्ष असीम राय को गोली मरवा कर हत्या करवा दी गई थी।

संघीय डिजिटल मुद्रा का नहीं होने देंगे निर्माण

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का संकल्प

वॉशिंगटन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। आयोवा कॉकस के मतदान में जीत दर्ज करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थक उत्साहित हैं। अब उनकी निगाहें न्यू हैंपशायर में होने वाले कॉकस चुनाव पर लगी हैं। यहां एक रैली में डोनाल्ड ट्रंप ने संघीय डिजिटल मुद्रा के निर्माण को रोकने का संकल्प लिया है। उन्होंने इसे स्वतंत्रता के लिए खतरनाक खतरा बताया।

न्यू हैंपशायर के पोर्ट्समाउथ में एक रैली में ट्रंप ने कहा, 'आज रात, मैं अमेरिकियों को सरकारी अत्याचार से बचाने का एक और वादा कर रहा हूं। आपके राष्ट्रपति के रूप में, मैं कभी भी केंद्रीय बैंक

डिजिटल मुद्रा के निर्माण की अनुमति नहीं दूंगा।'

पैसे पर सरकार का नियंत्रण होगा

उन्होंने आगे कहा, 'इस तरह की मुद्रा से आपके पैसे पर सरकार का नियंत्रण होगा। वे आपके पैसे ले सकती हैं। आपको इसका पता भी नहीं चलेगा कि पैसे निकल गए। यह स्वतंत्रता के लिए एक बड़ा खतरा होगा।'

नियमित डॉलर की तरह किया जा सकता है इस्तेमाल

एक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) एक केंद्रीय बैंक द्वारा जारी मुद्रा का एक डिजिटल संस्करण है। रिपोर्ट के अनुसार, इस निर्णय के तहत अमेरिका का फेडरल रिजर्व एक डिजिटल डॉलर जारी करेगा, जिसका उपयोग नियमित डॉलर की तरह ही किया जा सकता है।

न्यू हैंपशायर में ट्रंप पर भारी पड़ सकती हैं हेली

गौरतलब है, न्यू हैंपशायर में 23 जनवरी को मतदान होना है। एक ताजा पोल में दावा किया जा रहा है कि न्यू हैंपशायर में डोनाल्ड ट्रंप और निक्की हेली के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है क्योंकि पोल के अनुसार, दोनों को राज्य में 40-40 फीसदी वोट मिल सकते हैं। न्यू हैंपशायर के गवर्नर क्रिस सुनुनु निक्की हेली का समर्थन कर रहे हैं, ऐसे में राज्य में ट्रंप को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। डोनाल्ड ट्रंप ने 15 जनवरी को हुए आयोवा कॉकस के चुनाव में जीत दर्ज की थी और उन्हें 51 प्रतिशत वोट मिले थे।

क्या पाकिस्तान ने ईरान पर हमले से पहले यूएस से सलाह-मशविरा किया?

वॉशिंगटन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से दुनिया के कई देश चिंतित हैं। अमेरिका ने भी बढ़ते तनाव पर चिंता जाहिर की है और दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने गुरुवार को अपने बयान में कहा कि 'हम क्षेत्र में बढ़ रहे तनाव से चिंतित हैं। हमने इस बारे में कई बार कहा है कि 7 अक्तूबर की घटना के बाद से लड़ाई बढ़ने की आशंका से चिंतित हैं।' मिलर ने कहा कि 'यही वजह है कि हम लगातार कूटनीतिक कोशिशों के जरिए तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।' अमेरिका ने पाकिस्तान सरकार के मिलकर मुद्दे सुलझाने के बयान की तारीफ की और कहा कि 'लड़ाई को बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है।' क्या पाकिस्तान ने ईरान पर हमले से पहले अमेरिका से सलाह-मशविरा किया था? पत्रकारों के इस सवाल के जवाब में मिलर ने कहा कि 'ऐसी निजी बात की मेरे पास कोई जानकारी नहीं है।' उन्होंने कहा कि 'पाकिस्तान, अमेरिका का गैर नाटो सहयोगी देश है और वह रहेगा, लेकिन हम सभी पक्षों से शांति की अपील करते हैं।' अमेरिका ने ईरान की आलोचना भी की। मिलर ने कहा कि 'ईरान ने पाकिस्तान समेत तीन पड़ोसी देशों पर स्ट्राइक की। ईरान का आतंकवाद को वित्त पोषण देने, मध्य पूर्व में अस्थिरता को बढ़ावा देने का लंबा इतिहास रहा है। हम देख रहे हैं कि इसी वजह से गाजा में संघर्ष बढ़ रहा है।'

युवाओं से रोजगार छीन रही सरकार : सचिन पायलट

महामहिम को राजनीतिक छीटाकशी में फंसा रही भाजपा

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजीव गांधी युवा मित्रों के समर्थन में टोंक विधायक सचिन पायलट ने शुक्रवार को शहीद स्मारक पर धरना दिया। इस दौरान पायलट ने कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार झूठे वादे कर सत्ता में आई है। प्रदेश में कैबिनेट से पहले युवाओं से रोजगार छीन लिया गया। जो सरकार की गलत मंशा को दर्शाता है।

अगर सरकार को राजीव गांधी के नाम से इतनी ही नफरत है। तो उन्हें योजना का राजीव गांधी की जगह कुछ और नाम रख देना चाहिए। लेकिन 5000 युवाओं से रोजगार नहीं छीना जाना चाहिए। मैं और कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से युवाओं के साथ है। हम सदन में भी पुरजोर तरीके से युवाओं की मांग को उठाएंगे। ताकि 5000 युवाओं को फिर से रोजगार मिल सके।

अगर सरकार को राजीव गांधी के नाम से ही इतनी दिक्कत है। तो उन्हें इस योजना का नाम बदल देना चाहिए। लेकिन युवाओं से उनका हक और रोजगार नहीं छीना जाना चाहिए। सरकार ने जिस तरह से नौकरियों को खत्म करने का काम किया है। उससे संदेश यही जा रहा है कि बीजेपी की सरकार नौकरी देना नहीं बल्कि छीनना चाहती है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि युवाओं को

अपनी जायज मांग के लिए विरोध भी नहीं करने दिया जा रहा है। यहां धरने तक की परमिशन इन्हें नहीं मिल पाई।

राजस्थान की भाजपा सरकार ने महामहिम के पद को राजनीतिक छीटा कशी में फसाने का काम किया है। पुरानी सरकार को कोसने का काम चुनाव प्रचार में किया जा सकता है। लेकिन विधानसभा के पटल पर राज्यपाल के अभी भाषण में ऐसा नहीं होना चाहिए था। भारतीय जनता पार्टी की सरकार अगले 5 साल क्या काम करेगी, उनका विजन क्या है, उनकी योजनाएं क्या है। इस पर राज्यपाल का भी भाषण होना चाहिए था। लेकिन इसकी जगह पूर्व सरकार पर आरोप लगाना भाजपा की मानसिकता को दर्शाता है। केंद्र में जो भारतीय जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आई थी। उसे वक्त उन्होंने वादा किया था कि हम हर साल 2 करोड़ युवाओं को रोजगार देंगे। लेकिन अब तक केंद्रीय की सरकार अपना एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई। बल्कि, राजस्थान में बीजेपी सरकार के गठन के बाद युवाओं से रोजगार छीनने का काम शुरू हो गया है। ऐसे में सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकसभा के भी चुनाव आ रहे हैं। युवा रोजगार के लिए धरना दे रहे हैं। खिलाड़ी अपनी मांगों के लिए धरना दे रहे हैं।

लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अमीर और अमीर हो रहा है। जबकि गरीब और गरीब होता जा रहा है। बीजेपी वैसे भी भावनात्मक मुद्दों पर राजनीति करती है। उन्हें धरातल पर राजनीति करने का कोई अनुभव नहीं है। दरअसल, कांग्रेस सरकार के वक्त शुरू हुई राजीव गांधी युवा मित्र को भाजपा सरकार के गठन के बाद बंद कर दिया गया था। इसके बाद पिछले महीने दिसंबर में युवा मित्रों ने शहीद स्मारक पर 5 दिन (27 दिसंबर से 31 दिसंबर) का धरना दिया था। इसके बाद 13 जनवरी से एक बार फिर प्रदेशभर के युवा मित्र सरकार के खिलाफ शहीद स्मारक पर धरना दे रहे हैं। लेकिन अब तक सरकार के स्तर पर इस मुद्दे पर कोई चर्चा तक नहीं हुई है। जिसको लेकर अब युवाओं का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है।

16वीं राजस्थान विधानसभा के सत्र में राज्यपाल का अभिभाषण

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार से शुरू हुए 16वीं विधानसभा के बजट सत्र में राज्य सरकार की ओर से पेश किए गए अभिभाषण को पढ़ा। इसमें पिछली सरकार की नीतियों और वित्तीय प्रबंधन की आलोचना की गई, साथ ही लगभग सभी बड़ी योजनाओं को भी समीक्षा के दायरे में लाने की बात कही गई है।

नकल माफियाओं के खिलाफ ऑफिसर स्कीम के तहत मुकदमे चलाएगी सरकार। प्रदेश में न तो अब नौकरी लूट होगी और न ही पेपर लीक होगा। कानून सुनिश्चित करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। अब तक 10 हजार अपराधियों के विरुद्ध कानून सम्मत कार्रवाई की जा चुकी है। पिछली सरकार ने बाड़मेर रिफाइनरी प्रोजेक्ट को अटकाया, जिससे परियोजना की लागत 37 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 75 हजार करोड़ रुपये पर आ गई। नई सरकार नए सिरे से इसकी समीक्षा कर 72 हजार करोड़ का निवेश कर बाड़मेर रिफाइनरी के निर्माण में तेजी लाएगी।

डीओआईटी में हुए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई के लिए सीबीआई को अनुसंधान की अनुमति बहाल कर दी गई है। जलजीवन मिशन योजना में फर्जी अनुभव प्रमाण पत्रों व भ्रष्टाचार के कारण प्रदेश की जनता को इसका लाभ नहीं मिला। राजस्थान इस योजना की रैंकिंग में देश में सबसे नीचे चला गया है। सरकार इन घोटालों की जांच करवाएगी। मात्र साइन बोर्ड बदलकर महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम स्कूलों को खोल दिया गया। विद्यालयों में न तो शिक्षकों को लगाया गया, न ही आवश्यक वित्तीय प्रावधान किए गए। सरकार इन विद्यालयों की समीक्षा करते हुए विद्यार्थी हितों को सर्वोपरि रखते हुए फैसले लेगी। चिकित्सकों और निजी अस्पतालों को विश्वास में लेकर राइट टू हेल्थ लाने का काम करेगी। चिरंजीवी योजना की समीक्षा कर केंद्र सरकार की आयुष्मान योजना को आगे बढ़ाएगी। सरकार प्रदेश में पीपीपी मॉडल पर 2 मेडी सिटी स्थापित करेगी। भारत सरकार के हील इन इंडिया की तर्ज पर हील इन राजस्थान कार्यक्रम संचालित किया जाएगा।

भरतपुर में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' में हंगामा

सांसद की सुरक्षा में लगे सुरक्षाकर्मियों से भिड़े बीजेपी नेता

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' में बीजेपी कार्यकर्ताओं और सांसद सुरक्षा में लगे सीआरपीएफ के सुरक्षाकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. भारतीय जनता पार्टी को अनुशासित और कैडर बेस्ड पार्टी माना जाता है, लेकिन विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में इसका उलटा ही देखने को मिला. बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओ ने हंगामा करते हुए भरतपुर से बीजेपी सांसद रंजीता कोली के सुरक्षाकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करते हुए उलझ गए. हालांकि पुलिस ने बीच बचाव कराते हुए मामले को शांत कराया।

जानकारी के अनुसार गुरुवार (18 जनवरी) को भरतपुर के नदबई विधानसभा क्षेत्र के गांव सैदपुरा में भारतीय जनता पार्टी द्वारा शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम था. संकल्प यात्रा में शामिल होने के लिए बीजेपी नेता और कार्यकर्ता पहुंचे थे. कार्यक्रम में बीजेपी सांसद रंजीता कोली भी आईं थीं. सांसद रंजीता कोली को केंद्र सरकार ने वाई श्रेणी की सुरक्षा दे रखी है, क्योंकि सांसद पर कई बार हमला हो चुका है. बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में भीड़ थी और सुरक्षाकर्मी सांसद रंजीता कोली की सुरक्षा प्रोटोकॉल को बनाये रखने के लिए खड़े थे।

भारत संकल्प यात्रा में काफी देर तक हुआ हंगामा

वहीं सुरक्षाकर्मियों द्वारा भीड़ को हटाने के दौरान कुछ बीजेपी नेता और कार्यकर्ता नाराज हो गए और वह सुरक्षाकर्मियों से उलझते हुए नजर आए. इसके बाद सुरक्षाकर्मियों और बीजेपी नेताओं के बीच आपस में धक्का-मुक्की हो गई. वहीं विकसित भारत संकल्प यात्रा में काफी देर तक दोनों पक्षों के बीच हंगामा होता रहा. वहीं अब बीजेपी के कार्यक्रम में बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा जो हंगामा खड़ा किया गया उसकी हर जगह चर्चा हो रही है. खासकर जो वीडियो वायरल हो रहे हैं, उनमें साफ-साफ दिखाई दे रहा है कि किस तरह बीजेपी कार्यकर्ता सुरक्षाकर्मियों से उलझ रहे हैं.

चंद्रशेखर को मिली तेलंगाना की जिम्मेदारी

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में अहम भूमिका निभाने वाले चंद्रशेखर को बीजेपी हाईकमान ने अब तेलंगाना की जिम्मेदारी सौंपी है। जब उनके तेलंगाना ट्रांसफर की खबर आई, तो राजस्थान इकाई में कुछ खुश चेहरे थे, लेकिन कुछ अन्य लोग पार्टी की राज्य इकाई में परिवर्तन को लागू करने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण और "साहसी" मानते हैं। ऐसे में उन्हें तेलंगाना भेजने का निर्णय लिया गया, जहां पार्टी हाल के चुनावों में तीसरे स्थान पर रही। पार्टी के एक नेता ने कहा, "उन्होंने अपनी क्षमता साबित कर दी है, इसलिए उन्हें तेलंगाना भेजा जा रहा है, जहां एक बड़ी चुनौती उनका इंतजार कर रही है।" बता दें कि राजस्थान में सरकार बनाने और राज्य में कुछ हलकों के विरोध से भलीभांति परिचित होकर चन्द्रशेखर ने कथित तौर पर एक नया कार्यभार मांगा था। इसकी सूचना मिलने के करीब तीन दिन बाद उन्हें तेलंगाना शिफ्ट कर दिया गया। राजस्थान विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने प्रचंड बहुमत से जीत हासिल की थी, लेकिन इस जीत के बाद कई दिनों तक यह कयास लगते रहे कि आखिर राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा? मुख्यमंत्री के चयन को लेकर अंततः 12 दिसबंर को राजस्थान के जयपुर भाजपा कार्यालय में बीजेपी विधायक दल की बैठक हुई, लेकिन वहां पहुंचने वाले विधायकों में कुछ ही चुनिंदा लोगों को इस बात की भनक थी कि राज्य का वास्तव में मुख्यमंत्री कौन होगा?

वायरल हो रहे एक वीडियो में भजन लाल शर्मा जैसे ही चलते हैं तो कोई उन्हें भाई साहब कहकर बुलाता है। जिसके बाद शर्मा जिस ओर से आवाज आती है, उस तरफ कैमरे की ओर देखने लगते हैं। तभी, एक व्यक्ति जो शर्मा का पीछा कर रहा था, तेजी से उनके पीछे से आता है और धीरे से उनका हाथ पकड़कर उन्हें दूर ले जाता है, जिससे शर्मा भी आश्चर्यचकित हो जाते हैं। अगले ही कुछ घंटे में जैसे ही भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री के लिए चुना गया, उससे ही उस व्यक्ति का महत्व भी स्पष्ट हो गया, जो उन्हें बात करने के लिए सबसे अलग ले गया था। यह भाजपा महासचिव (संगठन) चन्द्रशेखर थे। इस सफल राजस्थान अभियान के बाद चंद्रशेखर को संघ परिवार ने 15 जनवरी को तेलंगाना का प्रदेश महामंत्री नियुक्त कर दिया। यह एक ऐसा राज्य जहां भाजपा के लिए त्वरित पैठ बनाने की उम्मीदें झूठी सी लगती हैं। चंद्रशेखर सितंबर 2017 से राजस्थान में काम कर रहे हैं। वे आरएसएस के प्रचारक हैं और मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के रहने वाले हैं। राजस्थान में उनका प्रवास काफी लंबा हो गया था। चंद्रशेखर सबसे पहले आरएसएस में विभाग प्रचारक बने और भाजपा में अधिक राजनीतिक भूमिका में आने से पहले अपने गृह राज्य में सक्रिय रहे। पर्दे के पीछे काम करते हुए उन्होंने एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में अपनी पहचान बनाई। उनकी प्रोफ़ाइल को और अधिक बढ़ावा देने वाली बात यह थी कि 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान वह काशी क्षेत्र के लिए भाजपा के महासचिव (संगठन) थे। यह वह चुनाव था, जिसमें नरेंद्र मोदी ने वाराणसी लोकसभा से चुनाव लड़ा और प्रधानमंत्री बने। अगस्त 2017 में जब उन्हें राजस्थान में नियुक्त किया गया, तब वह उत्तर प्रदेश भाजपा के महासचिव (संगठन-पश्चिमी क्षेत्र) थे। चन्द्रशेखर को राजस्थान के लिए स्पष्ट रूप से सरकार, पार्टी की राज्य इकाई में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और संघ की मजबूत पकड़ के बीच संबंधों को सुधारने की कोशिश करने के लिए चुना गया था। चन्द्रशेखर के कार्यभार संभालने से पहले राजे और संघ के बीच खराब संबंधों के बीच यह पद लगभग आठ वर्षों तक खाली था। संयोगवश, जिस समय चन्द्रशेखर को राजस्थान लाया गया था। उस वक्त भजनलाल भी राज्य भाजपा में महासचिव थे।

अपने पदों के कारण एक साथ आए। दोनों को अक्सर एक साथ देखा जाने लगा। फरवरी 2018 में जयपुर में "संकल्प से सिद्धि" कार्यशाला में चन्द्रशेखर और शर्मा मुख्य वक्ता थे। फिर, जब 16 अगस्त, 2018 को पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का निधन हो गया, तो दोनों आधिकारिक तौर पर पार्टी की राज्य इकाई की ओर से सम्मान देने के लिए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन लाल सैनी के साथ जयपुर गए। जबकि पार्टी उस साल के अंत में राजस्थान विधानसभा चुनाव हार गई, लेकिन उसने 2014 के आंकड़ों को दोहराते हुए 2019 में सभी 25 लोकसभा सीटें जीत लीं।

भजनलाल सरकार पूर्ववर्ती गहलोत सरकार की मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना एवं

अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की समीक्षा करेगी

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की भजन लाल शर्मा सरकार राज्य में पूर्व की कांग्रेस सरकार की मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना और महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की समीक्षा करेगी। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व की गहलोत सरकार के घोटालों की भी जांच होगी, लेकिन जनकल्याणकारी योजनाएं बंद नहीं की जाएंगी। राज्यपाल ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में राज्य का कर्ज 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ गया है और राज्य में प्रति व्यक्ति कर्ज लगभग 70,000 रुपये तक पहुंच गया है। अपने 44 मिनट लंबे भाषण में राज्यपाल ने विधानसभा को बताया कि पूर्व की गहलोत सरकार की किन योजनाओं को लेकर भजन लाल सरकार आगे बढ़ेगी। इससे पहले सुबह 11 बजे राज्यपाल का अभिभाषण शुरू होते ही राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के विधायक हनुमान बेनीवाल ने हंगामा कर दिया। उन्होंने विधानसभा के वेल में नारे लगाए और राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) को भंग करने की मांग की। अगले तीन दिन विधानसभा में छुट्टी रहेगी और 23, 24 और 29 जनवरी को राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस होगी। 30 जनवरी को भजन लाल शर्मा जवाब पेश करेंगे।

सीएम भजनलाल ने दी गन्ना किसानों को सौगात

गन्ना खरीद मूल्य पर 11 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड ने चीनी उत्पादन के लिए गन्ना पिराई के लिए गन्ना क्रय करने पर प्रति क्विंटल 11 रुपये की वृद्धि की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंजूरी मिलने के बाद वर्तमान सत्र 2023-24 के लिए यह वृद्धि की गई है। आपको बता दे कि चीनी उत्पादन के लिए गन्ना पिराई का कार्य 21 दिसंबर 2023 से शुरू है। गन्ना किसानों से राज्य सरकार द्वारा निर्धारित क्रय मूल्य पर राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड की तरफ से गन्ना खरीदा जाता है।

वर्ष 2022-23 के लिए गन्ना किस्म अगेती की दर 380 रुपये प्रति क्विंटल थी, जो अब वर्ष 2023-24 के लिए 391 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। जबकि गन्ना किस्म मध्य की दर वर्ष 2022-23 में 370 रुपये प्रति क्विंटल थी, जो अब बढ़कर 381 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। साथ ही गन्ना किस्म पछेती की दर वर्ष 2022-23 में 365 रुपये प्रति क्विंटल थी, जो अब बढ़कर 376 रुपये हो गई है। राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड की शुगर फैक्ट्री श्री गंगानगर गन्ना किसानों से अनुबंधित कुल गन्ने की मात्रा का 70 फीसदी चीनी उत्पादन के लिए खरीदने का लक्ष्य रखती है। साथ ही कुल 22 लाख क्विंटल अनुबंधित गन्ने की मात्रा के विरूद्ध 16 लाख क्विंटल गन्ना पिराई के लिए उपलब्ध होगा। इससे लगभग 1.28 लाख क्विंटल चीनी उत्पादित होगी।

उल्लेखनीय है कि गन्ने की खरीद पर पिछले वर्ष 61 करोड़ रुपये व्यय हुए थे और अब प्रति क्विंटल 11 रुपये की वृद्धि करने पर पौने 2 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय भार आयेगा।

पेंसिल की नोक पर बनाई भगवान राम की मूर्ति

> गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल कर चुके मूर्तिकार

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। हर कोई अपने अंदाज में भगवान राम को याद कर रहा है। अपना प्यार दर्शा रहे हैं। कुछ इसी ही दिशा में जयपुर के मूर्तिकार नवरत्न प्रजापति ने काम किया है। महेश नगर में रहने वाले गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर मूर्तिकार नवरत्न प्रजापति अपनी मिनिएचर पेंसिल स्कल्प्चर से काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं।

उन्होंने पेंसिल की नोक पर अति सूक्ष्म श्री राम की कलाकृति बनाई है। इस मूर्ति के बारे में नवरत्न ने बताया है कि पेंसिल की नोक पर बनाई गई राम की कलाकृति को बनाने में करीब 5 दिन का समय लगा। इसकी लंबाई 1.3 सेंटीमीटर है और एक हाथ में धनुष को दूसरे हाथ में बाण को तराशकर भगवान राम की मूर्ति बनाई गई है। उन्होंने बताया-यह मूर्ति राम म्यूजियम में रखने के लिए राम ट्रस्ट को भेंट की जाएगी। अयोध्या में अलग-अलग कलाकारों की बनाई कलाकृतियों को डिस्प्ले किया जा रहा है। वहां श्रीराम का म्यूजियम भी बनाया गया है। जहां इस पेंसिल को रखने के लिए आग्रह किया जाएगा।

इससे पहले नवरत्न ने 2 एमएम की लकड़ी की चम्मच बनाई थी। पेंसिल की नोक पर भगवान गणपति, भगवान महावीर स्वामी, महाराणा प्रताप, वल्लभ भाई पटेल, महात्मा गांधी, डॉ भीमराव अंबेडकर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 101 कड़ी चैन की भी बना चुके हैं, इसे गले में भी पहनाया जा सकता है।

बना चुके है विश्व कीर्तिमान

मूर्तिकार नवरत्न प्रजापति ने दुनिया की सबसे छोटी लकड़ी की चम्मच बनाकर एक विश्व कीर्तिमान रचा हुआ है। इस कृति की वजह से नवरत्न का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। इस चम्मच की लंबाई मात्र 2 मिलीमीटर है। इसका हैंडल एक बाल के बराबर मोटा है, इस चम्मच के आगे का प्याला 0.75 मिलीमीटर है। इसे बनाने में नवरत्न को कुल 1 दिन का समय लगा है। इससे पहले नवरत्न ने 2006 में सबसे छोटी लालटेन बनाई थी, इसकी ऊंचाई 2.3 सेंटीमीटर थी। यह लिम्का बुक में दर्ज की गई थी, इसके बाद कई मूर्तियों की कलाकारी करके के विश्व कीर्तिमान अपने नाम कर चुके हैं। पीएम नरेंद्र मोदी की मां के निधन के बाद नवरत्न प्रजापति ने क्ले से उनकी से मूर्ति बनाकर उनको श्रद्धांजलि दी थी।

जाट समाज के महापड़ाव में लाठियां लेकर पहुंचीं महिलाएं

जयचौली में आंदोलन का तीसरा दिन; सरकार की सद्बुद्धि के लिए किया यज्ञ

भरतपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र में आरक्षण की मांग को लेकर भरतपुर-धौलपुर का जाट समाज आंदोलन कर रहा है। भरतपुर के उच्चैन तहसील के जयचौली गांव में महापड़ाव का शुक्रवार को तीसरा दिन है। महापड़ाव में महिलाएं लाठियां लेकर पहुंची हैं। इसके अलावा जाट समाज ने सरकार के लिए सद्बुद्धि यज्ञ किया। महापड़ाव में शामिल लोगों ने कहा- सद्बुद्धि यज्ञ इसलिए किया गया है कि क्योंकि महापड़ाव को तीन दिन हो गए हैं और सरकार का कोई भी प्रतिनिधि वार्ता के लिए नहीं पहुंचा है। जाट आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार ने कहा- आंदोलन इसलिए उग्र नहीं किया जा रहा है क्योंकि 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा होनी है। 23 जनवरी को आंदोलन उग्र कर दिया जाएगा। 7 जनवरी को सरकार के लिए 10 दिन समय दिया गया था। इस बीच कोई भी सरकार का प्रतिनिधि जाट समाज से वार्ता के लिए आया। 17 जनवरी से महापड़ाव शुरू हो गया। 22 जनवरी तक सरकार को फिर से 5 दिन का समय दे दिया गया है। उसके बाद भी सरकार की वार्ता के लिए कोई पहल नहीं की गई है। उन्होंने कहा-सरकार जाट समाज के सब्र का इम्तिहान ले रही है,

इन्वेंटिव-2024 कार्यक्रम उद्योग और शिक्षा जगत के बीच संबंधों को बढ़ावा देगा : धर्मेन्द्र प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने आईआईटी हैदराबाद द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने आज आईआईटी हैदराबाद में शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत होने वाले आर एंड डी इनोवेशन फेयर, इन्वेंटिव-2024 के दूसरे संस्करण का शुभारम्भ किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के साथ संजय मूर्ति, उच्च शिक्षा सचिव, शिक्षा मंत्रालय और कई अन्य प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों और उद्योगपतियों ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम के शुभारम्भ समारोह के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि आईआईटी हैदराबाद में आयोजित इन्वेंटिव-2024 एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसमें विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग क्षेत्रों से प्रतिभाशाली लोग एक साथ आते हैं। यह कार्यक्रम शिक्षा, अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है। मैं आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानता हूं। इसलिए मुझे विश्वास है कि यह कार्यक्रम इन दृष्टिकोणों को साकार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिवर्तनकारी शिक्षा को बढ़ावा देना इस पहल के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। आईआईटी हैदराबाद, जो अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, इस कार्यक्रम के लिए एक आदर्श स्थान है तथा यह कार्यक्रम उद्योगों के अनुकूल आर एंड डी और नवाचार को बढ़ावा देने में मदद करेगा। मुख्य अतिथि ने आगे कहा, "यह कार्यक्रम न सिर्फ शिक्षा जगत और उद्योग जगत के मिलन का एक केंद्र बिंदु है, बल्कि यह एक ऐसा पावरहाउस भी है जो आर्थिक विकास, रोजगार सृजन को गति प्रदान करता है और नवाचार और उद्यमशीलता की संस्कृति का पोषित करता है। भारत के प्रमुख संस्थानों से निकलने वाले यह नवाचार हमारे राष्ट्र के विकास पथ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुझे विश्वास है कि यह पहल परिवर्तनकारी बदलाव के लिए उत्प्रेरक का काम करेगी, नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी और हमें एक उज्जवल और अधिक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाएगी।" इन्वेंटिव-2024 का उद्देश्य हमारे देश के शीर्ष उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा किए गए अनुसंधान और नवाचार के समग्र प्रभाव को प्रदर्शित करना है। इस मौके पर आईआईटी हैदराबाद बीओजी के अध्यक्ष एवं इन्वेंटिव-2024 संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ. बी.वी.आर. मोहन रेड्डी और आईआईटी हैदराबाद के निदेशक व इन्वेंटिव-2024 संचालन समिति के संयोजक प्रोफेसर बी.एस. मूर्ति ने उद्योग और शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए व्यावहारिक चर्चाओं के लिए मंच तैयार किया एवं ज्ञान और विचारों के असाधारण आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त किया।

वहीं अपने स्वागत भाषण में डॉ. बी.वी.आर. मोहन रेड्डी ने कहा, "शिक्षा मंत्रालय के इस प्रमुख आयोजन के माध्यम से हम शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच एक अभूतपूर्व गठबंधन का निर्माण कर रहे हैं जिससे नवाचार की एक नई लहर पैदा होगी जो हमारे राष्ट्र को एक उज्जवल भविष्य की ओर ले जाएगी। उच्च शिक्षा के 53 भविष्य-केंद्रित संस्थानों का यह समागम 120 परियोजनाओं का प्रदर्शन कर रहा है, जो इन उच्च शिक्षा संस्थानों के अनुसंधान के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है। 2000 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों को एकजुट करके यह आयोजन करना नवाचार और उद्यमिता का केंद्र बन जाता है। यहां अनावरण किए गए नवाचार केवल आविष्कार नहीं हैं; बल्कि यह हमारे महान राष्ट्र को विशेष पथ पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मेरा पूर्ण विश्वास के साथ यह मानना है कि यह पहल अंतहीन संभावनाओं के लिए नए दरवाजे खोलेगी और हमें एक अधिक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाएगी।" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि धर्मेंद्र प्रधान ने प्रदर्शनी क्षेत्र का शुभारम्भ करते हुए व्यापक रूप से प्रदर्शनी का दौरा किया। इन्वेंटिव-2024 का यह कार्यक्रम उद्योग और शिक्षा जगत के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में काम करता है साथ ही इनके बीच संभावित सहयोग का मार्ग भी प्रशस्त करता है जो समाज, उद्योग और शिक्षा जगत को बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाने और लाभान्वित करने का वादा करता है। इन्वेंटिव-2024 के प्रभाव के बारे में बोलते हुए आईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रो. बी.एस. मूर्ति ने कहा, "आईआईटी हैदराबाद वार्षिक शोध एवं विकास नवाचार प्रदर्शनी इन्वेंटिव-2024 के शुभारम्भ की घोषणा करते हुए गर्व का अनुभव कर रहा है। यह आयोजन रचनात्मकता, बुद्धि और नवाचार का उत्सव है।" अपने संबोधन में प्रोफेसर बीएस मूर्ति ने इन्वेंटिव-2024 के लिए उत्साह व्यक्त किया और नवाचार को बढ़ावा देकर उद्योग-शिक्षा जगत के सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

व्यक्ति ने फाँसी लगाकर की आत्महत्या

भैंसा, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा मण्डल के माहगाम गांव में शुक्रवार शाम को एक व्यक्ति ने फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ग्रामीण एसआई श्रीकांत से प्राप्त जानकारी अनुसार, चंदुला पोशेट्टी (38) ने माहगाम और चिंतालबोरी रोड के बीच में एक पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। वह पिछले साल से अपनी पत्नी से अलग रह रहा था। एसआई ने बताया कि आत्महत्या का कारण पारिवारिक कलह है। मृतक के एक पुत्र व एक पुत्री है। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया और आगे की कारवाई की जारही है।

भारत की इस्पात मांग को पूरा करने के लिए एनएमडीसी प्रतिबद्ध

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय खनिक एनएमडीसी घरेलू इस्पात मार्केट की निरंतर बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए लौह अयस्क उत्पादन में वृद्धि कर रहा है और निर्यात के बगैर उच्च बिक्री आय अर्जित कर रहा है। भारत सरकार की सबसे सम्मानित और भरोसेमंद कंपनियों में से एक, एनएमडीसी ने चीन को अयस्क निर्यात करने का कोई प्रस्ताव नहीं रखा है, जैसा कि रॉयटर्स द्वारा चलाई गई एक रिपोर्ट में आधारहीन दावा किया गया है। हाल की वार्ताओं में कंपनी ने कहा है कि लौह अयस्क के लिए भारत की आवश्यकता ऐतिहासिक रूप से उच्च-स्तर पर है और एनएमडीसी घरेलू इस्पात निर्माताओं की खपत की मांग को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एलआईसी की नई योजना जीवन धारा 22 जनवरी से : एलआईसी चेयरपर्सन सिद्धार्थ मोहंती

हैदराबाद, 19 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जीवन निगम,बीमा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी द्वारा "एलआईसी जीवन धारा II (प्लान 872) नामक नई योजना लांच की गयी। इस संदर्भ में,भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) चेयरपर्सन सिद्धार्थ मोहंती ने उक्त नई योजना लांच करने के बाद मीडिया को बताया कि, एलआईसी कंपनी ने जीवन धारा II(प्लान) नामक नई योजना लॉन्च की है तथा यह योजना जो इस माह जनवरी की 22 तारीख से विक्रय के लिए उपलब्ध होगी। साथ ही उन्होने यह भी बताया कि एलआईसी जीवन धारा-II नामक नई योजना जो व्यक्तिगत, बचत, आस्थगित वार्षिकी योजना है.व यह लाभदायक है।. इस नई योजना जो वार्षिकीग्राही/प्राथमिक/माध्यमिक के लिए है जिसमें प्रवेश के समय न्यूनतम आयु 20 वर्ष (अंतिम जन्मदिन) है तथा जो वार्षिकीधारक और प्रवेश पर अधिकतम आयु 80वर्ष,70वर्ष,65वर्ष है जो चयनित एन्नुयीटी आप्शन या वार्षिकी विकल्प पर आधारित है। जिसमें से स्थगन अवधि घटा दी गई है। जिसमें वार्षिकी गारंटी शुरु से ही दी जाती है और जिसमें 11 वार्षिकी विकल्प उपलब्ध हैं एवं इसमें अधिक उम्र में वार्षिकी दरें अधिक होती हैं। इसका लाइफ कवर जो आस्थगन अवधि के दौरान उपलब्ध है। साथ ही इनमें से चयन आसान है, नियमित प्रीमियम और एकल प्रीमियम व्यवस्था, एकल जीवन वार्षिकी और संयुक्त जीवन वार्षिकी उपलब्ध तथा जिसमें वार्षिकी भुगतान ढंग जो (वार्षिक, अर्ध-वार्षिक, त्रैमासिक और मासिक) है एवं इसके एक बार चयन के पश्चात इस वार्षिकी विकल्प को बदला नहीं जा सकेगा।

यही नही इसमें ऑनलाइन विक्रय के लिए हायेस्ट प्रीमियम/खरीद मूल्य/ के माध्यम से प्रोत्साहन की व्यवस्था है व मौजूदा पॉलिसीधारकों/नामित/लाभार्थी के लिए वार्षिकी दर में वृद्धि व्यवस्था है। इस पॉलिसी के अंतर्गत वार्षिकी (टॉप-अप वार्षिकी) बढ़ाने का विकल्प भी है एवं तरलता विकल्प अर्थात कटौती के एवज में एकमुश्त राशि प्राप्त करने का विकल्प है तथा वार्षिकी भुगतान और रिटर्न सहित वार्षिकी विकल्पों के अंतर्गत उपलब्ध अन्य लाभ भी है। जिसमें ऋण सुविधा वार्षिकी के तहत आस्थगन अवधि के दौरान या उसके बाद उपलब्ध होगी एवं इसमें प्रीमियम की वापसी/खरीद मूल्य के साथ विकल्प की भी व्यवस्था है। यह योजना एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग योजना है। जो वार्षिकीधारक के जीवित रहने/मृत्यु पर रन्निंग पॉलिसी के तहत लाभ देय हैं। साथ ही इस योजना को एजेंटों/अन्य मध्यस्थों के माध्यम से ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन सीधे वेबसाइट www.licindia.in के माध्यम से भी क्रय किया जा सकेगा।

इस मामले में चेयरपर्सन सिद्धांत मोहंति ने आशा व्यक्त की कि, सभी पात्र उक्त एलआईसी की लाभदायक नई योजना का लाभ लेकर आर्थिक रूप से लाभार्थी बनें।

जिले में शी टीम का प्रदर्शन बेहतर: जिला एसपी

आसिफाबाद 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस ने जिला पुलिस टीम को महिलाओं की सुरक्षा के लिए गठित पुलिस टीम के प्रदर्शन में सुधार लाने का आदेश दिया है। आज एसपी ने जिला पुलिस कार्यालय में जिला पुलिस टीम के साथ एक विशेष बैठक का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं पर हमले, उत्पीड़न और लड़कियों के खिलाफ गैंगस्टरों की शरारतों को रोकने के लिए शी टीमों के प्रदर्शन में सुधार किया जाएगा। उन्होंने याद दिलाया कि शी टीम की प्रमुख जिम्मेदारियां छात्राओं को परेशान करने और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना, छेड़खानी करने वालों के माता-पिता को बुलाकर उनकी उपस्थिति में परामर्श देना और दोबारा पकड़े जाने पर गंभीर मामला दर्ज करना है। उन्होंने कहा कि जिले में और अधिक शि टीम जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए और मामलों की संख्या कम करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।उन्होंने कहा कि टीम को कुछ मामलों में अभिभावकों को परामर्श देना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुंडे-बदमाशों के खिलाफ शी टीम्स सिस्टम के तहत केस दर्ज कर उनकी काउंसिलिंग कराई जाए।उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ज्यादातर होने वाले साइबर अपराध धोखाधड़ी की पृष्ठभूमि में युवाओं और छात्रों को सोशल मीडिया के बारे में अधिक जागरूकता दी जानी चाहिए। इस कार्यक्रम में टास्क फोर्स और विशेष शाखा निरीक्षक राणा प्रताप, कागज नगर डिवीजन शी टीम प्रभारी श्रीनिवास (एआरएसआई), आसिफाबाद डिवीजन शी टीम प्रभारी सुनीता (हेड कांस्टेबल), शी टीम के सदस्यों ने भाग लिया।

रामायण पाठ एवं भजनों का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र अध्याय महिला संगठन के द्वारा रामायण मनका 108 का पाठ एवं भजनों का आयोजन अग्रसेन बैंकट हॉल पैराडाइज में किया गया। अध्यक्ष सरोज अग्रवाल ने बताया कि अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा 22 तारीख को होने जा रही है। उसके उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम किया गया। इसमें केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, भूतपूर्व अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, पैराडाइज शाखा के अध्यक्ष धीरज खेतान, दीपक, संतोष चोखानी, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, अशोक सिंघल, मनोज बेरिया, विनोद गुप्ता, हरिओम गर्ग एवं शशि कला अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, अनीता डाडा, निर्मला चैखनी, वर्षा अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, सविता अग्रवाल, कुसुम अग्रवाल आदि ने भाग लिया।

वन विभाग अधिकारियों ने अवैध सागवान की लकड़ियां जब्त की

आसिफाबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन अधिकारियों ने शुक्रवार सुबह रेंज के चिर्राकुंटा सेक्शन में सागवान की अवैध लकड़ी पकड़ी। आसिफाबाद रेंज अधिकारी अप्पलाकोंडा के अनुसार, पूर्व सूचना के आधार पर, मंडल के भवानीनगर से आ रही टाटा इंडिका विस्टा कार में अवैध रूप से लकड़ी ले जा रही थी और अनुभाग अधिकारी साई चरण ने अपनी टीम के साथ निरीक्षण किया और उसे पकड़ लिया। निरीक्षण के दौरान 12 लकड़ी के लट्ठे जब्त किये गये। जिनकी कीमत करीब 50 हजार रुपये आंकी गयी है। इन निरीक्षणों में बीट अधिकारी एम. श्रीनिवास, राजेश, डी. श्रीनिवास शामिल रहे।

फसल के खेतों और वन क्षेत्रों में बिजली के तार लगाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

आसिफाबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के एसपी के ने कहा कि अगर शिकारी जंगली जानवरों के लिए फसल के खेतों या वन क्षेत्रों में बिजली के तार लगाते हैं, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। सुरेश कुमार आईपीएस ने शुक्रवार को एक बयान में कहा। एसपी ने कहा कि है कि चोरी-छिपे बिजली के तार लगाने से जानवरों और लोगों को खतरा होता है, हाल ही में सिरपुर मंडल के चपरी गांव के पास कुछ लोगों द्वारा जंगली जानवरों के शिकार को लेकर बिजली का तार लगाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि उनकी मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और ऐसे कृत्यों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूजा गुप्ता स्वामी विवेकानंद सेवा रत्न पुरस्कार से सम्मानित

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नव भारती निर्माण फाउंडेशन द्वारा नेशनल यूथ दिवस 2024 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था द्वारा विभिन्न श्रेणियां में स्वामी विवेकानंद सेवा रत्न पुरस्कार 2024 दिए गए। संस्था द्वारा पूजा गुप्ता को स्वामी विवेकानंद सेवा रत्न पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। पूजा गुप्ताएक रेडियो कलाकार हैं तथा प्रेरणा फाउंडेशन की अध्यक्षा व संस्थापिका हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बंडा प्रकाश एमएलसी, बोगरप्पू दयानंद एमएलसी, स्पेशल गेस्ट डॉ.बाबू मोहन विख्यात फिल्मी जगत हास्य कलाकार रहे।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में ध्वजयात्रा निकाली गई

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में अग्रणी महिला मंच की कार्यकारिणी द्वारा हिमायतनगर स्थित कार्यालय से हिमायतनगर स्थित बाला त्रिपुरा माता मंदिर में जुलूस द्वारा ध्वजयात्रा निकाली गई। महिलाओं ने रामजी के जयकारे लगाए। भजन एवं आरती के द्वारा कार्यक्रम की समाप्ति हुई। अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, श्रद्धा सुखिया, वंदना पचारिया, संगीता जाजोदिया, रूपा गुप्ता, कोमल अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, राखी, अंजुम, प्रीति गोयल एवम पवन भुवानिया उपस्थित थे।

सिकंदराबाद कैंटोंनमेंट क्षेत्र से श्रीराम कैंटीन द्वारा 1265 केजी अखंड लड्डू अयोध्या के लिए रवाना किया गया। उपस्थित हैं मध्य प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, श्याम सुंदर गौड, पार्षद दीपिका, सागरपणी, शंकर, विश्व मंगल गौशाला मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार व अन्य।

मोजमजाही मार्केट स्थित हुनमान मंदिर के पास आयोजित स्वच्छ भारत कार्यक्रम में भाग लेते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल । साथ में है शंकर महाराज, श्रीनिवास यादव, अमर सिंह राजपुरोहित, मयुर कानेकर व अन्य।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा बिस्तर वितरित

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रकल्प जनसेवा के तहत शाखा मंत्री शीतल जैन की सुपुत्री निशि जैन एवं शाखा कोषाध्यक्ष कला गांधी के सुपुत्र आदर्श गांधी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में सिकंदराबाद स्थित बाल तेजसू रेनबो होम अनाथालय के सभी बच्चों को आरामदायक सोने हेतु बिस्तर दिए गए।

गत दिनों एक कार्यक्रम के दौरान पता चला वहां पर बच्चों को सोने के लिए बिस्तर सही नहीं है, इस पर शाखा द्वारा तुरंत निर्णय लेते हुए दोनों लाभार्थी परिवार के सहयोग से सभी बच्चों के लिए बिस्तर बनवा कर इस कार्य को संपन्न किया गया।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा, मीना दुग्गड, वंदना दुग्गड, सुनीता जैन,पुष्पा कोठारी, प्रीति सोनी,सीता गांधी, अनीता सुराणा, का सराहनीय योगदान रहा। शाखा कोषाध्यक्ष कला गांधी ने सभी का आभार व्यक्त किया

हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का शुभारंभ

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा सेंट एन्स कॉलेज फॉर वुमन, मेंहदीपट्टूनम के संयुक्त तत्वावधान में हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का भव्य शुभारंभ किया गया। यह शिविर 22 जनवरी तक आयोजन किया जाएगा। शिविर समन्वयक तथा सेंट एन्स कॉलेज फॉर वुमन, मेंहदीपट्टूनम की हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना झा ने बताया कि शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक, सीसीई प्रो. राजेंद्र सिंह ने किया। विशेरू रूप् से उपस्थित हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व समकुलपति प्रो. आरएस सर्राजु ने वर्तमान में बढ रही हिंदी की मांगों को रेखांकित करते हुए प्रतिभागियों को हिंदी में भिन्न भिन्न विधाओं का सृजन करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर डॉ. विजया रानी, प्रो. गंगाधर शेषराव चाटे, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं प्रो. विशाला शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

केन्द्रीय हिंदी निदेशालय के उपनिदेशक तथा केन्द्रीय हिंदी निदेशालय के हैदराबाद केंद्र के प्रमुख हुकमचंद मीना ने अपने संबोधन में केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग की योजनाओं की जानकारी दी तथा प्रतिभागियों को बताया कि आप लोग निश्चिंत रहें कि हिंदी का भविष्य बहुत ही उज्ज्वल है। इस दौरान केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा वहां पर लगाई गई पुस्तक पुस्तक प्रदर्शनी का लाभ लेने की अपील भी की। इस शुभारंभ पर सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक के हिंदी विभा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गोरखनाथ तिवारी की महत्ती उपस्थिति रही।

दलित बंधु के लाभार्थियों के समर्थन में अर्धनग्न होकर की भूख हड़ताल

निर्मल, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा कस्बे में अंबेडकर की प्रतिमा समक्ष दलित बंधु के लाभार्थियों के समर्थन में एक व्यक्ति के. शंकर ने अर्धनग्न होकर भूख हड़ताल की। पिछली बीआरएस सरकार द्वारा लाई गई दलित बंधु योजना में, मुधोल निर्वाचन क्षेत्र जैसे 1100 लाभार्थियों का चयन किया गया था और पैसा जिला कलेक्टर के खाते में जमा किया गया पैसा लाभार्थी के खाते में जमा किया जाना था, लेकिन उसी समय चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण पैसा मिलना बंद हो गया। अभी चुनाव के बाद करीब दो माह का समय बीत चुका है और लाभार्थियों के खाते पैसे जमा नही हुए। शुक्रवार को भैंसा अंबेटकर प्रतिमा के सामने भूख हड़ताल पर बैठे कर लाभार्थी ने सरकार से पैसा जमा करने की गुहार लगाई है और मांग तत्काल पूरा करने को कहा और यदि सरकार इस पर ध्यान नहीं देती है तो दीक्षा के लिए बैठने और अमर उपवास करने के लिए तैयार हैं। और लाभार्थियों ने व्यक्त किया कि वे इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आगामी संसद चुनाव में उचित सबक सिखाएंगे इस मौके पर पूर्व तानडूर मंडर्ल च्ज्ब्, अन्नाभाऊसाटे जिला अध्यक्ष उथंबले राव, जनसेना पार्टी के जिला अध्यक्ष सुकेटा महेश, मोची संगम गंगा सागर जिला अध्यक्ष साईनाथ सौन, पूर्व सरपंच गणपति, बालेराव साईनाथ, बोसी ग्राम वार्ड के सदस्य गाडेकर मनोहर व अन्य लाभार्थियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस सप्ताह समारोह

आसिफाबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला महिला अधिकारिता केन्द्र के तत्वावधान में इस माह की 19 से 24 तारीख तक आयोजित राष्ट्रीय बालिका दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित गतिविधियों के तहत जिला परिषद माध्यमिक विद्यालय में पहले दिन जिला समन्वयक शारदा ने विद्यार्थियों को बेटी बचाओ के बारे में बताया बेटी पढ़ाओ, राष्ट्रीय बालिका दिवस का मुख्य उद्देश्य और लड़कियों के लिए शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। इसके बाद छात्र-छात्राओं से हस्ताक्षर संग्रह कराया गया और उनके द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की शपथ ली गयी। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण केंद्र स्टाफ लिंग विशेषज्ञ रानी, वित्त साक्षरता सागर, स्कूल के शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

श्री आईमाता बडेर में कलश-यात्रा व दीपोत्सव 22 को

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला स्थित सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाता बडेर में विशेष मीटिंग आयोजित कर मर्यादा पुरुशोत्तम श्री राम की आयोध्या में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर सोमवार 22 जनवरी सायं 4.15 बजे से पुजा-अर्चना, कलश-यात्रा व दीपोत्सव कार्यक्रम समाज बन्धुओं के सानिध्य में भव्यरूप से मनाने के लिए विचार-विमर्श किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष मांगीलाल काग व सचिव नारायणलाल वरपा ने संयुक्तरूप से बताया कि 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद 22 जनवरी 2024 को पुरुशोत्तम श्री राम की प्रतिमा को नवनिर्मित मंदिर में विराजमान करने के उपलक्ष्य में श्री आईमाता बडेर में भगवान श्री राम के मंदिर को विशेष फूलों व लाईटिंग से सजाकर श्री रामजी की तस्वीर पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलितकर सायं 5 बजे कलश शोभा यात्रा, 6 बजे भक्तों के सानिध्य में दीपोत्सव, 7.15 बजे से भोजन-प्रसादी की व्यवस्था पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। रात्रि 9.15 बजे से आईजी भजन मंडली चिंतल द्वारा जागरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

शुक्रवार 26 जनवरी प्रात: 9.30 बजे गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजा रोहण व प्रात: 10 बजे से 3 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन कुशल डॉक्टरों की देख-रेख में आयोजित किया जाएगा। शनिवार 10 फरवरी माघ सुदी बीज के पावन अवसर पर एक शाम श्री आईमाताजी के नाम रात्रि 9.15 बजे से जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें गजेन्द्र राव एंड पार्टी भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। अध्यक्ष मांगीलाल काग ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी मेम्बरों व समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम समय पर पधारकर लाभ लेवे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सात्विक-चिराग और प्रणय क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

खेल रत्न का डेनमार्क की जोड़ी से होगा सामना

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शटलरों के लिए इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार का दिन शानदार रहा। केडी जाधव इंडोर स्टेडियम में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी सात्विक साईराज रैंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी के अलावा पुरुष एकल में आठवीं वरीय एचएस प्रणय ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सात्विक-चिराग ने अंतिम-16 के मैच में ताइवान के लू शिंग याओ और यांग पो हान को 45 मिनट में 21-14, 21-15 से पराजित किया। वहीं एचएस प्रणय ने हमवतन प्रियांशु राजावत को एक घंटे 16 मिनट के संघर्ष में 20-22, 21-14, 21-14 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

डेनमार्क की जोड़ी से खेलेंगे सात्विक-चिराग

बीते वर्ष छह खिताब जीतने वाले सात्विक और चिराग को पहले दौर के मुकाबले यहां ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ा। दोनों ही गेमों में भारतीय जोड़ी ने शुरू से बढ़त बनाकर रखी और इसे अंत तक कायम रखा। उनका क्वार्टर फाइनल में सामना डेनमार्क की पांचवीं वरीय जोड़ी किम एस्ट्रुप और एंडर्स रासमुसेन के साथ होगा, जिन्होंने चीनी जोड़ी को तीन गेमों के संघर्ष में हराया।

प्रियांशु को प्रणय ने उलटफेर से रोका

प्रणय और प्रियांशु के बीच मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा। प्रियांशु ने पहले दौर में 2022 के विजेता लक्ष्य सेन को पराजित कर उलटफेर किया था। यहां भी उन्होंने पहले दौर जैसी शुरूआत की और पहला गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया, लेकिन दूसरे गेम में प्रणय ने जबरदस्त शुरुआत करते हुए 5-0 की बढ़त बना ली, लेकिन प्रियांशु हार नहीं मानने वाले थे। उन्होंने स्कोर 10-12 कर दिया। लगा प्रियांशु यहां भी उलटफेर कर सकते हैं, लेकिन एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले प्रणय ने अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करते हुए 21-14 से गेम अपने नाम कर लिया। तीसरे गेम में भी प्रणय ने शुरुआती बढ़त बनाई और अंत तक इसे कायम रखा।

नामी खिलाड़ी हारे

वहीं टूर्नामेंट के तीसरे दिन गत विजेता थाईलैंड के कुनलावत वितिदसर्न के अलावा ऑल इंग्लैंड विजेता चीन के ली शी फेंग, जापान की पूर्व विश्व नंबर एक अकाने यामागुची को हार का सामना करना पड़ा। कुनलावत को हांगकांग के ली चेक यू ने 16-21, 22-20, 23-21 से, चौथी वरीय यामागुची को थाईलैंड की बुसानन ने 21-11, 21-19 से और जापान के कोकी वातानाबे ने चीन के ली शी फेंग को 21-14, 13-21, 21-9 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मलयेशिया के ली जी जिया ने पांचवीं वरीय इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को 21-15, 21-13 से हराया।

अजिंक्य रहाणे ने लगाया गोल्डन डक का डबल

संजू सैमसन ने की रणजी टूर्नामेंट में वापसी

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टेस्ट टीम से लगातार बाहर चल रहे बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के लिए रणजी सीजन 2023-24 काफी खराब बीत रहा है। वह इस सीजन का दूसरा मैच खेलने के लिए संजू सैमसन की कप्तानी वाली केरल के खिलाफ खेलने उतरे, लेकिन इस टीम के खिलाफ पहली पारी में वह शून्य पर आउट हो गए।

इससे पहले के मुकाबले में भी उनका बल्ला नहीं चला था और उनकी बल्लेबाजी ने टीम को निराश किया था हालांकि उस मुकाबले में मुंबई को जीत मिली थी। अजिंक्य रहाणे केरल के खिलाफ पहली पारी में एक गेंद का सामना करते हुए बासिल थंपी की गेंद पर गोल्डन डक पर आउट हो गए।

ओवर थ्रो विवाद पर मोहम्मद नबी को मिला दिग्गज भारतीय खिलाड़ी का साथ

कहा–रन लेना बल्लेबाज का अधिकार

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीसरा टी20 मैच काफी रोमांचक हुआ। सुपर ओवर के दौरान रोहित शर्मा और मोहम्मद नबी के बीच कहासुनी हुई थी। पहले सुपर ओवर की आखिरी गेंद पर विकेटकीपर संजू सैमसन ने थ्रो मारा। गेंद नबी के पैर पर लगी और उन्होंने 2 रन और चुरा लिए। भारतीय कप्तान इससे खुश नहीं थे।

रोहित शर्मा अपना आपा खो बैठे और उनकी अफगान खिलाड़ी के साथ तीखी बहस हुई। नबी का अतिरिक्त रन चुराने की वजह से एक बार फिर खेल भावना को लेकर बहस होने लगी। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस मामले पर अपनी राय दी है। उन्होंने मोहम्मद नबी का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि रन आउट के लिए थ्रो हो और बल्लेबाज को गेंद लगकर कहीं और चली जाए तो उसके पास रन लेने का अधिकार है।

रविचंद्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, " मैं दौड़ रहा हूं और मुझे रन आउट करने की कोशिश हुई। थ्रो मुझे लगा और गेंद किसी और दिशा गई तो मुझे रन लेने का अधिकार है। क्रिकेट की भावना? फिर, मुझे माफ कीजिए। इसे सरल भाषा में समझें। एक गेंदबाज सिर्फ आपका विकेट लेने के लिए गेंदबाजी कर रहा है। यदि आप उस गेंद को हिट करते हैं तो आप रन बना सकते हैं।" अश्विन ने आगे कहा, " जब गेंद पैड से टकराती है, तो यह लेग बाई होता है। जब यह आपके शरीर से नहीं लगती और विकेटकीपर इसे छोड़ देता है, तो यह बाई होता है। जब गेंद क्रीज से दूर रहती है, तो वह वाइड होती है। जब गेंदबाज का पैर लाइन से बाहर आता है तो वह नो-बॉल होती है। ये सब तब होता है जब गेंदबाज किसी का विकेट लेने की कोशिश कर रहा हो और गेंद पर रन बनता।

न्यूजीलैंड से टी20 सीरीज के बीच पाकिस्तान क्रिकेट में भूचाल!

एकसाथ 3 दिग्गजों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम में बवाल खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है. हालांकि, टीम भी लगातार निराशजनक प्रदर्शन कर रही है. न्यूजीलैंड दौरे पर गई पाकिस्तान टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज में 0-3 से पीछे है. अब खबर आई है कि टीम के तीन विदेशी कोच ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी इसकी पुष्टि कर दी है. पाकिस्तान टीम के विदेशी कोच मिकी आर्थर, ग्रांट ब्राडबर्न और एंड्रयू पुटिक ने राष्ट्रीय टीम और बोर्ड के साथ अपने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है. इससे पहले 2023 वनडे वर्ल्ड कप के तुरंत बाद बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्केल ने इस्तीफा दे दिया था.

गौरतलब है कि 2023 वनडे वर्ल्ड कप में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बोर्ड से लेकर मैनेजमेंट तक हर किसी की काफी आलोचना हुई थी. इसके बाद से ही पाकिस्तान टीम में बदलाव का दौर शुरू हो गया था. वहीं भारत में 50 ओवरों के विश्व कप के बाद तीनों विदेशी कोच के पोर्टफोलियो में बदलाव करके उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जिम्मेदारी सौंपी गई थी. इन तीनों के साथ गेंदबाजी कोच मॉर्नी मोर्कल भारत मे विश्व कप में पाकिस्तानी टीम के साथ थे. पाकिस्तान टूर्नामेंट में नॉकआउट चरण में भी नहीं पहुंच सका, जिसके बाद पीसीबी प्रबंध समिति के प्रमुख जका अशरफ ने उन्हें एनसीए भेज दिया. तीनों ने इससे इनकार किया और छुट्टी लेकर घर लौट गए. वहीं मोर्कल ने विश्व कप के तुरंत बाद इस्तीफा दे दिया था.

सबालेंका ने सुरेंको को 6-0, 6-0 से रौंदा ; गॉफ़ भी जीतीं

मेलबर्न, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गत चैंपियन आर्यना सबालेंका ने शुक्रवार को रॉड लेवर एरेना में लेसिया सुरेंको पर 6-0, 6-0 से धमाकेदार जीत के साथ अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया। 12 महीने पहले डाउन अंडर में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली सबालेंका को 28वीं वरीयता प्राप्त सुरेंको को डबल-बैगल करने और मेलबर्न में अपना लगातार 10वां मैच जीतने के लिए सिर्फ 52 मिनट की जरूरत थी।

सबालेंका 2017 से 2019 तक सेरेना विलियम्स के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन में लगातार 10 जीत दर्ज करने वाली पहली महिला हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने हालिया प्रभुत्व के बावजूद, सबालेंका को अपने अगले मैच में ध्यान केंद्रित करना होगा जब उसका सामना एक प्रतिद्वंद्वी से होगा जिसके खिलाफ उसने ऐतिहासिक रूप से संघर्ष किया है - संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा। अनिसिमोवा ने अपने करियर के पांच मुकाबलों में से चार में सबालेंका को हराया है। उनका पहला मुकाबला 2019 ऑस्ट्रेलियन ओपन में हुआ, जिसे अनिसिमोवा 6-3, 6-2 से जीतकर उस वर्ष के 16वें राउंड में पहुंच गई। अन्य मैच में, कोको गॉफ़ ने हमवतन और एक समय की बचपन की ट्रेनिंग पार्टनर एलिसिया पार्क्स को हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया।

पिछले दौर में एक अन्य अमेरिकी कैरोलिन डोलेहाइड को हराने के लिए शुरुआती लड़खड़ाहट से बचने के बाद, चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को इस बार ऐसी कोई कठिनाई नहीं हुई क्योंकि वह 6-0 6-2 से जीत गई। गॉफ अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए मैग्डेलेना फ्रेच या क्वालीफायर अनस्तासिया ज़खारोवा से भिड़ेंगी। पार्क्स पर अपनी जीत के साथ, 19 वर्षीय गॉफ ने ग्रैंड स्लैम में अपनी जीत का सिलसिला पिछले पतझड़ में न्यूयॉर्क में अपने विजयी खिताबी मुकाबले से लगातार 10 मैचों तक बढ़ा दिया।

डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, वह 2000 के बाद से ग्रैंड स्लैम स्पर्धाओं में लगातार 10 मैच जीतने वाली पांचवीं किशोरी हैं, जो सेरेना विलियम्स, स्वेतलाना कुज्नेत्सोवा , मारिया शारापोवा और इगा स्वीयाटेक के साथ शामिल हो गई हैं। ओपन युग में, वह क्रिस एवर्ट, ट्रेसी ऑस्टिन और सेरेना विलियम्स के बाद लगातार 10 ग्रैंड स्लैम एकल मैच जीतने वाली चौथी अमेरिकी किशोरी हैं। गॉफ़ नए सीज़न में अपराजित रही, जिससे उसका रिकॉर्ड 8-0 हो गया। इस साल वह सिर्फ एक सेट हारी हैं।

पिछले 2 मैच पारी से जीतने वाली मुंबई की हालत खस्ता

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी में लगातार दो मैच पारी से जीतने वाली अजिंक्य रहाणे की अगुआई वाली मुंबई की टीम की हालत संजू सैमसन की टीम केरल के खिलाफ खराब है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई की टीम ने 172 रन पर 7 विकेट गंवा दिए। ओपनर भूपेन लालवानी और शिवम दुबे को छोड़ कोई भी बल्लेबाज नहीं चला।

पहली 2 गेंद पर 2 विकेट गंवाने के बाद मुंबई की टीम दबाव से उबर ही नहीं पाई। ओपनर जय बिस्टा और अजिंक्य रहाणे लगातार गेंदों पर पवेलियन लौट गए। दोनों को बसिल थंपी ने पवेलियन भेजा। इसके बाद सुवेद पारकर 18 रन बनाकर आउठ हुए। तब मुंबई का स्कोर 41 रन था।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया

मिचेल और फिलिप्स के नाबाद अर्धशतक; सीरीज में 4-0 की बढ़त

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ चौथा टी-20 भी एकतरफा अंदाज में जीत लिया। क्राइस्टचर्च में शुक्रवार को टीम ने 7 विकेट से मैच जीतकर 5 टी-20 की सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त बना ली।

कीवी टीम के डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद अर्धशतक लगाए। पाकिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 158 रन बनाए। टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 18.1 ओवर में 3 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली।

मिचेल और फिलिप्स के बीच चौथे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी हुई। यह न्यूजीलैंड के लिए टी-20 की इस विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। पहले बैटिंग करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साईम अयूब 5 रन के स्कोर पर आउट हो गए। बाबर आजम 19 रन और फखर जमान ने 9 रन की पारी खेली जबकि इफ्तिखार अहमद ने 10 रन बनाए। मोहम्मद रिजवान ने टीम के लिए सबसे ज्यादा नाबाद 90 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन ने 2-2, एडम मिल्ने ने एक विकेट लिया।

मिचेल और फिलिप्स के बीच शतकीय साझेदारी

न्यूजीलैंड की भी शुरुआत खराब रही। पिछले मैच में शतक लगाने वाले फिल एलन दो चौका लगाकर पहले ही ओवर में शाहीन अफरीदी का शिकार हो गए। उसी ओवर में टिम सायफर्ट गोल्डन डक हुए। विल यंग भी सिर्फ 4 रन बना पाए। 20 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद मिचेल और फिलिप्स ने पारी को संभाला और टीम को जीत दिलाई। मिचेल ने 44 गेंद पर नाबाद 72 जबकि फिलिप्स ने 52 गेंद पर 70 रनों की पारी खेली। पाकिस्तान की तरफ से सभी तीन विकेट कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने लिए।

पांचवां मैच 21 जनवरी को केन विलियमसन इंजरी के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह मिचेल सैंटनर कप्तानी कर रहे हैं। लगातार चौथे टी-20 में जीत के साथ न्यूजीलैंड ने 5 मैचों की सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का आखिरी मैच 21 जनवरी को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा।

श्रीलंका ने 9 विकेट से जीता तीसरा टी-20

कोलंबो, 19 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में 9 विकेट से हरा दिया। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में पहले बैटिंग करते हुए जिम्बाब्वे 82 रन ही बना सका। श्रीलंका से कप्तान वनिंदु हसरंगा ने 4 विकेट लिए। 83 रन का टारगेट श्रीलंका ने 10.5 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। तीसरे टी-20 में जीत के साथ श्रीलंका ने टी-20 सीरीज भी 2-1 से अपने नाम कर ली। सीरीज का दूसरा मुकाबला जिम्बाब्वे और पहला श्रीलंका ने जीता था। वनडे सीरीज भी 2-0 से श्रीलंका के ही नाम रही थी। कोलंबो में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही और टीम ने पहले ही ओवर में क्रैग इरविन का विकेट गंवा दिया, वह खाता भी नहीं खोल सके। ब्रायन बेनेट और तिनाशे कामुन्हुकाम्वे ने तेजी से रन बनाए, लेकिन तीसरे ओवर में बेनेट भी आउट हो गए। उन्होंने 12 बॉल पर 29 रन बनाए। ओपनर कामुन्हुकाम्वे ने जिम्बाब्वे का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया। वह 12 रन बनाकर आउट हुए और यहीं से जिम्बाब्वे की पारी बिखर गई। शॉन विलियम्स 15, सिकंदर रजा 10, टोनी मुन्योंगा 4, क्लाइव मदाने 5, ल्यूक जोंगवे 2 और वेलिंगटन मसाकाद्जा 3 ही रन बनाकर आउट हो गए। रिचर्ड नगारवा खाता भी नहीं खोल सके। टीम 14.1 ओवर में 82 रन ही बना सकी। श्रीलंका से कप्तान वनिंदु हसरंगा ने 15 रन देकर 4 विकेट लिए। महीश तीक्षणा और एंजलो मैथ्यूज को 2-2 सफलताएं मिलीं, जबकि दिलशान मदुशंका और धनंजय डी सिल्वा ने एक-एक विकेट लिया।

रियल मैड्रिड की 21 मैचों के बाद पहली हार

एटलेटिको ने 4-2 से हराया; ग्रीजमैन-रिकेल्मे के एक्स्ट्रा टाइम गोल ने कोपा डेल-रे से बाहर किया

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। एटलेटिको मैड्रिड ने गुरुवार देर रात खेले गए कोपा डेल रे के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में राइवल रियल मैड्रिड को हरा दिया। सिविटास मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए मैच में एटलेटिको ने डिफेंडिंग चैंपियन रियल मैड्रिड को 4-2 से हराकर कॉम्पिटिशन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस हार के साथ रियल मैड्रिड का टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया। रियल मैड्रिड की यह 21 मैचों के बाद पहली हार है। कोपा डेल रे 1 नवंबर से शुरू हुआ और फाइनल 6 अप्रैल को सेविला के ला कार्टुजा स्टेडियम में होगा।

100वें मिनट में गोल

सैमुअल लिनो ने एटलेटिको मैड्रिड का मैच में जल्दी ही खाता खोल दिया और 39वें मिनट में गोल कर दिया। टीम के गोलकीपर जेन ओब्लाक ने ओवर टाइम (45+1) मिनट में आत्मघाती गोल कर दोनों टीमों को बराबरी पर ला दिया। मैच के 57वें मिनट में अल्वारो मोराटा ने गोल किया और अपनी टीम को 2-1 से आगे करने में मदद की। जोसेलु ने 82वे मिनट में गोल कर फिर रियल मैड्रिड को 2-2 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद एटलेटिको के एंटोनी ग्रीजमैन (100वें मिनट) और रोड्रिगो रिकेल्मे (119वें मिनट) ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल कर मैड्रिड पर 4-2 से जीत दिला दी।

क्या है कोपा डेल रे

कोपा डेल रे स्पैनिश फुटबॉल का डोमेस्टिक नॉकआउट टूर्नामेंट है। इसकी शुरुआत साल 1903 में हुई थी, इसलिए यह स्पेन का सबसे पुराना डोमेस्टिक टूर्नामेंट है। टूर्नामेंट स्पेन के सभी प्रोफेशनल क्लब को खेलने का मौका मिलता है। कुल 126 टीमें इस साल के टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही हैं। कोपा डेल रे विजेता अगले सीजन के UEFA यूरोपा लीग के लिए कोटा प्राप्त करता है। यदि वे अपनी लीग रैंकिंग से पहले ही यूरोप के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं, तो यूरोपा लीग का स्थान फर्स्ट टियर लालीगा में सर्वोच्च स्थान वाली टीम को दिया जाता है, जिसने अभी तक क्वालीफाई नहीं किया है। कोपा डेल रे में हार के साथ ही इस सीजन रियल मैड्रिड का ट्रेबल जीतने का सपना अधूरा रह गया। फुटबॉल में ट्रेबल तब होता है जब एक टीम एक ही सीजन में तीन प्रमुख ट्रॉफियां जीतती है। इसमें यूरोपियन चैंपियनशिप (यूसीएल), डोमेस्टिक टॉप टियर लीग (स्पेन में लालीगा) और टॉप डोमेस्टिक नॉकआउट टूर्नामेंट (स्पेन में कोपा डेल रे) शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया ने ढाई दिन में जीता एडिलेड टेस्ट

वेस्टइंडीज को 10 विकेट से हराया, हेजलवुड को 9 विकेट

एडिलेड, 19 जनवरी (एजेंसियां)। एडिलेड टेस्ट के तीसरे ही दिन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 10 विकेट से हरा दिया। पहले टेस्ट में तीसरे दिन के पहले ही सेशन में कंगारुओं ने विंडीज की दूसरी पारी 120 रन पर समेट दी। पहली पारी में 95 रन की बढ़त के कारण ऑस्ट्रेलिया को 26 रन का टारगेट मिला। टीम ने बगैर नुकसान के ही इसे 7वें ओवर में हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया से जोश हेजलवुड ने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। पहली पारी में 119 रन बनाने वाले ट्रैविस हेड प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

जोसेफ-रोच ने विंडीज को पारी की हार से बचाया

वेस्टइंडीज ने तीसरे दिन 73/6 के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई। दूसरे दिन नॉटआउट रहे जोशुआ डा सिल्वा के साथ अल्जारी जोसेफ उतरे। डा सिल्वा 18 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद अल्जारी भी 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे। दोनों विकेट मिचेल स्टार्क ने लिए।

गुडाकेश मोटी भी 3 ही रन बना सके और वेस्टइंडीज ने 94 रन पर अपने 3 विकेट गंवा दिए। टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया की लीड से एक रन पीछे थी। यहां केमार रोच और डेब्यूटांट शमार जोसेफ ने टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। जोसेफ 15 रन बनाकर आउट हुए और दोनों के बीच 26 रन की पार्टनरशिप टूटी। रोच 11 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

हेजलवुड ने 5 विकेट लिए

पहली पारी में 4 विकेट लेने वाले हेजलवुड को दूसरी पारी में 5 सफलताएं मिलीं। उनके अलावा मिचेल स्टार्क और नाथन लायन को 2-2 विकेट मिले। कैमरन ग्रीन को एक सफलता मिली। वेस्टइंडीज 35.2 ओवर में 120 रन ही बना सका। टीम ने पहली पारी में 188 रन बनाए थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 283 रन बना दिए थे। इसलिए कंगारू टीम को दूसरी पारी में 26 रन का टारगेट मिला।

ख्वाजा हुए रिटायर्ड हर्ट

26 रन के टारगेट का पीछा करने में ऑस्ट्रेलिया के ओपनर उस्मान ख्वाजा इंजर्ड हो गए। 7वें ओवर की दूसरी बॉल शमार जोसेफ ने बाउंसर फेंकी। ख्वाजा डक करने गए लेकिन बॉल उनके हेलमेट पर लग गई। उनके मुंह से खून निकलने लगा, उन्हें चेक करने के लिए फिजियो टीम आई और वह 9 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन चले गए।

ऑस्ट्रेलिया 40 बॉल में जीता

ख्वाजा के पवेलियन लौटने के वक्त ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए एक ही रन की जरूरत थी। मार्नस लाबुशेन उनके बाद बैटिंग करने आए। उन्होंने अपनी दूसरी ही बॉल पर सिंगल लिया और ऑस्ट्रेलिया ने 6.4 ओवर यानी 40 बॉल में टारगेट हासिल कर लिया। स्टीव स्मिथ 22 बॉल में 11 रन बनाकर नॉटआउट रहे। तीसरे दिन वेस्टइंडीज ने करीब 13 और ऑस्ट्रेलिया ने 7 ओवर बैटिंग की। यानी पहले सेशन में 20 ओवर का खेल ही हो सका और मुकाबला ढाई दिन से भी कम समय में खत्म हो गया।

सीएम ने पोर्ट ऑफ लंदन के अधिकारियों के साथ मूसी नदी के पुनरुद्धार की योजना पर चर्चा की

लंदन के अधिकारियों ने सहयोग और साझेदारी का आश्वासन दिया

लंदन/हैदराबाद 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री, ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को टेम्स नदी के प्रमुख जल निकाय शासी निकाय - पोर्ट ऑफ लंदन अथॉरिटी के अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ तीन घंटे की लंबी चर्चा करके अपने लंदन दौरे की शुरुआत की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुसी नदी को पुनर्जीवित करने के अपने दृष्टिकोण और लंदन यात्रा के मुख्य कारण - टेम्स नदी के प्रबंधन के बारे में जानने, इसके प्रबंधन से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और सर्वोत्तम प्रथाओं को एकत्रित करने के बारे में बात की। सुश्री सियान फोस्टर, कॉर्पोरेट मामलों की निदेशक, और सुश्री राज केहल-लिवी, प्रमुख, स्टेकहोल्डर एंगेजमेंट, पोर्ट ऑफ लंदन अथॉरिटी, ने टेम्स नदी के किनारे विकासात्मक गतिविधियों, प्राकृतिक चुनौतियों और इंजीनियरिंग प्रतिक्रिया और समाधान, हितधारक प्रबंधन का एक व्यापक इतिहास प्रस्तुत किया। निवेश और राजस्व प्रबंधन, और सर्वोत्तम प्रथाएँ दशकों में विकसित हुईं। पृथ्वी पर अधिकांश शहर नदियों, झीलों या समुद्र के अलावा ऐतिहासिक रूप से विकसित हुए हैं। जल

निकाय शहरी मानव आवासों को शक्ति प्रदान करने और सक्षम बनाने वाली जीवनदायी शक्तियां हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद मुसी नदी के किनारे विकसित हुआ, लेकिन हुसैनसागर झील के आसपास केंद्रित होने के कारण अद्वितीय है, और इसे उस्मानसागर जैसे अन्य प्रमुख जल निकायों द्वारा बढ़ावा दिया गया है। एक बार जब हम पुनर्जीवित हो जाएंगे और मुसी को उसकी पूरी ताकत में वापस लाएंगे, तो हैदराबाद नदी और झीलों दोनों से संचालित होगा। लंदन के अधिकारियों के विजन 2050 के साथ मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण के साथ तालमेल पाते हुए, सुश्री केहल-लिवी और सुश्री फोस्टर ने कहा, हम नदी के लिए उच्चतम स्तर की स्थिरता सुनिश्चित कर रहे हैं, यहां तक कि हम बैंकों के साथ विकास और अनुकूलन भी कर रहे हैं। लोगों और स्थानीय समुदायों के लिए अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए इष्टतम राजस्व मॉडल ढूंढना और भविष्य में शुरू की जाने वाली विभिन्न परियोजनाओं के लिए सर्वोत्तम श्रेणी का परियोजना प्रबंधन हमारा निरंतर ध्यान है। शीर्ष निकाय ने मुसी नदी को पुनर्जीवित करने के अपने सभी प्रयासों में हैदराबाद को हरसंभव समर्थन देने का आश्वासन दिया। विभिन्न संभावित साझेदारी बिंदुओं की अधिक विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। दोनों पक्ष भविष्य में और अधिक चर्चाएँ और सहभागिताएँ करने और विशिष्ट परियोजनाओं पर सहयोग करने पर सहमत हुए।

इस कार्यक्रम में सीएम के प्रधान सचिव वी. शेषाद्रि, एमए एंड यूडी के प्रधान सचिव दाना किशोर, सीएम के विशेष सचिव बी. अजीत रेड्डी, एचएमडीए के संयुक्त आयुक्त और एमडी एमआरडीसीएल आम्रपाली, विशेष सचिव निवेश और प्रचार ई. विष्णु वर्धन रेड्डी, एसई एमआरडीसीएल वेंकटरमण ने भाग लिया।

एक करोड रुपए की हीरोइन बरामद, चार गिरफ्तार

राचकोंडा पुलिस की नशे के कारोबारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एसओटी, एलबी नगर जोन टीम ने मीरपेट पुलिस के साथ मिलकर राजस्थान से हैदराबाद तक हेरोइन और एमडीएमए ड्रग के परिवहन और बिक्री के अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया। सीपी राचकोंडा सुधीर बाबू ने बताया कि विश्वसनीय सूचना पर, एसओटी, एलबी नगर जोन टीम के अधिकारियों ने मीरपेट पुलिस के साथ मिलकर चार अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियो में राजस्थान के नरेन्द्र बिश्नोई , प्रवीण बिश्नोई उर्फ प्रवीण कुमार , हेमा राम, पक्काराम देवासी उर्फ प्रकाश शामिल हैं। जबकि दो आरोपी फरार है। गिरफ्तार आरोपियो के पास से हेरोइन ड्रग- 150.3 ग्राम, एमडीएमए दवा - 32.1 ग्राम, वजन मापने की मशीन - 2, सफ़ेद रंग का लिफ़ाफ़ा कवर -60, ज़िप लॉक कवर-50, सिल्वर कलर पेपर बंडल (एल्यूमीनियम फॉयल) दो, 2,500 रुपए नकद, दोपहिया- 2 मोबाइल फोन- 6 बरामद हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार के अनुसार जब्त की गई हेरोइन की कीमत लगभग 1 करोड़ रुपये है। सीपी ने बताया कि आरोपी नरेंद्र बिश्नोई, प्रवीण बिश्नोई उर्फ प्रवीण कुमार, हेमा राम और पक्काराम देवासी उर्फ प्रकाश राजस्थान राज्य के बाड़मेर जिले के मूल निवासी हैं। वे नशीली दवाओं के सेवन के आदी हो गए हैं, बाद में उन्होंने इसे खरीदना और जरूरतमंद व्यक्तियों को आपूर्ति करना शुरू कर दिया और इस तरह अवैध तरीकों से आसानी से पैसा कमाना शुरू कर दिया। वे राजस्थान के एक ड्रग कारोबारी के संपर्क में आकर नशीले पदार्थों की बिक्री करने लगे। वे कपड़ों में छिपाकर निजी बस से यात्रा करके राजस्थान से हैदराबाद तक नशीली दवाओं का परिवहन करते हैं।

बीती 18 जनवरी को दोपहर के समय, एसओटी एलबी नगर जोन टीम ने मीरपेट पुलिस के साथ मिलकर मीरपेट पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत वार्शिनी फंक्शन हॉल, अलमासगुडा के पास आरोपी व्यक्तियों को पकड़ा गया । फरार आरोपियों को पकड़ने और उपभोक्ताओं की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। सीपी ने लोगों और छात्रों से अपील है कि प्रतिबंधित नारकोटिक्स पदार्थों और दवाओं की खरीद, बिक्री, परिवहन और उपभोग एक अपराध है और एनडीपीएस अधिनियम की धारा 31 ए के अनुसार 10 साल की कैद और मौत की सजा हो सकती है। आगे समाज से अनुरोध है कि इस खतरे को रोकने में पुलिस की मदद करें।

सीपी ने महिला सुरक्षा निगरानी रजिस्टर लांच किया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, राचकोंडा जी. सुधीर बाबू ने राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय के सभी कानून और व्यवस्था पुलिस स्टेशनों में प्रसारित करने और बनाए रखने के लिए "महिला सुरक्षा निगरानी रजिस्टर" लॉन्च किया। इस रजिस्टर का मुख्य उद्देश्य पीड़ितों का समर्थन करना और उनका अनुसरण करना है, यह सुनिश्चित करना है कि आरोपी या प्रतिवादी उसी या अन्य महिलाओं के खिलाफ आगे असुविधा, परेशानी या अपराध नहीं कर रहा है।यौन उत्पीड़न करने वाले अपराधियों पर नज़र रखने के लिए रजिस्टर को कम से कम 6 महीने

तक निगरानी की आवश्यकता होती है। इस रजिस्टर को गोपनीय रूप से बनाए रखने की जिम्मेदारी थानेदार और सेक्टर एसआई की है। अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से पीड़ित या पीड़ित के परिवार के सदस्यों को फोन करना चाहिए और पूछताछ करनी चाहिए कि क्या पीड़ित या उसके परिवार के सदस्यों को आगे यौन उत्पीड़न, धमकी, प्रलोभन, धमकी या अन्य प्रकार के अपराध का शिकार बनाया जा रहा है।इस सक्रिय दृष्टिकोण का उद्देश्य पीड़ित की रक्षा करना, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना और आरोपी/प्रतिवादी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सुविधा प्रदान करना है।यह सत्यापित करना आवश्यक है कि क्या आरोपी प्रतिवादी, जिसका नाम रजिस्ट्री में दर्ज किया गया है, अन्य महिलाओं के खिलाफ समान अपराध कर रहा है और उनके व्यवहार की निगरानी करना आवश्यक है।

आदतन अपराधी के दोषी यौन अपराधियों के ठिकाने और वर्तमान गतिविधियों की जाँच की जानी चाहिए ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या वे समान अपराधों में लिप्त हैं।

यह रजिस्टर ज्ञात यौन अपराधियों की गतिविधियों पर नज़र रखकर महिला सुरक्षा बढ़ाने का एक उपकरण है। रजिस्टर जी.सुधीर बाबू पुलिस आयुक्त, रचाकोंडा पुलिस आयुक्तालय द्वारा लॉन्च किया गया है और आयुक्तालय के सभी पुलिस स्टेशनों के एसएचओ को वितरित किया गया है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि, राजनीतिक दल ''मातरम पार्टी'' के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है । पार्टी कार्यालय ''६७-६-९/११'', वीर कमल थिएटर के पास, अशोक नगर, काकिनाडा, पूर्वी गोदावरी, आन्ध्र प्रदेश - ५३३००३'' में स्थित है ! इस दलने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम,१९५१ कि धारा २९ अ के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिष्ट्रीकरण के लिये भारत निर्वाचन आयोग, नाई दिल्ली को आवेदन प्रसतुत किया है. पार्टी के पदाधिकारियो के नाम/पत्ता नीचे दिये गये है:-

१) अध्यक्ष : श्री. सुनील कुमार मुरालासेट्टी
पत्ता : ६७-६-९/११, वीर कमल थिएटर के पास, अशोक नगर, काकिनाडा पूर्वी गोदावरी, आन्ध्रप्रदेश-५३३००३.
२) महासचिव /सचिव : श्रीमती गौरी देवी मुरलासेट्टी
पत्ता : ६७-६-९/११, वीर कमल थिएटर के पास, अशोक नगर, काकिनाडा, पूर्वी गोदावरी, आन्ध्रप्रदेश-५३३००३.
३) कोषाध्यक्ष : श्री. राजेश मुगडा
पत्ताः- २४-८-५०, कचेरी पेटा, काकिनाडा, पूर्वी गोदावरी, आन्ध्रप्रदेश-५३३००१.
यदी किसी को ''मातरम पार्टी'' के रजिष्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इसके करणो सहित सचिव भारत निर्वाचन आयोग सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली - ११०००१ को, इस सूचना के प्रकाशन के ३० दिनोके भीतर भेजे!

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.